@Qpatrika @qaumipatrika hindi instagram.com/ qaumipatrika

कौमी पत्रिका

राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित

शुक्रवार, 19 सितंम्बर 2025

VISIT: www.qaumipatrika.in Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 18 अंक 310 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

चुनाव आयोग का राहुल गांधी को जवाब, कहा- वोट ऑनलाइन डिलीट नहीं किया जा सकता, आरोप आधारहीन

'किसी भी आम नागरिक की तरफ से किसी भी वोट को ऑनलाइन नहीं हटाया जा सकता : ज्ञानेश कुमार

एजेंसी

नई दिल्ली । भारतीय चुनाव आयोग ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के आरोपों को निराधार और गलत बताते हुए उनका खंडन किया है। चुनाव आयोग ने स्पष्ट किया कि ऑनलाइन वोट डिलीशन संभव नहीं है और किसी मतदाता को सुनवाई का मौका दिए बिना वोटों को हटाया नहीं जा सकता है।

कांग्रेस सांसद की ओर से मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर लगाए गए आरोपों के बाद चुनाव आयोग ने कहा, 'किसी भी आम नागरिक की तरफ से किसी भी वोट को ऑनलाइन नहीं हटाया जा सकता, जैसा कि राहुल गांधी ने गलत धारणा बनाई है। प्रभावित व्यक्ति को सुनवाई का अवसर दिए बिना वोटों को हटाया नहीं जा सकता।' आलंद निर्वाचन क्षेत्र में मतदाताओं के वोट हटाने के आरोपों पर चुनाव आयोग ने जवाब दिया, '2023 में आलंद विधानसभा क्षेत्र में मतदाताओं के नाम हटाने के कुछ असफल प्रयास किए गए थे और मामले की जांच के लिए स्वयं चुनाव आयोग की ओर से एक प्राथमिकी दर्ज की गई थी। आलंद में चुनाव निष्पक्ष परिणाम दर्शाते हैं, जिसमें 2018 में भाजपा के सुभाध गुट्टेदार और 2023 में कांग्रेस के बीआर पाटिल जीते।'

कर्नाटक के आलंद में 6,018 वोट फर्जी तरीके से डिलीट : राहुल गांधी

एजेंसी

नई दिल्ली । लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने मतदाता सूची में कथित फर्जीवाड़े को लेकर नया दावा किया है। उन्होंने कर्नाटक के आलंद निर्वाचन क्षेत्र का उदाहरण देते हुए आरोप लगाए कि इस क्षेत्र में 6,018 मतदाताओं को वोट डिलीट किए गए। राहुल गांधी ने गुरुवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए कहा, 'यह इस देश के युवाओं को यह समझाने और दिखाने की दिशा में एक और मील का पत्थर है कि चुनावों में किस तरह धांधली हो रही है। मैं चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के बारे में एक मजबूत दावा करने जा रहा हूं। मैं भारत के लोगों को एक ऐसा सबूत दिखाने जा रहा हूं, जो बिल्कुल साफ और स्पष्ट है कि भारत का चुनाव आयोग उन लोगों को बचा रहा है, जिन्होंने भारतीय लोकतंत्र को नष्ट किया है।' कांग्रेस सांसद ने दावा किया कि आलंद निर्वाचन क्षेत्र में 6,018 वोट हटाए गए। राहुल ने कहा, 'हमें नहीं पता कि 2023 के चुनाव में आलंद में कुल कितने वोट हटाए गए। संभवतः यह संख्या 6,018 से कहीं ज्यादा है।' उन्होंने कहा कि आलंद में वोट डिलीट का मामला संयोग से पकड़ा गया। उन्होंने दावा किया, 'एक बूथ अधिकारी ने देखा कि उसके रिश्तेदार का वोट हटा दिया गया है। इसलिए, उसने जांच की कि उसके रिश्तेदार का वोट किसने हटाया था और पता चला कि वह एक पड़ोसी था। हालांकि, न तो वोट डिलीट करने वाले व्यक्ति को और न ही जिसका वोट डिलीट हुआ था, उसे इसकी जानकारी थी।

एनडीए जितना मजबूत होगा, बिहार उतना समृद्ध होगा : अमित शाह

'लालू यादव, राबड़ी देवी और तेजस्वी यादव बिहार का विकास नहीं कर सकते हैं'

एजेंसी

सासाराम । केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को दावा किया कि एनडीए जितना मजबूत होगा, बिहार उतना ही समृद्ध होगा। लालू परिवार पर जुबानी हमला करते हुए उन्होंने कहा कि लालू यादव, राबड़ी देवी और तेजस्वी यादव बिहार का विकास नहीं कर सकते हैं।

रोहतास जिले के डेहरी में 10 जिलों के चयनित कार्यकर्ताओं की बैठक को संबोधित करते हुए अमित शाह ने कहा कि अन्य दलों में नेता चुनाव जीतते हैं, लेकिन भाजपा ऐसी पार्टी है जहां कार्यकर्ता ही चुनाव जीतते हैं।उन्होंने कहा कि बिहार की जनता ने राजद और उनके सहयोगियों को सरकार चलाने का

मौका दिया, लेकिन वहां फिरौती और हत्या जैसी घटनाएं होने लगीं। इससे राज्य की समृद्धि नहीं हो सकती। अगर युवाओं को आगे बढ़ना है और बिहार को विकास की राह पर ले जाना है तो आने वाले चुनाव में एनडीए की सरकार को वोट देकर मजबूत बनाना होगा। उन्होंने कार्यकर्ताओं से अपील की कि इस क्षेत्र की 80 प्रतिशत सीटों पर एनडीए उम्मीदवारों को जीत दिलाएं। अमित शाह ने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की वोट अधिकार यात्रा को 'घुसपैठिये बचाओ यात्रा' बताया। उन्होंने लोगों से पूछा कि क्या घुसपैठियों को वोट देने का अधिकार होना चाहिए, क्या उन्हें राशन या आयुष्मान कार्ड मिलना चाहिए? उन्होंने कार्यकर्ताओं से अपील की कि नीतीश कुमार की सरकार ने बिहार के लिए जो काम किए हैं, उनकी जानकारी हर घर तक पहुंचाएं। अमित शाह ने विपक्ष की ओर इशारा करते हुए आगे कहा कि ये लोग अगर सत्ता में आते हैं तो घुसपैठिये बढ़ेंगे।

पंजाब सरकार के 'मिशन चढ़दीकला' की केजरीवाल ने की सराहना

एजेंसी

पंजाब । आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने पंजाब सरकार के नए अभियान 'मिशन चढ़दीकला' की तारीफ की। उन्होंने कहा कि यह मिशन प्रेरणादायक है और पंजाब की असली पहचान को दर्शाता है।

अरविंद केजरीवाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान का एक वीडियो शेयर किया। उन्होंने पंजाब सरकार द्वारा शुरू किए गए 'मिशन चढ़दीकला' को प्रेरणादायक बताया।उन्होंने वीडियो शेयर करते हुए लिखा, 'पंजाब सरकार ने एक प्रेरणादायक 'मिशन चढ़दीकला' शुरू किया है। पंजाब की यही पहचान है। चाहे कितनी भी बड़ी मुसीबत आ जाए, पंजाबी अपने हौसले और चढ़दीकला के दम पर न सिर्फ खुद को खड़ा करते हैं, बल्कि दूसरों को भी हाथ पकड़कर बाहर निकालते हैं।' अरविंद केजरीवाल ने लोगों से अपील करते हुए कहा, 'अब

● **कहा- फिर से बनाएंगे 'रंगला पंजाब'**

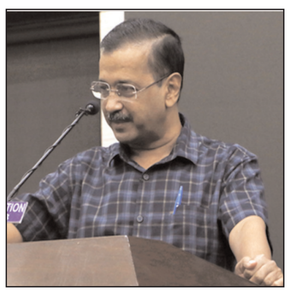

समय है कि हम सब मिलकर इस मिशन में शामिल हों, टूटे सपनों को फिर से जोड़ें और अपने पंजाब को फिर से 'रंगला पंजाब' बनाएं। आप भी दिल खोलकर पंजाब की मदद करें।' सीएम भगवंत मान ने पंजाब की जनता के नाम एक संदेश शेयर किया। उन्होंने पंजाब बाढ़ का जिक्र करते हुए कहा, 'पिछले दिनों पंजाब ने एक भयावह मंजर देखा और आने वाली पीढ़ी इस मंजर को भूला नहीं सकती। एक भयानक बाढ़ ने न केवल कहर बरसाया बल्कि ये बाढ़ लाखों सपनों को भी अपने साथ बहाकर ले गई। 2,300 गांव डूब गए, सात लाख लोग बेघर और 20 लाख लोग प्रभावित हुए। इसके अलावा, कई लोगों की जानें भी गईं।' उन्होंने आगे कहा, 'जब-जब भी पंजाब संकट में फंसा है, तो पंजाब ने कभी सिर नहीं झुकाया और सीना तानकर बाहर निकलकर आया है। इसके तहत हम 'मिशन चढ़दीकला' शुरू करने जा रहे हैं ताकि पंजाब के लोगों तक मदद पहुंच सके।' पंजाब में आई भीषण बाढ़ ने कई गांवों को जलमग्न कर दिया है, जिससे जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है।

जानकारी छिपाकर किसे बचा रहा चुनाव आयोग : खरगे

नई दिल्ली। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के कर्नाटक के आलंद विधानसभा क्षेत्र में 6,018 मतदाताओं के नाम हटाए जाने के आरोप का कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने समर्थन करते हुए चुनाव आयोग से तीन सवाल पूछे। मल्लिकार्जुन खरगे ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपनी पोस्ट में कहा कि आलंद विधानसभा क्षेत्र में मतदाता सूची से नाम हटाने की जांच कर रही सीआईडी टीम ने पिछले 18 महीनों में चुनाव आयोग को 18 पत्र लिखे हैं। लेकिन, चुनाव आयोग दोषियों का पता लगाने के लिए जरूरी जानकारी छिपा रहा है। उन्होने राहुल गांधी के आरोपों का समर्थन करते हुए कहा कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने इस घटना का पर्दाफाश कर दिया है।

प्रधानमंत्री मोदी की जीवन यात्रा पर आधारित संगीतमय प्रस्तुति ने दर्शकों को किया भावविभोर

कौमी पत्रिका

नई दिल्ली,18 सितम्बर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जीवन पर आधारित संगीतमय प्रस्तुति 'मेरा देश पहले द अनटोल्ड स्टोरी ऑफ़ श्री नरेंद्र मोदी जी' का भव्य आयोजन कल के. डी. जाधव हॉल, इंदिरा गांधी स्टेडियम में किया गया। दिल्ली सरकार के कला, संस्कृति एवं भाषा मंत्रालय के सहयोग से आयोजित इस संगीतमय प्रस्तुति ने प्रधानमंत्री मोदी के जीवन की प्रेरणादायक गाथा को जन-जन तक पहुँचाया गया। इस विशेष संध्या की रुपरेखा प्रसिद्ध गीतकार एवं लेखक मनोज मुंतशिर ने तैयार की थी। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बाल्यकाल से लेकर उनके संघर्षपूर्ण राजनीतिक जीवन और असाधारण नेतृत्व की यात्रा को संगीतमय प्रस्तुतियों, भावपूर्ण कथानक और भव्य मंचीय प्रदर्शनों के माध्यम से जीवंत रूप में प्रस्तुत किया गया। प्रसिद्ध गायक बी प्राक और अन्य प्रतिष्ठित कलाकारों ने अपनी संगीतमय प्रस्तुतियों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस अवसर पर भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री जे.पी. नड्डा, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, दिल्ली सरकार के कला, संस्कृति एवं भाषा मंत्री कपिल मिश्रा और दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा सहित अनेक राजनीतिक,

सामाजिक और सांस्कृतिक क्षेत्र की ब ?ी हस्तियां उपस्थित थीं। कार्यक्रम में ओलम्पिक मेडल विजेता, पद्म पुरस्कार विजेता, साहित्य एवं कला जगत की प्रमुख हस्तियां, न्याय जगत के गणमान्य, खेल और मनोरंजन जगत से जुड़े लोग तथा बड़ी संख्या में प्रबुद्धजन एवं सामाजिक संगठन के प्रतिनिधि भी उपस्थित थे। केंद्रीय मंत्री जे.पी. नड्डा ने अपने संबोधन में कहा कि आज 'मेरा देश पहले' नाट्य संस्करण का अवलोकन करना अपने आप में एक अनूठा अनुभव है। मैं सबसे पहले आयोजकों और विशेष रूप से मनोज मुंतशिर जी का धन्यवाद करना चाहूंगा जिन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जीवन की उन अनकही और अनसुनी घटनाओं को संगीतमय रूप में प्रस्तुत किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी का जीवन सदैव 'सेवा ही संकल्प' के आदर्श पर आधारित रहा है। यह हम सबका सौभाग्य है कि हमें ऐसे नेता प्रधानमंत्री के रूप में मिले हैं, जो न केवल भारतीय जनता पार्टी बल्कि पूरे देश को गर्व और गौरव का अहसास कराते हैं। **शेष पृष्ठ 3 पर**

छत्तीसगढ़ में सुरक्षाबलों का बड़ा ऑपरेशन

तीन इनामी नक्सली ढेर, हथियार एवं विस्फोटक बरामद

एजेंसी

रायपुर। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित सुकमा और बीजापुर जिलों में सुरक्षा बलों को बड़ी सफलता हाथ लगी है। दो अलग-अलग मुठभेड़ों में कुल 12 लाख रुपए के इनामी तीन माओवादी मारे गए, जिनमें एक महिला माओवादी भी शामिल है। दोनों ही मुठभेड़ों में सुरक्षा बलों ने नक्सली साहित्य एवं दैनिक उपयोग की सामग्री बरामद की गई है। सुकमा एसपी किरण चव्हाण ने बताया कि विश्वसनीय सूचना के आधार पर डीआरजी की टीम ने जंगलों में सर्च ऑपरेशन चलाया, जिसमें यह सफलता मिली। वहीं, बीजापुर जिले की मुठभेड़ में दो इनामी नक्सली मारे गए। यह मुठभेड़ 17 सितंबर को हुई।

भारी मात्रा में हथियार, विस्फोटक सामग्री और दस्तावेज भी बरामद किए हैं। सुकमा जिले में सुरक्षा बलों और माओवादियों के बीच भीषण मुठभेड़ हुई। इस दौरान 5 लाख की इनामी महिला माओवादी बूस्की नुप्पों (35) मारी गई। वह मलांगीर एरिया कमेटी की सक्रिय सदस्य (एसीएम) थी और सुकमा एवं दंतेवाड़ा में दर्ज 9 गंभीर मामलों की आरोपी थी। इसके पास से 315 बोर रायफल, रायफल कारतूस, वायरलेस सेट, डेटोनेटर, कोर्डेक्स वायर, जिलेटिन रॉड, पिट्ठू बैग, बारूद, रेडियो, बंडा, बीजापुर के दक्षिण-पश्चिमी जंगलों में भी माओवादियों के खिलाफ चलाए गए अभियान में दो इनामी माओवादी ढेर कर दिए गए। ये दोनों हाल ही में ग्रामीणों और एक शिक्षादूत की हत्या में शामिल थे। मारे गए माओवादियों की पहचान रघु हपका (33) के रूप में हुई है। इसके ऊपर 5 लाख रुपए का इनाम रखा गया था। दूसरे माओवादी की पहचान सुक्कु हेमला (32) के रूप में हुई है, जो बीजापुर थाना का रहने वाला था। इसके ऊपर 2 लाख रुपए का इनाम रखा गया था।

दिल्ली में 70 देशों के राजनयिकों ने अपनी मां के नाम पर किया पौधरोपण

● सेवा पखवाड़ा के तहत दिल्ली के पीबीजी ग्राउंड में यह वृक्षारोपण का कार्यक्रम आयोजित किया गया।

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव और दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की मौजूदगी में 70 से अधिक देशों के 75 राजदूतों, उच्चायुक्तों और मिशन प्रमुखों ने गुरुवार को एक पेड़ मां के नाम अभियान तहत अपनी मां के नाम पर पौधरोपण किया। सेवा पखवाड़ा के तहत दिल्ली के पीबीजी ग्राउंड में यह वृक्षारोपण का कार्यक्रम आयोजित किया गया।

इस मौके पर दिल्ली के पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा भी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता पत्रकारों को बताया कि 70 देशों के राजनयिकों ने अपनी माताओं के नाम पर दिल्ली की धरती पर पेड़ लगाया। यह दृश्य दिखाता है कि मां का रिश्ता न भाषा से बंधा है और न ही सीमा से। मां का नाम लिया जाए तो पूरी धरती एक हो जाती है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के जन्मदिन पर शुरू सेवा पखवाड़े के अंतर्गत 'एक पेड़ मां के नाम 2.0' अभियान न केवल पर्यावरण संरक्षण का संदेश देता है, बल्कि मां और धरती मां दोनों के प्रति हमारी कृतज्ञता का भी प्रतीक है। दिल्ली सरकार इस वर्ष 70 लाख पेड़ लगाने के संकल्प के साथ आगे बढ़ रही है। उन्होंने सभी से अपनी मां के नाम पर एक पेड़ अवश्य लगाने का आग्रह किया।

चमोली में अतिवृष्टि से बड़ा नुकसान

10 लोग लापता, देहरादून में मृतकों की संया हुई 21

एजेंसी

चमोली। उत्तराखंड में बुधवार रात से लगातार हो रही बारिश कहर बरपा रही है। चमोली जिले के तहसील घाट नंदानगर में अतिवृष्टि से 10 लोगो के लापता होने की सूचना है। बताया जा रहा है कि कुंतरी लगा फाली तोक में 8 और धुरमा में 2 लोग लापता हैं।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने दुख जताते हुए राहत एवं बचाव कार्य तेजी करने के निर्देश दिए हैं। इसके अलावा देहरादून, टिहरी में भी नुकसान की सूचना है। सड़क मार्ग जगह-जगह बंद हैं। चमोली जिले के

ग्राम कुंतरी लगा फाली तोक में कुंवर सिंह पुत्र बलवंत सिंह (42), कांता देवी पत्नी कुंवर सिंह (38), विकास और विशाल पुत्र कुंवर सिंह (दोनों 10 वर्ष के), नरेन्द्र सिंह पुत्र ताल सिंह (40), जगदम्बा प्रसाद पुत्र ख्याली राम (70), भागा देवी पत्नी जगदम्बा प्रसाद (65) व देवेश्वरी देवी पत्नी दिलबर सिंह (65), तहसील घाट नंदानगर के गांव धुरमा में गुमान सिंह पुत्र चन्द्र सिंह (75) और ममता देवी पत्नी विक्रम सिंह (38) लापता बताए जा रहे हैं।

कुंतरी लगा फाली तोकमें छह भवन पूर्ण छतिग्रस्त हुए है। प्रशासन ने सूची जारी करने साथ ही राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण को यह जानकारी दी है। एसडीआरएफ व एनडीआरएफ की टीमें मोटे पर राहत एवं बचाव में जुटे गई हैं।

गाजा में हालात बहुत खराब, भारत मजबूती से रखे अपना पक्ष : स्टालिन

एजेंसी

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री और डीएमके प्रमुख एमके स्टालिन ने गाजा में चल रहे मानवीय संकट पर चिंता जताई। उन्होंने दुनियाभर के देशों से गाजा पर ध्यान देने की अपील की। उन्होंने कहा कि गाजा में हालात बहुत खराब हैं, दुनिया को इस पर ध्यान देना चाहिए।तमिलनाडु के मुख्यमंत्री स्टालिन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक भावनात्मक पोस्ट में लिखा, ÷गाजा में हालात बहुत खराब हैं, दुनिया को इस पर ध्यान देना चाहिए। मैं गाजा में हो रहे अत्याचारों से स्तब्ध हूं। हर दृश्य दिल दहलाने वाला है। बच्चों की चीखें, भूखे बच्चे, अस्पतालों पर बमबारी और संयुक्त राष्ट्र की जांच समिति द्वारा नरसंहार की घोषणा, यह सब उस पीड़ा को दर्शाता है, जो किसी भी इंसान को नहीं झेलनी चाहिए।' सीएम स्टालिन ने केंद्र सरकार से अपील करते हुए कहा, 'जब इस तरह बेगुनाह लोगों की जान जा रही है, तो चुप रहना विकल्प नहीं है।

मालेगांव ब्लास्ट केस : कोर्ट से बरी साध्वी प्रज्ञा ठाकुर समेत सभी आरोपियों को हाई कोर्ट का नोटिस

● यह सुनवाई मुख्य न्यायाधीश चंद्रशेखर और जस्टिस गौतम अंखड की बेंच के समक्ष हुई।

एजेंसी

मुंबई । बॉम्बे हाई कोर्ट ने मालेगांव ब्लास्ट मामले में बरी साध्वी प्रज्ञा सिंह ठाकुर समेत सभी सात लोगों को नोटिस जारी किया। हाई कोर्ट ने उन्हें 6 हफ्तों में जवाब दाखिल करने को कहा है। साथ ही अदालत ने एनआईए को भी नोटिस जारी किया है। विस्फोट में मारे गए छह लोगों के परिवारों

ने विशेष एनआईए अदालत के फैसले को चुनौती दी है। यह सुनवाई मुख्य न्यायाधीश चंद्रशेखर और जस्टिस गौतम अंखड की बेंच के समक्ष हुई। याचिका में कहा गया है कि जांच में हुई गलतियों या कुछ त्रुटियों के आधार पर आरोपियों को बरी नहीं किया जा सकता। याचिका में यह भी दावा किया गया है कि विस्फोट की साजिश रचते समय गोपनीयता बरती गई थी, इसलिए प्रत्यक्ष साक्ष्य उपलब्ध नहीं हैं। इससे पहले, 16 सितंबर को महाराष्ट्र के मालेगांव में साल 2008 में हुए विस्फोट मामले में बॉम्बे हाईकोर्ट ने एक अहम टिप्पणी की थी। अदालत ने कहा था कि बरी किए जाने के फैसले के खिलाफ अपील दाखिल करने का अधिकार हर किसी को नहीं है। यह अधिकार उन्हीं को है जो ट्रायल में गवाह रहे हों या सीधे तौर पर पीड़ित पक्ष से जुड़े हों।

संक्षिप्त समाचार

मोदी के 75वें जन्मदिन पर सबसे पहले ट्रम्प की बधाई

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने मंगलवार को भारत के प्रधानमंत्री मोदी को फोन पर सबसे पहले जन्मदिन की बधाई दी। पीएममोदी आज 75 साल के हो गए हैं। उन्होंने मंगलवार रात 10:53 बजे बताया कि ट्रम्प ने उन्हें फोन किया। ट्रम्प ने रात 11:30 बजे अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ पर पीएम से बातचीत की जानकारी दी। ट्रम्प ने लिखा, अभी-अभी मेरे दोस्त, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से फोन पर बहुत अच्छी बातचीत हुई। मैंने उन्हें जन्मदिन की ढेर सारी शुभकामनाएं दीं। वे अद्भुत काम कर रहे हैं। नरेंद्र, रूस और यूक्रेन के बीच जंग खत्म करने में आपके सहयोग के लिए धन्यवाद। पीएम मोदी ने एक्स पर लिखा, थैंक यू, मेरे दोस्त, प्रेसिडेंट ट्रम्प, मेरे 75वें जन्मदिन पर आपके फोन कॉल और बधाई के लिए धन्यवाद। आपकी तरह, मैं भी भारत-अमेरिका के बीच व्यापक और वैश्विक साझेदारी को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हूं। हम यूक्रेन संघर्ष के शांतिपूर्ण समाधान की दिशा में आपकी पहल का समर्थन करते हैं।

अमेरिका का लोकतंत्र समर्थक कार्यकर्ता चीनी जासूस निकला

न्यूयॉर्क, एजेंसी। न्यूयॉर्क शहर में लोकतंत्र समर्थक समूह का नेतृत्व करने वाले चीनी मूल के नागरिक पर बीजिंग के लिए जासूसी करने का आरोप तय हुआ है। आरोपी द्वारा अपने साथी चीनी कार्यकर्ताओं की जासूसी चीन की खुफिया एजेंसी से की जा रही थी। आरोपी की पहचान 68 वर्षीय युआनजुन तांग के रूप में हुई है, जो सार्वजनिक तौर पर तो चीनी कम्युनिस्ट पार्टी का मुखर आलोचक था, लेकिन असल में वह अपने साथी कार्यकर्ताओं की जासूसी करता था। वह कई बार मैनहट्टन स्थित वाणिज्य दूतावास के बाहर चीन के खिलाफ विरोध प्रदर्शनों में भी शामिल हुआ। तांग साल 2002 से अमेरिका के न्यूयॉर्क में रह रहा था। पिछले अगस्त में तांग के खिलाफ आरोप लगाने वाले संघीय अभियोजकों ने बताया कि तांग ने चीन में रह रहे अपने परिवार के सदस्यों से मिलने की अनुमति पाने के लिए ये काम स्वीकार किए थे। एफबीआई के सहायक निदेशक क्रिस्टोफर जी. राया ने एक बयान में कहा, चीनी सरकार को लोकतंत्र समर्थक कार्यकर्ताओं का दमन करने में मदद करने के लिए तांग द्वारा अमेरिका के आदर्शों के साथ विश्वासघात किया गया, यह उन्हीं मूल्यों के खिलाफ है, जिनके प्रचार का उन्होंने दावा किया था।

पापुआ न्यू गिनी की आजादी की 50वीं वर्षगांठ समारोह में शामिल हुए पाबित्रा मार्गेरिटा

पोर्ट मोरेस्बी, एजेंसी। विदेश राज्य मंत्री पाबित्रा मार्गेरिटा पापुआ न्यू गिनी की आजादी की 50वीं वर्षगांठ समारोह में शामिल हुए। उन्होंने एक्स पर पोस्ट में कहा, पापुआ न्यू गिनी की स्वतंत्रता के 50 साल पूरे होने के अवसर पर यहां आकर सम्मानित महसूस कर रहा हूं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भारत की जनता की ओर से पापुआ न्यू गिनी की सरकार और जनता को हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं। आज सुबह पोर्ट मोरेस्बी के इंडिपेंडेंस हिल पर ध्वजारोहण समारोह में शामिल हुआ। मार्गेरिटा ने एक अन्य पोस्ट में कहा, पापुआ न्यू गिनी के 50 वर्ष पूरे होने पर आयोजित कार्यक्रमों के दौरान ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज से मिलकर खुशी हुई।

बेलारूस में पत्रकार को 4 साल की सजा

मिन्स्क, एजेंसी। बेलारूस की एक अदालत ने स्वतंत्र पत्रकार इहार इल्याश को चार साल कैद की सजा सुनाई है। यह फैसला उस समय आया है जब कुछ ही दिन पहले अमेरिका की मध्यस्थता से हुए समझौते के तहत 50 से अधिक राजनीतिक कैदियों को रिहा किया गया था। इल्याश पर चरमपंथ फैलाने के आरोप लगाए गए थे, क्योंकि उन्होंने राष्ट्रपति अलेक्ज़ेंडर लुकाशेंको की सरकार की आलोचना करते हुए लेख और टिप्पणियां लिखीं।

माइक्रोसॉफ्ट ने निजी डाटा चुराने वाली नाइजीरिया की 340 वेबसाइटों का पता लगाया

अबुजा, एजेंसी। माइक्रोसॉफ्ट इंक ने नाइजीरिया में तेजी से बढ़ रही एक सेवा से जुड़ी 340 वेबसाइटों का पता लगाया है, जो उपयोगकर्ताओं को फिशिंग अभियान चलाने की अनुमति देती और 5,000 माइक्रोसॉफ्ट उपयोगकर्ताओं के क्रेडेंशियल चुराती थी। माइक्रोसॉफ्ट की डिजिटल क्राइम यूनिट के सहायक महाधिवक्ता स्टीवन मसाडा ने मंगलवार को बताया कि माइक्रोसॉफ्ट को इस माह की शुरुआत में मैनहट्टन स्थित अमेरिकी जिला न्यायालय से आदेश मिला था, जिसमें रैकून0365 से जुड़े डोमेन जब्त करने को कहा था। रैकून0365 ऐसी सब्सक्रिप्शन सेवा है, जो उपयोगकर्ताओं को बड़े पैमाने पर फिशिंग अभियान चलाने की अनुमति देती थी। उसमें कभी-कभी एक साथ हजारों ईमेल शामिल होते थे। मसाडा ने माइक्रोसॉफ्ट की वेबसाइट पर पोस्ट किए एक ब्लॉग में बताया कि रैकून0365 की सेवा, जो 850 से ज्यादा सब्सक्राइबर्स वाले एक निजी टेलीग्राम चैनल के जरिये संचालित होती है।

डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ एक और यूनिवर्सिटी ने खोला मोर्चा, फंड रोकने पर दायर किया मुकदमा

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उनका प्रशासन भारी भरकम टैकिफ लगाने की वजह से जहां दुनियाभर के कई देशों के निशाने पर हैं, वहीं अब अमेरिका की एक और टॉप यूनिवर्सिटी ने फंड रोके जाने के मुद्दे पर उनके खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। कैलिफ़ोर्निया यूनिवर्सिटी के शिक्षकों, छात्रों और अन्य कर्मचारियों ने ट्रंप प्रशासन पर संघीय धन रोके जाने और अन्य कार्रवाइयों के खिलाफ मुकदमा दायर किया है। अपनी याचिका में यूनिवर्सिटी ने आरोप लगाया है कि ट्रंप प्रशासन यूनिवर्सिटी की शैक्षणिक स्वतंत्रता का हनन करना चाहता है। कैलिफ़ोर्निया के उत्तरी जिले की डिस्ट्रिक कोर्ट में दायर इस मुकदमे में यूनिवर्सिटी ने ट्रंप सरकार पर वित्तीय धमकियों का इस्तेमाल करने से रोकने की मांग की गई है। याचिका में फंड रोकने की धमकी को हानिकारक और गैरकानूनी बताया गया है। अर्जी में पहले से निलंबित धन को फिर से बहाल करने का भी अनुरोध किया गया है।

फंड रोकना उनका हथकंडा बन गया है : ट्रंप प्रशासन के खिलाफ मुकदमा दायर करने वाले शिक्षकों, छात्रों और कर्मचारियों के संघ ने कहा कि ट्रंप प्रशासन ने कॉलेजों और विश्वविद्यालयों को धमकाने और फंड रोकने का हथकंडा अपना रखा है। उन्होंने आगे कहा कि ये धमकियाँ संस्थानों के पाठ्यक्रम, परिसरों में अभिव्यक्तिपूर्ण गतिविधियों और

विविधता, समानता और समावेशन की पहलों के प्रति तिरस्कार पर आधारित हैं। फिलहाल कैलिफ़ोर्निया यूनिवर्सिटी सिस्टम और वाइट हाउस ने इस मुक़दमे पर तत्काल कोई टिप्पणी नहीं की है।

यहूदी-विरोधी छात्र प्रदर्शनों की जांच : इस बीच, ट्रंप प्रशासन ने गाजा पर इजरायल के हमले के खिलाफ छात्रों के विरोध प्रदर्शनों के दौरान कथित यहूदी-विरोधी गतिविधियों से निपटने के विश्वविद्यालयों के तरीकों की जाँच शुरू कर दी है और इस मामले में तथा जलवायु पहलों और डीईआई कार्यक्रमों सहित अन्य मुद्दों पर धन रोक दिया है। नागरिक अधिकारों के पैरोकारों का कहना है कि ट्रम्प प्रशासन विश्वविद्यालयों को अपने राजनीतिक एजेंडे के साथ कंट्रोल करने की कोशिश कर रहा है, जबकि आलोचक ऐसे प्रयासों को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और शैक्षणिक स्वतंत्रता के लिए खतरा मानते हैं।

यूसीएलए का 584 मिलियन डॉलर फंड रुका : कैलिफ़ोर्निया विश्वविद्यालय अमेरिका की सबसे बड़ी उच्च शिक्षा प्रणालियों में से एक का संचालन करता है, जिसके 10 मुख्य परिसर हैं और लगभग 300,000 छात्र हैं। इस यूनिवर्सिटी में 265,000 संकाय और कर्मचारी काम करते हैं। अमेरिका की टॉप पब्लिक यूनिवर्सिटीज में से एक- कैलिफोर्निया यूनिवर्सिटी, लॉस एंजिल्स (यूसीएलए) ने अगस्त में कहा था कि सरकार ने 584 मिलियन डॉलर की धनराशि रोक दी है। कैलिफ़ोर्निया यूनिवर्सिटी के अध्यक्ष जेम्स मिलिकेन ने सोमवार को कहा कि संघीय सरकार की कार्रवाइयों के कारण संस्थान अपने इतिहास के सबसे गंभीर खतरों में से एक का सामना कर रहा है, और बताया कि उसे हर साल संघीय सहायता के रूप में 17 अरब डॉलर से अधिक प्राप्त होते हैं।

खालिस्तानी आतंकियों ने कनाडा में भारतीय दूतावास पर कब्जा करने की धमकी दी

टोरंटो, एजेंसी। अमेरिका स्थित खालिस्तानी समूह, सिख फॉर जस्टिस (एसएफजे) ने कनाडा के वैंकूवर स्थित कॉन्सुलेट (भारतीय वाणिज्य दूतावास) को घेरने की धमकी दी है। अलगाववादी संगठन ने घोषणा की है कि वह गुरुवार, 18 सितंबर को वाणिज्य दूतावास पर कब्जा कर लेगा। उन्होंने भारतीय-कनाडाई लोगों से परिसर से दूर रहने को कहा है। ये धमकी भारत-कनाडा के बीच राजनयिक संबंध फिर से शुरू होने के कारण दिया गया है। समूह ने भारतीय उच्चायुक्त दिनेश पटनायक की तस्वीर वाला एक पोस्टर भी जारी किया। एसएफजे ने 18 सितंबर 2023 को कनाडाई संसद में तत्कालीन कनाडाई पीएम जस्टिन ट्रूडो के बयान का हवाला दिया, जब उन्होंने कहा था कि आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारतीय एजेंटों की भूमिका की जांच चल रही है। भारतीय वाणिज्य दूतावास खालिस्तान समर्थकों को निशाना बनाकर जासूसी नेटवर्क चला रही हैं। इस महीने की शुरुआत में, कनाडा सरकार की एक रिपोर्ट में देश में खालिस्तानी आतंकवादी समूहों की मौजूदगी की बात स्वीकार की गई थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कनाडा यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनके कनाडाई समकक्ष मार्क कार्नी के बीच सहमति बनने के बाद भारत और कनाडा ने हाल ही में अपने नए उच्चायुक्त की घोषणा की है।

स्लोवाकिया में प्रधानमंत्री फिको की आर्थिक और रूस समर्थक नीतियों के खिलाफ नाराजगी, सड़क पर हजारों लोग

ब्रातिस्लावा, एजेंसी। स्लोवाकिया में प्रधानमंत्री रॉबर्ट फिको की आर्थिक नीतियों और रूस समर्थक रुख के खिलाफ गुस्सा बढ़ रहा है। 16 बड़े शहरों और कस्बों में हजारों लोग मंगलवार को सड़कों पर उतरे। देश की राजधानी ब्रातिस्लावा सहित पूरे देश में प्रदर्शन हुए। जनता के गुस्से का नेतृत्व विपक्षी राजनीतिक दलों ने किया। हालिया विरोध के उग्र होने का कारण पीएम फिको की चीन यात्रा और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से तीसरी बार मुलाकात को माना जा रहा है। पीएम फिको नीत सरकार ने हाल ही में कठोर आर्थिक पैकेज को भी स्वीकृति दी है। इसके खिलाफ भी जनाक्रोश बढ़ रहा है।

खाने-पीने की चीजों के दाम बढ़े, छुट्टियों में भी कटौती : सरकार का कहना है कि फैसले लिए जाने जरूरी हैं क्योंकि 2023 में देश का बजट घाटा जीडीपी का 5.3 प्रतिशत था, जो यूरो अपनाने वाले देशों में दूसरा सबसे ऊंचा स्तर था। इस वर्ष भी घाटा 5 प्रतिशत से अधिक रहने की आशंका है, जबकि यूरोपीय संघ की सीमा 3 प्रतिशत है। इन उपायों में स्वास्थ्य और सामाजिक बीमा पर वृद्धि, उच्च आय वर्ग पर आयकर बढ़ाना, कुछ खाद्य उत्पादों पर वैट में इजाफा और राष्ट्रीय छुट्टियों में कटौती शामिल है।

विरोधी पार्टी की नेता का दावा- जनता अब फिको से तंग आ चुकी है श्रमिक संगठनों और आलोचकों ने

आरोप लगाया है कि इन उपायों का बोझ आम लोगों पर पड़ेगा। देश के व्यापार जगत का कहना है कि इसमें अर्थव्यवस्था को प्रोत्साहित करने वाला कुछ नहीं है। विरोध प्रदर्शन में प्रोग्रेसिव स्लोवाकिया पार्टी के प्रमुख मिखाल शिमेका ने कहा कि लोग अब फिको से तंग आ चुके हैं। उनकी पार्टी ने स्वतंत्रता और एकजुटता, क्रिश्चियन डेमोक्रेट्स और डेमोक्रेट्स दलों के साथ मिलकर प्रदर्शन आयोजित किए। कुछ नेताओं ने आम हड़ताल की चेतावनी भी दी। प्रदर्शनकारियों ने हमें फिको से छुटकारा चाहिए जैसे नारे लगाए। यह आंदोलन पिछले सप्ताह भी भड़का था जब प्रधानमंत्री फिको ने बीजिंग में चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के आमंत्रण पर आयोजित सैन्य परेड में हिस्सा लिया था। यूरोपीय संघ के सदस्य देशों में फिको अकेले नेता थे जो इस परेड में मौजूद रहे। आलोचकों का कहना है कि फिको स्लोवाकिया को हंगरी के प्रधानमंत्री विक्टर ऑर्बन की तरह उसी रास्ते पर ले जा रहे हैं, जिन्हें अक्सर अलोकतांत्रिक कहा जाता है।

यूक्रेनी बच्चों को बनाया जा रहा 'रूसी', 200 कैंप बना कर रूस दे रहा मिलिट्री ट्रेनिंग; रिपोर्ट

मास्को, एजेंसी। रूस और यूक्रेन के बीच बीते 3 सालों से जारी युद्ध के बीच हाल ही में सामने आई रिपोर्ट में हैरान करने वाले खुलासे हुए हैं। इस रिपोर्ट में दावा किया गया है कि जंग के बीच, रूस करीब 200 कैंप्स लगाकर यूक्रेनी बच्चों को ट्रेनिंग के जरिए 'रूसी' बना रहा है। यह बातें येल स्कूल ऑफ पब्लिक हेल्थ के ह्यूमैनिटेरियन रिसर्च लैब (एचआरएल) द्वारा प्रकाशित एक रिपोर्ट में कही गई हैं। स्टोलेन किड्स ऑफ यूक्रेन नाम की इस रिपोर्ट के मुताबिक इन शिविरों में से आधे से ज्यादा का प्रबंधन रूसी सरकार खुद करती है। कथित तौर पर इन 200 कैंप्स से आधे से ज्यादा फैसिलिटी में बच्चों को अलग तरह की शिक्षा दी जाती है। वहीं 18 फीसदी कैंप्स में उन्हें मिलिट्री ट्रेनिंग दी जाती है। रिपोर्ट में यह दावा भी किया गया है कि इनमें से कुछ सुविधाओं में आठ साल की उम्र के बच्चों को भी हथियारों का प्रशिक्षण दिया जाता है। बच्चों को ग्रेनेड फेंकने की प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए भी कहा जाता है। ब्रेनवॉश करने की योजना? रिपोर्ट में अलग अलग-जगहों का भी जिक्र है जहां यूक्रेनी बच्चों को ले जाया गया है। इनमें कैडेट स्कूल, सैन्य अड्डा, हेल्थ फैसिलिटी, धार्मिक स्थल, स्कूल और विश्वविद्यालय, होटल, अनाथालय और ट्रेनिंग कैंप का शामिल हैं। द गार्जियन ने रिपोर्ट पब्लिश करने वाले एचआरएल के निदेशक नथानिएल रेमंड के हवाले से बताया, यह एक बड़ा नेटवर्क है, जिसे स्पष्ट रूप से यूक्रेनी बच्चों को रूसी बनाने के लिए बनाया गया है। उन्होंने आगे कहा, यह यूक्रेन के बच्चों को फिर से शिक्षित करने, उनका ब्रेनवॉश करने और उन्हें सैनिक बनाने की एक योजना है। पुतिन के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय गिरफ्तारी वारंट बता दें कि 2023 में एक जांच के बाद, इंटरनेशनल क्रिमिनल कोर्ट ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और रूस की चिल्ड्रेन कमिश्नर मारिया ल्वोवा-बेलोवा पर यूक्रेन से बच्चों के सामूहिक अपहरण का आरोप लगाया था। जांच के बाद, पुतिन के खिलाफ एक अंतरराष्ट्रीय गिरफ्तारी वारंट भी जारी किया गया।

कैनेडी के खिलाफ गवाही देंगी सीडीसी की बर्खास्त प्रमुख, बिना सबूत वैक्सीन को मंजूरी देने का आरोप

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के रोग नियंत्रण एवं रोकथाम केंद्र (सीडीसी) की बर्खास्त निदेशक सुजैन मोनारेज सीनेट के सामने गवाही देंगी। इस गवाही में मोनारेज सीनेटरों को बताएंगी कि स्वास्थ्य मंत्री रॉबर्ट एफ. कैनेडी जूनियर ने उन पर वैज्ञानिक प्रमाण देखे बिना नई वैक्सीन सिफारिशों का समर्थन करने का दबाव डाला था। सीनेट के सामने यह सुनवाई बुधवार को होगी। गवाही की प्रति मीडिया में लीक हो गई है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, मोनारेज गवाही में ये भी बताएंगी कि कैनेडी ने उन्हें अल्टीमेटम दिया था या तो वे वैक्सीन को मंजूरी दें या फिर उन्हें बर्खास्त कर दिया जाएगा। मोनारेज ने कहा कि वैक्सीन की सुरक्षा पर संदेह भी है।

सीनेट की स्वास्थ्य समिति के सामने पेश होंगी मोनारेज : गौरतलब है कि मोनारेज को कैनेडी ने ही सीडीसी प्रमुख के रूप में चुना था, जिन्हें बाद में ट्रंप ने नामित किया। हालांकि उनके पद ग्रहण करने के कुछ ही हफ्तों बाद उन्हें बर्खास्त कर दिया गया। अपनी बर्खास्तगी को लेकर मोनारेज सीनेट की स्वास्थ्य समिति के सामने पेश होंगी। गवाही की प्रति के अनुसार, मोनारेज सीनेटरों के सामने अपनी शुरुआती गवाही में कहेंगी, दबाव में भी, मैं सबूतों की जगह विचारधारा नहीं ला सकती थी या अपनी ईमानदारी से समझौता नहीं कर सकती थी। टीकाकरण नीति विश्वसनीय आंकड़ों से चलनी चाहिए, न कि पूर्व निर्धारित परिणामों से।

जनता के लिए वैक्सीन की सिफारिश करती है सीडीसी : मोनारेज ने यह भी दावा किया कि कैनेडी ने उन्हें बिना किसी कारण के सीडीसी के कई उच्च पदस्थ अधिकारियों को नौकरी से निकालने का निर्देश दिया था। सीडीसी अमेरिका की प्रमुख सार्वजनिक स्वास्थ्य एजेंसी है, जो जनता को टीकों की सिफारिशें करने के लिए जिम्मेदार है। सीनेट की सुनवाई वैक्सीन के बच्चों के स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभाव पर केंद्रित होगी। मोनारेज के अलावा पूर्व मुख्य चिकित्सा अधिकारी डेबरा होउरी, भी समिति के सामने गवाही देंगी।

स्वास्थ्य मंत्री ने आरोपों को खारिज किया : वहीं स्वास्थ्य मंत्री कैनेडी ने मोनारेज के उन आरोपों का खंडन किया है। हालांकि, उन्होंने इस महीने की शुरुआत में सीनेट की एक सुनवाई के दौरान स्वीकार किया था कि उन्होंने मोनारेज को सीडीसी के कई शीर्ष अधिकारियों को बर्खास्त करने का आदेश दिया था। सीनेट की यह सुनवाई अटलांटा में वैक्सीन पैनल के दो दिवसीय सत्र शुरू होने से ठीक एक दिन पहले हो रही है।

फिलिस्तीन पर हफ्ते भर में जापान का यू-टर्न? मान्यता देने पर अब क्यों कर रहा अगर-मगर, संयुक्त राष्ट्र में भी किनारा

टोक्यो, एजेंसी। अमेरिका के मित्र देश जापान ने युद्धग्रस्त फिलिस्तीन को एक राष्ट्र के रूप में मान्यता नहीं देने का फैसला किया है। जापानी अखबार असाही की रिपोर्ट के अनुसार, जापान अमेरिका के साथ संबंधों को देखते हुए फ़िलिस्तीनी राज्य को मान्यता नहीं देने का फैसला किया है। अखबार ने सरकारी सूत्रों के हवाले से खबर दी है कि जापान फिलहाल फिलिस्तीनी राज्य को मान्यता नहीं देगा। ऐसा संभवतः अमेरिका के साथ संबंध बनाए रखने और इजरायल के सख्त रवैये से बचने के लिए किया जा रहा है।

ब्रिटेन, फ्रांस, कनाडा और ऑस्ट्रेलिया सहित कई सरकारों ने कहा है कि वे इस महीने संयुक्त राष्ट्र महासभा में फ़िलिस्तीन को एक राष्ट्र के रूप में मान्यता देंगे, जिससे इस क्षेत्र में इजरायल की गतिविधियों को लेकर उस पर अंतरराष्ट्रीय दबाव बढ़ गया है। भारत पहले ही फिलिस्तीन को यह दर्जा दे चुका है और संयुक्त राष्ट्र में मौजूदा प्रस्ताव का समर्थन किया है। असाही ने अपनी रिपोर्ट में ये भी कहा है कि जापानी प्रधानमंत्री शिगेरु इशिबा 22 सितंबर को न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र की बैठक के दौरान इज़रायल और फ़िलिस्तीनियों के बीच द्वि-राज्य समाधान (टू स्टेट सॉल्युशन) पर होने वाली बैठक में शामिल नहीं होंगे।

अमेरिका ने किया था मान मनौव्वल : क्योदो समाचार एजेंसी ने पिछले हफ्ते एक रिपोर्ट में बताया था कि अमेरिका ने कई राजनयिक माध्यमों से जापान को फ़िलिस्तीनी राज्य को मान्यता नहीं देने के लिए मान मनौव्वल किया था, जबकि फ्रांस के विदेश मंत्री जीन-नोएल बैरोट ने अपने जापानी समकक्ष से इसे मान्यता देने का पुरजोर आग्रह किया था। हालांकि, जापान के विदेश मंत्री ताकेशी इवाया ने मंगलवार को एक प्रेस ब्रीफिंग में कहा था कि जापान फिलिस्तीनी राज्य को मान्यता देने के मुद्दे पर, उचित समय और तौर-तरीकों सहित, एक व्यापक मूल्यांकन कर रहा है।

हफ्ते भर में रुख में बदलाव : शुक्रवार को संयुक्त राष्ट्र की एक बैठक में, जापान उन 142 देशों में शामिल था जिन्होंने द्वि-राज्य समाधान की दिशा में ठोस, समयबद्ध और अपरिवर्तनीय कदमों की रूपरेखा वाले एक घोषणापत्र के पक्ष में मतदान किया था। अब हफ्ते भर के अंदर जापान का रुख बदलता नजर आ रहा है। हालांकि, सात देशों के समूह में, जर्मन और इतालवी अधिकारियों ने फिलिस्तीन को तत्काल मान्यता देने को प्रतिकूल बताया था।

भीषण होगी रूस-यूक्रेन की जंग, भारी हथियार भेजने जा रहा अमेरिका, ट्रंप ने यूरोपीय देशों से लिए पैसे

कीव, एजेंसी। अमेरिका ने यूक्रेन को हथियार सहायता भेजने के लिए अपने पहले पैकेज को मंजूरी दे दी है। सूत्रों के अनुसार, यह पैकेज जल्द ही कीव को भेजा जा सकता है। खास बात यह है कि इस बार हथियारों की आपूर्ति एक नए वित्तीय समझौते के तहत होगी, जिसमें अमेरिका के साथ नाटो के सहयोगी देश भी शामिल हैं। यह पहली बार है जब अमेरिका और उसके सहयोगियों ने 'प्राथमिकता प्राप्त यूक्रेन आवश्यकताओं की सूची' नामक नई प्रणाली का उपयोग किया है। इसके तहत नाटो देशों के फंड से अमेरिकी हथियार भंडार से यूक्रेन को सैन्य सहायता दी जाएगी। रक्षा नीति के लिए अंडरसेक्रेटरी एल्ब्रिज कोल्बी ने इस योजना के अंतर्गत करीब 500-500 मिलियन डॉलर मूल्य के दो शिपमेंट्स को मंजूरी दी है। यानी इस बार अमेरिका केवल अपने पैसों से यूक्रेन को हथियार नहीं भेज रहा है बल्कि ट्रंप सरकार ने नाटों देशों से खूब पैसे लिए हैं। समाचार एजेंसी रायटर्स ने सूत्रों के हवाले से लिखा है कि, इस व्यवस्था के जरिए अमेरिका और उसके यूरोपीय सहयोगी लगभग 10 अरब डॉलर तक के हथियार यूक्रेन को मुहैया कराने की तैयारी कर रहे हैं।

यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप रूस के लगातार हमलों से नाराजगी जाहिर कर चुके हैं। ट्रंप ने कई बार संघर्ष को बातचीत के जरिए खत्म करने की इच्छा जताई है, लेकिन अब तक उनके प्रयास सफल नहीं हो पाए हैं। अब तक ट्रंप प्रशासन ने या तो हथियारों की बिक्री की थी या फिर उन गिफ्ट में दिए शिपमेंट्स को भेजा था जिन्हें पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडेन ने मंजूरी दी थी। बाइडेन यूक्रेन के प्रबल समर्थक माने जाते रहे हैं। सूत्रों ने बताया कि यूरोपीय देशों ने जिन हथियारों की खरीद को मंजूरी दी है, उनमें एयर डिफेंस सिस्टम भी शामिल हैं। रूस के ड्रोन और मिसाइल हमलों में भारी बढ़ोतरी के कारण यूक्रेन के लिए ये सिस्टम बेहद आवश्यक हैं। इसके अलावा इंटरसेप्टर्स, रॉकेट्स और आर्टिलरी जैसे हथियार भी इस सूची का हिस्सा बताए जा रहे हैं। एक सूत्र ने कहा, यह वही सामान है जिसकी मांग यूक्रेन लगातार कर रहा था। बड़ी मात्रा में सामग्री भेजी जा रही है। इसी ने अब तक यूक्रेनी मोर्चों को स्थिर बनाए रखने में मदद की है। फिलहाल पेंटागन ने इस पर आधिकारिक टिप्पणी करने से इनकार किया है।

पूर्व राष्ट्रपति बोल्सोनारो दूसरी बार अस्पताल में भर्ती, तख्तापलट मामले में सजा के बाद बिगड़ी तबीयत

रियो डी जेनेरियो, एजेंसी। ब्राजील के पूर्व राष्ट्रपति जेयर बोल्सोनारो को मंगलवार (स्थानीय समयानुसार) को दूसरी बार अस्पताल ले जाया गया। पिछले हफ्ते तख्तापलट की कोशिश के आरोप में दोषी ठहराए जाने के बाद उनकी तबीयत फिर बिगड़ गई। उनके बेटे ने बताया कि इस बार उन्हें उल्टियां और लो ब्लड प्रेशर की शिकायत हुई। दक्षिणपंथी राजनेता बोल्सोनारो को रविवार को भी राजधानी ब्रासीलिया के उसी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। तब उनकी त्वचा पर घाव पाए गए थे। तब डॉक्टरों ने कहा था कि जांच में पता चला है कि उन्हें आयरन की कमी से एनीमिया है और हाल ही में हुए निमोनिया के लक्षण भी मिले थे।

हिचकियां, उल्टी और लो ब्लड प्रेशर की हुई समस्या : मंगलवार को बोल्सोनारो को तेज हिचकियां, उल्टी और लो ब्लड प्रेशर की समस्या हुई, जिसके बाद

पुलिस उन्हें अस्पताल ले गई। उनके बेटे सीनेटर फ्लेवियो बोल्सोनारो ने एक्स पर पोस्ट कर इस बारे में जानकारी दी।

पैनल ने 27 साल और तीन महीने की सुनाई है सजा : बीते बृहस्पतिवार को सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीशों के एक पैनल ने बोल्सोनारो को वर्तमान राष्ट्रपति लुईज इनासियो लूला दा सिल्वा से 2022 में चुनाव हारने के बाद सत्ता में बने रहने के लिए अवैध रूप से तख्तापलट की कोशिश का दोषी पाया था। पैनल ने बोल्सोनारो को 27 साल और तीन महीने की सजा सुनाई। हालांकि, इस सजा के तहत बोल्सोनारो को तुरंत जेल नहीं भेजा जाएगा। अदालत को फैसले की पूरी कॉपी जारी करने में 60 दिन तक का समय लगेगा और इसके बाद बोल्सोनारो के वकीलों को अपील के लिए 5 दिन का समय मिलेगा।

बोल्सोनारो ने सभी आरोपों को खारिज किया : हालांकि, बोल्सोनारो ने सभी आरोपों को खारिज किया है और खुद को राजनीतिक प्रताड़ना का शिकार बताया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी उनका समर्थन किया और मुकदमे को विच हंट बताया। इससे पहले, ट्रंप ने जुलाई में ब्राजील से आने वाले सामान पर 50 फीसदी टैरिफ लगाया था, जिसमें बोल्सोनारो का मामला भी एक वजह बताया गया।

अगस्त की शुरुआत से ही घर में नजरबंद हैं बोल्सोनारो : 70 वर्षीय पूर्व राष्ट्रपति अगस्त की शुरुआत से ही इस मामले में अपने घर में नजरबंद हैं। मामले की निगरानी कर रहे न्यायाधीश एलेक्जेंडर डी मोरेस ने कहा था कि बोल्सोनारो ने मुकदमे से जुड़े नियमों का उल्लंघन किया है। इसके चलते उन्हें इलेक्ट्रॉनिक एंकल मॉनिटर पहनना पड़ा और उनके घर से निकलने वाले वाहनों की तलाशी और बाहर की निगरानी का आदेश भी दिया गया।

2018 में चाकू लगने के बाद कई बार अस्पताल में भर्ती हो चुके बोल्सोनारो : जेयर बोल्सोनारो को 2018 के राष्ट्रपति चुनाव से पहले एक चुनावी कार्यक्रम में चाकू मार दिया गया था, जिसके बाद से वह कई बार अस्पताल में भर्ती हो चुके हैं। इसी साल अप्रैल में उनकी आंतों में रुकावट की सर्जरी हुई थी। कानूनी विशेषज्ञों का मानना है कि बोल्सोनारो की खराब सेहत को देखते हुए उनके वकील जेल की बजाय घर में नजरबंदी की सजा बनाए रखने की मांग कर सकते हैं।

विवाद के बाद कोर्ट पहुंचे मियां-बीबी, तलाक से बिगड़ी नौबत, पति पर चप्पलों की कर दी बरसात

रामपुर। पति-पत्नी के बीच चल रहा विवाद शुक्रवार को कोर्ट परिसर में सामने आ गया। महिला ने पति को चप्पलों से पीटा। किसी तरह लोगों ने बीच बचाव कराया। घटना का वीडियो वायरल हो गया है। एक दंपती का पारिवारिक विवाद कोर्ट में विचाराधीन है। इस मामले में दोनों ही पक्षों के लोग शुक्रवार को कोर्ट में आए थे। दोपहर के वक्त कोर्ट परिसर में पति-पत्नी दोनों ही आमने-सामने आ गए। दोनों में पहले विवाद हुआ। विवाद इतना बढ़ा कि महिला गुस्से में आ गई और उसने चप्पलों से सरेआम युवक की पिटाई शुरू कर दी। जिससे लोगों की भीड़ लग गई। इस बीच लोगों ने बीच बचाव कराना शुरू किया,लेकिन महिला लगातार पति को पीटती जा रही थी। इस बीच पहुंचे कुछ वकीलों ने किसी तरह दोनों को अलग किया और फिर युवक को छुड़ाया। युवक किसी तरह वहां से खिसक लिया। बताते हैं कि दोनों के बीच कोर्ट में मामला चल रहा है। पति पर तलाक देने का भी आरोप महिला लगा रही थी। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है।

टैंपो चालक को बेहोश कर छह टन कॉपर स्क्रैप लूटे

नई दिल्ली। उत्तरी-पूर्वी दिल्ली के वजीराबाद रोड पर खुद को बैंककर्मी बताकर कार सवार चार बदमाश छह टन कॉपर स्क्रैप लूट कर भाग गए। आरोप है कि बदमाशों ने जबरन टेंपो में चढ़कर पहले चालक को बेहोशी का इंजेक्शन लगाया। फिर टेंपो से सारा माल लेकर भाग गए। बाद में चालक को बेहोशी की हालत में जग प्रवेश चंद्र अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस के मुताबिक, बुराड़ी निवासी मनीष कुमार टेंपो चलाते हैं। शनिवार सुबह करीब 9 बजे वह लिबासपुर के गोदाम से छह टन कॉपर स्क्रैप लोड करवा कर मंडोली के लिए निकल गए। सोनिया विहार स्थित वजीराबाद रोड पर बन रहे मेट्रो स्टेशन के पास पहुंचने पर कार में सवार चार बदमाश उनके पास आए। उन्होंने खुद को बैंककर्मी बता कर उन्हें रोक लिया। उन्होंने दावा किया था कि यह टेंपो लोन पर लिया गया है, जिसके लोन की किस्त बची हुई है।

हर विद्यार्थी केवल छात्र नहीं, राष्ट्र की ताकत भी है: शिक्षा मंत्री आशीष सूद

कौमी पत्रिका

नई दिल्ली, 18 सितंबर। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने तीन नए शैक्षणिक पाठ्यक्रमों नींव (नव उद्यम और उद्यमिता विकास योजना, ह्वश्वश्वक्रङ्क), जीवन का विज्ञान (Science of Living) तथा राष्ट्रीय नीति (Rashtraneeti) का औपचारिक शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री का कहना है कि यह कार्यक्रम शिक्षा के क्षेत्र में एक क्रांतिकारी कदम है, जो छात्रों को न केवल शैक्षणिक ज्ञान प्रदान करेगा, बल्कि उन्हें जीवन कौशल, उद्यमिता, भावनात्मक बुद्धिमत्ता और जिम्मेदार नागरिकता के साथ सशक्त बनाएगा। भारत मंडपम में आयोजित इस कार्यक्रम में दिल्ली के शिक्षा मंत्री श्री आशीष सूद, सम्बंधित विभाग के वरिष्ठ अधिकारी और अन्य गणमान्य मौजूद थे। इस पाठ्यक्रम को दिल्ली शिक्षा निदेशालय ने विकसित किया है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता ने कहा कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को भविष्य के लिए तैयार करना है, जिसमें शैक्षणिक शिक्षा के साथ-साथ महत्वपूर्ण जीवन कौशल और नागरिक जिम्मेदारी भी शामिल है। उन्होंने बताया कि दिल्ली सरकार के सभी स्कूलों में लाखों विद्यार्थियों के लिए देश निर्माण के दृष्टिकोण से तीन नए करिकुलम लांच किए गए हैं। इन करिकुलम का उद्देश्य बच्चों में प्रारंभ से ही बिजनेस माइंडसेट विकसित करना, उन्हें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) से परिचित कराना और दक्ष बनाना है, ताकि वे समाज में केवल रोजगार खोजने वाले नहीं, बल्कि रोजगार देने वाले व्यक्तित्व के रूप में उभरें। उन्होंने कहा कि साइंस ऑफ लिविंग पाठ्यक्रम के माध्यम से बच्चों के व्यक्तित्व के हर पक्ष को निखारा जाएगा और उनमें समाज के प्रति संवेदनशीलता को बढ़ाया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि इन तीनों करिकुलम को शिक्षक समुदाय के बीच साझा किया गया है और यह सेवा पखवाड़ा का विशेष हिस्सा है, जो माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की सोच के अनुरूप तैयार किया गया है। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि सरकार स्कूलों के लिए संसाधनों की कोई कमी नहीं रखेगी, चाहे वह शौचालय, प्रयोगशालाएं, खेल मैदान या अन्य सुविधाएं हों। उन्होंने दोहराया कि उनकी प्राथमिकता बड़ी इमारतों या फ्लाईओवर बनाने से नहीं, बल्कि बेहतर स्कूल और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने पर है। मुख्यमंत्री ने शिक्षकों से आग्रह किया कि वे इस शिक्षा अभियान को आगे बढ़ाएं ताकि दिल्ली के सरकारी विद्यालय नए मानक स्थापित करें, समाज को योग्य नागरिक दें और राष्ट्र निर्माण में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं। मुख्यमंत्री ने यह भी स्पष्ट किया कि सरकारी स्कूल कहीं भी प्राइवेट स्कूलों से पीछे नहीं रहेंगे; वे उत्कृष्ट काम करेंगे, बेहतर बच्चे तैयार करेंगे और भविष्य का निर्माण करेंगे। उन्होंने कहा कि दिल्ली में यह पहल लगातार जारी रहेगी और आने वाले महीनों में भी इसी तरह नई पहलें लागू की जाएंगी। दिल्ली के शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने बताया कि माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के जन्मदिवस के अवसर पर 15 दिवसीय सेवा पखवाड़ा आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने शिक्षकों को इस पहल के प्रभावी क्रियान्वयन में सहयोग देने और संदेश को पूरे शिक्षक समुदाय तक पहुंचाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि हर विद्यार्थी केवल छात्र नहीं, बल्कि भावी प्रधानमंत्री, वैज्ञानिक, उद्यमी, न्यायाधीश, सैनिक, कलाकार, शिक्षक और नेता हैं। एक राष्ट्र की ताकत उसकी इमारतों या सेना में नहीं, बल्कि उसके नागरिकों के चरित्र, मूल्य और जिम्मेदारी की भावना में निहित है। शिक्षा मंत्री श्री आशीष सूद ने आगे कहा कि शिक्षा केवल पढ़ाई तक सीमित नहीं है। बच्चों को गुड टच-बैड टच, मोबाइल और ट्रैफिक का जिम्मेदार उपयोग और सिविक सेंस जैसी शिक्षा भी दी जानी चाहिए, ताकि वे समाज और राष्ट्र के लिए उपयोगी नागरिक बन सकें। शिक्षा मंत्री ने कहा कि राजनीतिक और मार्केटिंग कारणों से पिछले वर्षों में सरकारी शिक्षा पिछड़ गई थी, लेकिन माननीय प्रधानमंत्री जी और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के मार्गदर्शन में अब इसे पुन: प्रतिष्ठित किया जा रहा है। उन्होंने सभी शिक्षकों से आग्रह किया कि वे मिलकर ऐसा समय लौटाएं जब लोग अपने बच्चों का दाखिला सरकारी स्कूलों में कराने के लिए उत्साहित हों।

स्कूल में झगड़ा और गाली गलौज के बाद छात्रा पर ब्लेड से हमला, पीड़िता को लगे 50 से ज्यादा टांके

दिल्ली। अमन विहार इलाके में स्कूल में हुई गाली गलौज का बदला लेने के लिए एक छात्रा ने अपनी बहन और दो अन्य छात्राओं के साथ मिलकर बारहवीं की छात्रा पर ब्लेड (पेपर कटर) से चेहरे व कमर पर हमला कर दिया। इसमें पीड़िता के चेहरे व कमर पर करीब 50 से अधिक टांके लगे हैं। शुरुआती जांच में पता चला कि हमला करने वाली मुख्य आरोपी पीड़िता की स्कूल की छात्रा है। रोहिणी जिला पुलिस उपायुक्त राजीव रंजन ने बताया कि नौ सितंबर को अमन विहार थाना पुलिस को रोहिणी सेक्टर-20 निवासी एक किशोरी पर हमला होने की जानकारी मिली। पीड़िता पर छात्राओं ने ब्लेड से हमला किया था। उसे तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया। पीड़ित छात्रा अभी बयान देने की हालत में नहीं थी। छानबीन में पता चला कि 14 और दो पंद्रह साल की छात्राओं ने पीड़िता को थप्पड़ मारे, जबकि 16 साल की छात्रा ने उसके चेहरे और कमर पर ब्लेड से हमला कर दिया। पूछताछ में पता चला कि मुख्य आरोपी छात्रा पीड़िता की स्कूल की 12वीं कक्षा की छात्रा है। चार सितंबर को पीड़िता और मुख्य आरोपी के बीच स्कूल में झगड़ा हुआ था। उसका बदला लेने के लिए उसने अपनी बहन और अन्य छात्राओं के साथ मिलकर उसपर हमला कर दिया। पीड़िता अपने माता-पिता, एक छोटा भाई और बहन के साथ रोहिणी सेक्टर 20 में रहती है। पीड़िता के चाचा ने बताया कि इसी स्कूल में पढ़ने वाली मुख्य आरोपी छात्रा उसकी भतीजी के साथ गाली गलौज कर रही थी। इसे लेकर चार सितंबर को उनके बीच कहासुनी हुई थी। पीड़िता के साथ आरोपियों ने उस दिन मारपीट की थी। बताया कि पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। जिसमें दिख रहा है कि पीड़िता को कुछ छात्राओं ने घेर कर उसपर हमला किया है।

दिल्ली-एनसीआर में डेंगू का अलर्ट, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने की समीक्षा बैठक

नई दिल्ली। बारिश और यमुना का जलस्तर कम होने के बाद केंद्र सरकार ने दिल्ली और एनसीआर को मच्छर जनित रोगों को लेकर अलर्ट पर रहने की सलाह दी है। सोमवार को केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने एक उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक में पड़ोसी राज्यों के साथ दिल्ली को मच्छर जनित बीमारियों के खिलाफ सावधानी बरतने की सलाह दी है। इस दौरान डेंगू को लेकर दिल्ली एनसीआर को अलर्ट पर रखते हुए अस्पतालों में जल्द से जल्द तैयारियां पूरी करने का आदेश दिया गया। इस बैठक में दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. पंकज कुमार सिंह, केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव पुण्य सलिला श्रीवास्तव, दिल्ली-गाजियाबाद के महापौर, उत्तर प्रदेश और हरियाणा के स्वास्थ्य एवं शहरी विकास विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ साथ दिल्ली में केंद्रीय अस्पतालों के सभी प्रमुख डॉक्टर मौजूद रहे। 2024 की तुलना में 47त्न कम डेंगू मामले सामने आए हैं। बारिश के लंबे मौसम और कई इलाकों में जलभराव को देखते हुए राज्यों को अपनी तैयारी फिर से आकलित करनी चाहिए। उन्होंने निर्देश दिया कि दिल्ली और एनसीआर के सभी जिलों में मच्छर नियंत्रण गतिविधियों को तेज किया जाए, सर्विलांस और केस रिपोर्टिंग को और मजबूत किया जाए और तेज प्रतिक्रिया टीमों को सक्रिय रखा जाए। बैठक में दिल्ली, गुरुग्राम, फरीदाबाद, गाजियाबाद और नोएडा के नगर निगम अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि वे नियमित फॉगिंग और सोर्स रिएक्शन अभियान चलाएं।

प्रधानमंत्री मोदी की जीवन यात्रा पर आधारित संगीतमय प्रस्तुति ने दर्शकों को किया भावविभोर

प्रथम पृष्ठ का शेष

नरेंद्र मोदी केवल भारत के ही नहीं बल्कि सम्पूर्ण मानवता के लिए काम करने वाले वैश्विक नेता के रूप में उभरे हैं। ऐसी महान शख्सियत का हमारी पार्टी का मार्गदर्शक और देश का नेतृत्व करना, हम सबके लिए गौरव और प्रेरणा का विषय है। हम सभी उनके बताए मार्ग पर चलकर राष्ट्र निर्माण में योगदान देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि आज का यह भव्य आयोजन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जीवन की प्रेरक यात्रा को समझने का अद्भुत अवसर लेकर आया है। दिल्लीवासियों को उनके जीवन के विभिन्न पहलुओं को करीब से जानने और समझने का मौका मिला। यह प्रस्तुति वास्तव में सभी के लिए एक यादगार अनुभव साबित हुई है। दिल्ली सरकार के कला, संस्कृति एवं भाषा मंत्री कपिल मिश्रा ने कहा कि यह कार्यक्रम केवल एक सांस्कृतिक प्रस्तुति नहीं बल्कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की असाधारण नेतृत्व यात्रा को जन-जन तक पहुँचाने का प्रयास है। इस आयोजन ने देशभक्ति, प्रेरणा और संकल्प की नई ऊर्जा को जागृत किया है। यह संध्या हर किसी के लिए अविस्मरणीय अनुभव रही। इस संगीतमय प्रस्तुति ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जीवन यात्रा को एक नई कलात्मक अभिव्यक्ति दी और उपस्थित सभी दर्शकों को गहराई से प्रेरित किया।

सेंट स्टीफेंस अस्पताल चिकित्सकीय लापरवाही के आरोप से बरी

नई दिल्ली। राज्य उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग ने सेंट स्टीफेंस अस्पताल को चिकित्सकीय लापरवाही के आरोप से बरी कर दिया है। यह मामला एक महिला की ओर से अस्पताल पर आरोप लगाने से जुड़ा था, जिसमें उन्होंने बताया था कि पित्ताशय की सर्जरी (कोलेसिस्टेक्टोमी) कराने के बाद उन्हें गंभीर स्वास्थ्य जटिलताओं का सामना करना पड़ा। शिकायतकर्ता ने दावा किया था कि अस्पताल ने उनकी मधुमेह नियंत्रण में रखने के लिए आवश्यक दवाइयां नहीं दीं, जिससे उन्हें सर्जरी के बाद सर्जिकल साइट (शल्य क्षेत्र) संक्रमण हुआ। उन्होंने आरोप लगाया कि सर्जरी से पहले और बाद में जरूरी सतर्कता और देखभाल नहीं की गई। आयोग ने मामले की गंभीरता से जांच की और विशेषज्ञ चिकित्सकों की रिपोर्ट का अवलोकन किया।

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, APARNA VATS, D/o DR. AJAY KUMAR SINHA, permanent resident of Flat No-91 GF, Ashiana Greens, Ahinsa Khand 2nd, Indirapuram, Ghaziabad, PIN: 201014, Uttar Pradesh, India, declare that my father has expired on July 1, 2008. Further, my mother, Sujata Rai remarried with DHINENDER LOHMOR, S/o Omprakash Lohmor, resident of House No - E-50 Sector 20, Noida, Gautam Budh Nagar, PIN: 201301, Uttar Pradesh, India, vide marriage certificate dated March 5, 2014 issued by Registrar, Hindu Marriages, Sub-District G.B Nagar, Uttar Pradesh, India. Henceforth, I have changed my name from APARNA VATS to APARNA LOHMOR and also the name of my father to be known as DHINENDER LOHMOR in future for all purposes.

NAME CHANGE
I, Tafseer Ahmad S/o Shafeeque Ahmed R/o B-37/G-3, Dilshad Colony, Jhilmil, Delhi-110095 have changed my name to Tafseer Ahmed for all future purposes.

NAME CHANGE
I, Shafique Ahmad S/o Abdul Rauf R/o H. No. F-72, Near Jama Masjid, New Seema Puri, Delhi-110095 have changed my name to Shafeeque Ahmed for all future purposes.

NAME CHANGE
I, Shahina Parveen w/o Tafseer Ahmed, R/o B-37/G-3, Dilshad Colony, Jhilmil, Delhi-110095. have changed my name to Shahina for all future purposes.

NAME CHANGE
I, Km Resham W/o Sharukh Khan R/o E-2/280, Street No. 14, Nehru Vihar, Dayalpur, Delhi-110094 have changed my name to Reshma for all future purposes.

NAME CHANGE
I, hitherto known as Labia Sajid D/O Mohd Sajid, R/O? No-659/12, Zakir Nagar,VTC: OKHLA PO: New Friends Colony, District: South Delhi, State: Delhi,110025, have changed my name and shall hereafter be known as LAIBA SAJID.

NAME CHANGE
It is for general information I SHAFIYA BEGUM W/O ANWAR RAIS R/O F-13/7 Gf Joga Bai Extension Batla House Jamia Nagar South Delhi Delhi-110025, declare that name of mine has been wrongly written as SHAFIYA ANWAR in my minor daughter namely RAFIA FATIMA aged 13 years in her school record. The actual name of mine is SHAFIYA BEGUM which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
It is for general information I SHAFIYA BEGUM W/O ANWAR RAIS R/O F-13/7 Gf Joga Bai Extension Batla House Jamia Nagar South Delhi Delhi-110025, declare that name of mine has been wrongly written as SHAFIYA ANWAR in my minor daughter namely NADIA FATIMA aged 13 years in her school record. The actual name of mine is SHAFIYA BEGUM which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE
THROUGH THIS PUBLIC NOTICE, PUBLIC IN GENERAL IS INFORMED THAT MY CLIENTS SH. RAJPAL GUHER S/O LATE SH. KANCHI LAL AND SMT RAJKUMARI W/O SH. RAJPAL GUHER, R/O D-261, D- BLOCK, KUSUMPUR PAHARI, VASANT VIHAR, SOUTH-WEST DELHI, DELHI-110057 HAS DISOWNED AND DEBARRED THEIR YOUNGER SON NAMELY PRAVEEN KUMAR GUHER (SON) ALONG WITH HIS WIFE SARITA GAHLOT (DAUGHTER-IN-LAW))FROM THEIR ALL MOVEABLE AND IMMOVEABLE PROPERTIES, HENCEFORTH AND HAS SEVERED ALL THEIR RELATIONSHIP DUE TO THEIR CALLOUS BEHAVIOR AND MY CLIENTS WILL NOT BE RESPONSIBLE FOR THEIR ACTS AND DEEDS DONE BY THEM, IN ANY MANNER WHATSOEVER HENCE FORTH.
SANJAY K. SHARMA
ADVOCATE
Chamber No. 841
Dwarka Court Complex
Sector 10, Dwarka
New Delhi-110075

सार्वजनिक सूचना
आम जनता को सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल जाहिदा खातून, पत्नी-शाहिद, निवासी प्लॉट नंबर 502, एम एस ब्लॉक, राणाजी एन्क्लेव एक्सटेंशन, नजफगढ़ साउथ वेस्ट दिल्ली-110043, स्थायी पता तहसील सम्भल, थाना ओभरी/असमोली, जिला सम्भल, उत्तरप्रदेश ने अपने पुत्र सलमान व पुत्रबधू फरहाना, जो उपरोक्त घर में रहते हैं, को अपनी सभी चल और अचल संपत्तियों से बेदखल कर दिया है और उनसे सभी संबंध व रिस्ते-नाते भी तोड़ दिए हैं क्योंकि वह मेरे मुवक्किल के नियंत्रण में नहीं हैं। मेरा मुवक्किल उसके द्वारा किए गए किसी भी कार्य के लिए जिम्मेदार नहीं है। उसके साथ व्यवहार या लेन-देन करने वाला कोई भी व्यक्ति अपने जोखिम, लागत और परिणामों पर ऐसा कर सकता है और मेरा मुवक्किल किसी भी तरह से इसके लिए जिम्मेदार नहीं होगा।
प्रदीप कुमार बारी अधिवक्ता,
चेंबर नम्बर 814 द्वारका कोर्ट कॉम्प्लेक्स
नई दिल्ली-110075.
Mob:-7503084553

NAME CHANGE
I hitherto known as Jasabir singh S/O Rambharose R/O 938, sec-9 old vijay nagar, gaziabad Uttar Pradesh-201009, have changed my name and shall hereafter be known as Jasveer Singh.

NAME CHANGE
I hitherto Known as JOGINDER S/o BUNDI LAL residing at House No. 172 , Street No. 5, Near Balmiki Mandir, Village - Waziabad, Burari, North Delhi, Delhi - 110084 have changed my name and shall hereafter be known as JOGINDER CHAUTALA.

NAME CHANGE
It is for general information that I, SHYAM SINGH S/O AMAR SINGH R/O 750,SF, RISHI NAGAR, RANI BAGH, NORTH WEST DELHI,DELHI-110034 , declare that name of my wife has been wrongly written as VANDANA SINGH in my minor daughter RUHEE KAUR aged 15 years in her School Record. The actual name of my wife is VANDANA, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, hitherto known as RAVINDER KUMAR S/O DILAWAR SINGH R/O D-25, MAHAVIR VIHAR COLONY, KANJHAWALA, PO-KANJHAWALA, DIST-NORTH WEST DELHI, DELHI-110081 have changed my name and shall hereafter be known as RAVINDER SINGH.

NAME CHANGE
I, HARKIRAT KAUR W/O BALRAM R/O 19A, AGGARWAL COLONY, NAJAFGARH, DIST-SOUTH WEST DELHI, DELHI-110043, have changed the name of my minor son DARSHIT BAGRI aged 14 years and he shall hereafter be known as DARSHIT SINGH BAGRI.

NAME CHANGE
I, SUKHBIR SINGH S/O SWAROOP SINGH R/O RZ-197 ROSHAN GARDEN NAJAFGARH, SOUTH WEST DELHI, DELHI-110043, have changed the name of my minor son ARMAAN alias ARMAAN GULIA aged 11 years and he shall hereafter be known as YOGSHRI GULIA.

सार्वजनिक सूचना
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल श्रीमती सुधा सहरावत उर्फ सुधा रानी पत्नी श्री नीरज सहरावत उर्फ नीरज कुमार, निवासी मकान संख्या 9, ग्राम व पोस्ट सदरपुर, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश 201001, एक आवासीय प्लाट संख्या 20, क्षेत्रफल 59.28 वर्ग गज, खसरा संख्या 668, स्थित उन्नति विहार कॉलोनी, ग्राम मटियाला कल्लुगढी, परगना व तहसील व, जिला गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश, के मालिक व काबिज खतौनी फसली वर्ष 1420-1425 व 1426-1431 द्वारा मालिक व काबिज है। कथित संपत्ति भार मुक्त है, न किसी प्राधिकरण द्वारा अधिगृहित है न ही कोई मामला किसी न्यायालय मे लंबित है। वर्तमान में, मेरे मुव्विकल कथित सम्पत्ति को श्रीमती सावित्री पत्नी श्री अमन सिंह को बेच रहे है जो आधार हाउसिंग फाइनेन्स लि0, शाखा आर डी सी, राज नगर, गाजियाबाद, उत्तरप्रदेश, के द्वारा फाइनेन्स किया जा रहा है। यदि किसी व्यक्ति को उक्त कथित सम्पत्ति के सबंध में कोई आपत्ति हो तो अधोहस्ताक्षरी या आधार हाउसिंग फाइनेन्स लि0 के समक्ष इस प्रकाशन के 7 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति उचित कागजात के साथ रखे / संपर्क करे, अन्यथा कथित सम्पत्ति के संबंध में दावा अवैध व व्यर्थ माना जायेगा।
रूपेश कुमार रौशन अधिवक्ता
डी-803, नन्दग्राम,
गाजियाबाद, उ0 प्र0 201003
roushan.rupesh@gmail.com

NAME CHANGE
I, HAZI SALEEM S/O SHABBIR AHMAD R/O H NO-Z-II/170, RAJA MARKET, WELCOME , NORTH EAST, DELHI-110053 HAVE CHANGED MY NAME SALEEM AHMAD FOR ALL FUTURE PURPOSE

NAME CHANGE
I hitherto known as SNEHA D/o RAJKUMAR R/o WZ-478 Nangal Raya, Nangal Raya S.O, South West Delhi, Delhi-110046, have changed my name and shall hereafter be known as SNEHA SHARMA, for all future purposes.

NAME CHANGE
I, POOJA KALKAL W/o Manoj Kumar Kalkal R/o RZ-52, Shiv Nagar, New Roshan Pura, Najafgarh, Delhi-110043, have changed my name to POOJA DHANKHAR permanently

NAME CHANGE
I,HEMANT KUMAR S/O Prabhu Nath R/o H.No.401,Gali No.4, Padam Nagar Tigaon Road, Old Faridabad, Kheri Kalan (113) Haryana, have changed my name to HEMANT KUMAR CHAUHAN Permanently.

NAME CHANGE
I, hitherto known as SOURAV S/O PARMANAND R/O 761, CHOUPAL ROAD, NEAR RADHA KRISHNA MANDIR, BIJWASAN, SOUTH WEST DELHI, DELHI-110061 have changed my name and shall hereafter be known as SOURAV SHARMA.

PUBLIC NOTICE
Information is given to general public at large that our client Mr. Sandeep Goel S/o Mr. Ramniwas Goel is the owner of Freehold Residential Built-up Property bearing No. C-14, Plot no. 14 & Plot No. C-15-A, Area measuring 100+100 +60 = 260 Sq. Yds. out of Khasra No. 403/268/2Min, and Khasra No. 403/268. Situated in the area of Village Chilla Saronda Banger in the abadi of Block-C New Ashok Nagar Illaqa Shahdara Delhi-110096. by virtue of Notarized GPA along with ATS & Will dated 28.06.2023 & Notarized GPA along with ATS and Will dated 01.04.2023 now our client is declaring that that any other person does not have any right over the said property, and same property Sold too be Mr. Sandeep Goel S/o Mr. Ramniwas Goel and same has been financed by SMFG India Home Finance Company Limited Branch: Ghaziabad Uttar Pradesh. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained
[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211,sector-3 Vaishali Ghaziabad
Uttar Pradesh-201010, Contact at 09958871432

PUBLIC NOTICE
Information is given to general public at large that our client Mrs. Shivali Verma alias Shivali Babbar is the owner of Freehold Residential Built-up Upper Ground Floor, without roof rights., Built-on Property No. 315, in Block BA, area measuring 66.889 Sq. Mtrs., Situated at Tagore Garden, New Delhi 110027. by virtue of Gift Deed dated 13.12.2021 Vide Doc. No. 26133, Vol. No. 6977, Book no. 1, Pages. 82-90, SR- II B Janakpuri. In the chain documents below mentioned documents not available i.e. (1) Photocopy of Allotment Letter & Possession Certificate, (2) SMC of Late Mr. Tilak Raj Babbar S/o Mr. Khazan Chand Babbar Died Dated 21.01.2012, now our client is declaring that that any other Person does not have any right over the said property, and same property sold too be Mrs. Jyotsna Pawar and same has been finance by Piramal Capital & Housing Finance Ltd. Branch: Kalkaji New Delhi. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained
[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211,sector-3 Vaishali Ghaziabad
Uttar Pradesh-201010, Contact at 09958871432

NAME CHANGE
It is for general information that I, DEV MORWAL S/o PRADEEP KUMAR R/o 2287, Sarai Baraf Khana, Kodiya Pul, Delhi G.P.O., North Delhi, Delhi-110006, declare that name of my mother has been wrongly written as ANJU in my 10th and 12th class educational documents. The actual name of my mother is ANJU KAYAT, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, Md Javed s/o Md Aftab R/o T-188/2, Street No.2, Gautam Puri, Seelampur, Delhi-110053 have changed my name to Javed Khan for all future purposes

NAME CHANGE
I MOHAMMED ISRAR DIN S/O DEEN MOHAMMAD resident of F-61/4, SHAHEEN BAGH, JAMIA NAGAR, NEW FRIENDS COLONY DELHI-110025. have changed my name to MOHAMMAD ISRAR for all future purposes

NAME CHANGE
I, hitherto known as SURINDER KUMAR SHARMA S/O ROHAN SHARMA R/O RC-786, DEEPAK VIHAR KHORA COLONY, KHORA, GHAZIABAD, UTTAR PRADESH-201309 have changed my name and shall hereafter be known as SHELENDAR SHARMA.

NAME CHANGE
I, hitherto known as Jai Prakash S/O Ram Lalit Upadhyay R/O L-61A/62, Geeta MandirRoad, Happy Chowk, Mohan Garden, Uttam Nagar, New Delhi -110059 have changed my name and shall hereafter be known as Jai Prakash Upadhyay .

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, PRATAP SINGH S/O GOPAL SINGH R/O F-107, NEAR GUMBAD, VTC KATWARIYA SARAI, DIST SOUTH WEST DELHI, DELHI-110016 declare that name of mine and my wife have been wrongly written as PRATAP RAWAT and LAXMI RAWAT in my minor son namely PRIYANSHU RAWAT aged 17 years in his 12th class educational documents. The actual name of mine and my wife are PRATAP SINGH and LAXMI DEVI respectively which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, JYOTI RANI W/O SUBHASH CHAND BOSE R/O 28/113, Gali No 13, Vishwas Nagar, Shahdara, East Delhi, Delhi-110032 declare that name of mine and my minor son has been wrongly written as JYOTI BOSE and VANSH CHOUDHARY in my minor son namely VANSH CHAUDHARY aged 13 years in his school records. the actual name of mine and my minor son are JYOTI RANI and VANSH CHAUDHARY. which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE
I, BHUPENDER SINGH S/O JASWANT SINGH R/O C-1/1277A, Gali No-25, Khajoori, Shas, Delhi-110094 have changed the name of my minor son LAKSHYA aged 15 years and he shall hereafter be known as LAKSHYA SINGH.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, DOLLI W/O RAJESH KUMAR R/O E-2/22 And E2/23, Upper Ground Floor, Shastri Nagar, Shastri Nagar, (North West Delhi), North West Delhi, Delhi-110052 declare that name of mine has been wrongly written as DOLLY in my minor son namely NAKSH aged 15 years in his school records. the actual name of mine is DOLLI which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, SHRINIWAS RAO PATIL S/O BABU ANNA RAO PATIL R/O G 18 1st Floor St No-2 Behind Mayur Vihar Ph-2 Soprts Complex East Vinod Nagar Kalyanvas East Delhi Delhi-110091 declare that name of mine and my wife and my minor daughter has been wrongly written as SANTOSH KUMAR, ALKA RAO and S PAURNAMI in my minor daughter namely S PAURNAMI RAO PATIL aged 14 years in her school record. The actual name of mine and my wife and my minor daughter are SHRINIWAS RAO PATIL, ALKA RAO PATIL and S PAURNAMI RAO PATIL which respectively may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I DIVYA S/O AJIT SINGH R/O Gwalara Aligarh Uttar Pradesh-202136 changed my name to DIVYE PRATAP.

NAME CHANGE
I RAAHUL alias RAAHUL RAJ SINGH S/O DUSHYANT CHAUDHARY R/O-214 Arya Puri Muzaffar Nagar Uttar Pradesh-251002 changed my name to RAAHUL RAJ SINGH.

NAME CHANGE
I,hitherto known as RKMIDHA alias RUVEY KANT MIDHA S/O DHARAM CHAND MIDHA R/O C-38 Sector -41, Noida Sector 37, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh 201303, have changed my name and shall hereafter be known as RUVEY KANT MIDHA

सार्वजनिक सूचना
मेरे मुवक्किल श्री अनूप सिंह, पुत्र श्री रघुनाथ, निवासी H.No. 557, नेब सराय, आईजीएनओयू, हौज़ खास, दक्षिण दिल्ली-110068, ने अपने पुत्र विकास, उसकी पत्नी तमन्ना एवं उसके पुत्र जीवनश को अपनी समस्त चल-अचल संपत्तियों से बेदखल एवं वंचित कर दिया है। भविष्य में उनका इनसे कोई संबंध नहीं रहेगा और इनके किसी भी कार्य/लेन-देन के लिए वे जिम्मेदार नहीं होंगे।

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, DALIP KUMAR YADAV S/O GOVIND YADAV R/O H-381, OLD SEEMAPURI, DELHI-110095 declare that name of my minor son has been wrongly written as PIYUSH KR YADAV in my minor son namely PIYUSH KUMAR YADAV aged 15 years in his 10th class educational documents. The actual name of my minor son is PIYUSH KUMAR YADAV which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, PILLA DHANA LAKSHMI Mother of No 15816831W, Rank-NK, Name-PILLA SUBBA RAJU residing at VILL-DANDAGARRA, PO-MADHAVARA, TEHSIL-TADEPALLIGUDEM, DISTT-WEST GODAVARI, ANDHRA PRADESH-534145, have changed my name from PILLA DHANA LAKSHMI to PILLA DHANALAKSHMI for all future purposes vide Affidavit dated 18/09/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, H S Mishra Alias Hari Shanker Mishra S/O Late Guru Prasad Mishra R/O House No-1561 a, Bannu Baradari Dharamshala Gali, Jawahar Colony, N.I.T, Faridaba Haryana-121005 Have changed my name to Hari Shankar Mishra for all future purposes.

NAME CHANGE
I, PILLA RAMA RAO father of No 15816831W, Rank-NK, Name-PILLA SUBBA RAJU residing at VILL-DANDAGARRA, PO-MADHAVARA, TEHSIL-TADEPALLIGUDEM, DISTT-WEST GODAVARI, ANDHRA PRADESH-534145, have changed my name from PILLA RAMA RAO to PILLA RAMARAO for all future purposes vide Affidavit Dated 18/09/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, Subham S/O Mange Lal R/O 4/202, Trilokpuri Chilla Saroda Delhi 110091 Have changed my name to Shubham for all future purposes.

NAME CHANGE
I, JC-462700K, Rank-NB SUB, Name-SALUNKHE RAMCHANDRA TANAJI residing at NALAVADE ALI, VILL-GANESHWADI, PO-NAGTHANE, SATARA, MAHARASHTRA-415519, have change my mother's name from ALKA to ALKA TANAJI SALUNKHE for all future purposes vide affidavit dated 18/09/2025 before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE
I, KM Lakshmi D/O Shiv Prakash W/O Pankaj Babu R/O Flat no - 1206,Orchid Tower Paramount Symphony Crossing Republic Ghaziabad Uttar Pradesh 201016 Have changed my name to Kumari Lakshmi for all purposes.

NAME CHANGE
I, RABIN DEVI Wife of No-4179717N Rank-RECT Name-KARTAR SINGH Presently residing at D-245, KARAMPURA, WEST DELHI, DELHI-110015, have changed my name from RABIN DEVI to RAVIN YADAV for all future purposes and in my husband's service record my date of birth wrongly mentioned as 24/11/1968 instead of my correct date of birth as 01/05/1970 vide Affidavit dated 18/09/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, KIRAN KUMARI Wife of JC-413882Y Rank-SUB MAJ Name-ASHWANI KUMAR residing VILL-SANGARAL, PO-BIAR, TEHSIL-BARSAR, DIST-HAMIRPUR, HIMACHAL PRADESH-177119, in my husband's service records my date of birth wrongly mentioned as 12/10/1976 instead of my correct date of birth as 24/04/1974 vide affidavit dated 18/09/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, RAJNESH KUMAR S/o SRIPAL R/O HOUSE NO H-16/475, GALI NO 16, SANGAM VIHAR, NEW DELHI 110060 my driver badge no P030164320 (N) D L- No DL03 20090104111, Validity 01-12-2029 have changed my name from RAJNESH KR MATHUR S/o SRIPAL MATHUR to RAJNESH KUMAR S/o SRIPAL for all future purposes.

NAME CHANGE
I, PRATIKSHA Wife of No-15455573K Rank-SEP/AA Name-SHELAR AKASH SURESH Presently residing at VILL-HARAGAPURGAD, TEHSIL-HUKKERI, DISTT-BELAGAVI, KARNATAKA-591313, have changed my name from PRATIKSHA to PRATIKSHA AKASH SHELAR for all future purposes vide Affidavit dated 18/09/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, SNEHA D/o Harish Chand Joshi R/o A-5/108, Sector-15, Rohini, Delhi-110085, have changed my name to SNEHA JOSHI permanently

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, SUBHASH KUMAR So ASESHWAR KUMAR, R/o 1-26A, Sharma Colony Phase-2, Budh Vihar, North West Delhi, Delhi-110086, declare that name of mine, my wife and my minor son has been wrongly written as SHUBHASH KUMAR, BABITA SINGH and NAMAN in my minor son namely NAMAN RANJAN, aged 17 years in his 10th Class Educational Documents. The actual name of mine, my wife and my minor son are SUBHASH KUMAR, BABITA and NAMAN RANJAN, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, HARVINDER KAUR W/O MANJINDER SINGH resident of H-3/93, UPPER GROUND FLOOR, KALI BARI ROAD, KALI BARI MANDIR MAHAVIR ENCLAVE, DELHI-110045. have changed my name to HARWINDER KAUR for all future purposes.

NAME CHANGE
I, ADILASUMMA Wife of No-2582570P Rank-EX NAIK (Time Scale) Name-GOLLA SUBBAIAH Resident of H NO-8-17-205/A1/1, OPP VENKATESWARA TEMPLE, NEAR MARKET YARD, VILL AND TOWN-GIDDALUR, MANDAL-GIDDALUR, DIST-PRAKASAM, ANDHRA PRADESH-523357, have changed my name from ADILASUMMA to GOLLA ADILAKSHMI for all future purposes vide Affidavit dated 18/09/2025 before Notary Public, Giddaluru, Andhra Pradesh.

NAME CHANGE
I, ADILASUMMA Wife of No-2582570P Rank-EX NAIK Name-GOLLA SUBBAIAH Resident of H NO-8-17-205/A1/1, OPP VENKATESWARA TEMPLE, NEAR MARKET YARD, VILL AND TOWN-GIDDALUR, MANDAL- GIDDALUR, DIST-PRAKASAM, ANDHRA PRADESH-523357, have changed my name from ADILASUMMA to GOLLA ADILAKSHMI for all future purposes vide Affidavit dated 18/09/2025 before Notary Public, Giddaluru, Andhra Pradesh.

NAME CHANGE
I, Inderjit Singh S/O Trilochan Singh, R/O D-8/4, 4rd Floor, Model Town Part 2, Model Town II, North West Delhi, Delhi-110009,have changed the name of my minor daughter Rehet Kaur alias Rehet Sabharwal and She shall hereafter be known as Rehet Kaur.

NAME CHANGE
I, Chandan Singh Mehra father of minor son Yash (Date of Birth 25.03.2011) resident of 194, F/F, Hindustan C G H S, M Block, Guru Harkishan Nagar, Paschim Vihar, Jwalaheri, Sunder Vihar, Delhi-110087 has changed my son name from Yash to Yash Mehra son of Chandan Singh Mehra & Lata Mehra for all legal purposes

PUBLIC NOTICE
GENERAL PUBLIC IS HEREBY INFORMED THAT KHATONI ISSUED BY PATWARI IN FAVOUR OF MR. KADAM SINGH ALIAS KUNDAN SINGH AS THE KHATEDAR IN RESPECT OF THE KHASRA NO. 797 (NEW KHASRA NO. 793, 794, 797 & 800) (PROPERTY BEARING NO. D-455-A) AT VILLAGE MANDAWALI FAZALPUR, ILLAQA SHAHDARA, DELHI HAS BEEN LOST / NOT AVAILABLE WITH THE CURRENT OWNER'S MR. NET RAM SON OF MR. DEVI RAM, R/O FLAT NO. E-3, KAKATEEYA APARTMENT, PLOT NO. 86, I.P EXTN, SHAKARPUR, DELHI AND MRS. BHAWNA AGARWAL W/O MR. RAJEEV AGGARWAL, R/O E-503, PLOT NO. 97, SARASWATI APARTMENT, PATPARGUNJ, MADHU VIHAR, I.P. EXTENSION, DELHI AND SAID OWNER'S MR. NET RAM AND MRS. BHAWNA AGARWAL PURCHASED "PROPERTY BEARING NO. D-455-A, ADMEASURING 50 SQ. YARDS SITUATED AT WEST VINOD NAGAR, GALI NO. 19, VILLAGE MANDAWALI FAZALPUR, ILLAQA SHAHDARA, DELHI-110092" VIDE SALE DEED DT. 03.01.2025 EXECUTED BY MR. MAHARAJ SINGH. NOW THE SAID OWNER'S MR. NET RAM AND MRS. BHAWNA AGARWAL GOING TO SELL THE FIRST FLOOR OF THE SAID PROPERTY TO MRS. KHUSHBU KUMARI, D/O MR. MIHIR CHANDRA THAKUR & THIRD FLOOR OF THE SAID PROPERTY TO MR. DEEPAK KUMAR, S/O SRI PAL, R/O 244/2-A, FLAT NO. G-1 (GF), GALI NO. 03, SCHOOL BLOCK, MANDAWALI FAJALPUR, DELHI-110092., AND THE SAID FLOORS (FIRST & THIRD FLOOR) WILL BE MORTGAGED WITH TRU HOME FINANCE LIMITED AS SECURITY AGAINST HOUSING LOAN FOR PURCHASING OF SAID FLOOR'S. PLEASE SUBMIT THE SAID KHATONI IF FIND BY ANY PERSON. ALSO PLEASE CONTACT WITH WRITTEN OBJECTION LETTER WITH RELEVANT DOCUMENTS WITH UNDERSIGNED IF HAVING ANY OBJECTION IN RESPECT OF SAID PROPERTY WITHIN 10 DAYS OF THIS PUBLICATION. ITS USE BY ANYONE IS ILLEGAL.
ADITYA VERMA, ADVOCATE
E-16, MANSAROVAR PARK,
SHAHDARA, DELHI-110032
MOBILE NO. 9999042521

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in
R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472
Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

पीएम मोदी का व्यक्तित्व जेन-जेड के लिए प्रेरणादायक : धनखड़

एजेंसी

झज्जर। भारतीय जनता पार्टी के सचिव ओम प्रकाश धनखड़ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पूरे देश ने भाव विभोर होकर जन्म दिन की शुभकामनाएं दी हैं। उनका व्यक्तित्व हर वर्ग के लिए प्रेरणादायक है, खास तौर पर जेन जेड के लिए। धनखड़ बहादुरगढ़ में प्रधानमंत्री मोदी के जन्मदिन पर स्वस्थ नारी-सशक्त परिवार कार्यक्रम का शुभारंभ कर रहे थे। भाजपा नेता धनखड़ ने कहा कि मोदी देश के हर नागरिक के स्वास्थ्य की चिंता करते हैं, इसलिए उनके जन्मदिन पर देशभर में स्वास्थ्य जांच शिविर, रक्तदान शिविर लगे। नागरिक अस्पताल बहादुरगढ़ में आयोजित कार्यक्रम में रक्तदान शिविर, आंखों की जांच व चश्मे वितरण, दवाई वितरण और विभिन्न प्रकार की स्वास्थ्य जांच की गई। स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता की शपथ भी दिलाई गई । धनखड़ ने कहा कि मोदी के नेतृत्व में मातृत्व के गुण हैं। इसलिए माताओं और बहनों के स्वास्थ्य पर विशेष फोकस रहा है। पीएम मातृत्व योजनाएं, हर घर नल से स्वच्छ जल, हर घर शौचालय, हर घर रसोई गैस जैसे कार्य बड़े स्तर पर किए हैं। मोदी के जन्म दिवस के अवसर पर भाजपा ने देशभर में वृक्षारोपण, स्वच्छता और सेवा पखवाड़े की शुरुआत कर दी है। दो अक्टूबर तक देशभर में भाजपा कार्यकर्ता विभिन्न तरह से देशवासियों की सेवा करेंगे।

जनवादी महिला समिति ने उपायुक्त को सौंपा मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन

हिसार। जनवादी महिला समिति की जिला कमेटी ने उपायुक्त से मिलकर उन्हें मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में समिति की ओर से अनेक मांगें रखी गई, जिन पर तुरंत ध्यान देने की मांग की गई। उपायुक्त को दिए ज्ञापन में समिति ने मुख्यमंत्री से मांग की कि अक्टूबर माह में आने वाले त्यौहारों के मौके पर राशन डिपो के माध्यम से अतिरिक्त राशन जैसे सूजी, चीनी, घी, चावल, दाल, सरसों का तेल, मसाले, अनाज आदि दिए जाएं व इस महीने का राशन तुरंत बांटा जाए। फैमिली आईडी के नाम पर गरीब परिवारों के काटे गए बीपीएल कार्ड दोबारा बनाएं जाएं, कालोनियों व गांवों में कैंप लगाकर फैमिली आईडी की गलतियां ठीक की जाएं, अन्य जरुरतमंद गरीब परिवारों के भी बीपीएल कार्ड बनाए जाएं, राशन डिपो पर मिलने वाले सरसों के तेल की कीमत में की गई बढ़ोतरी को वापस लिया जाए, लाडो लक्ष्मी योजना के तहत हर महिला को बिना शर्त 2100 रुपये प्रति माह तुरंत देने शुरू किए जाएं, सरकारी अस्पतालों में हर तरह की स्वास्थ्य सुविधाएं सभी के लिए मुफ्त में उपलब्ध करवाई जाएं। समिति ने कहा कि दशहरा और दीपावली नजदीक हैं। इस समय को हर परिवार खुशी और उत्साह के साथ मनाना चाहता है, परंतु गरीब परिवारों के लिए यह बेहद मुश्किल समय होता है। एक तरफ लगातार बढ़ती मंहगाई से खाने-पीने की वस्तुओं के दाम आसमान छू रहे हैं, दूसरी तरफ सार्वजनिक वितरण प्रणाली को सिकोड़ा जा रहा है।

एडीसी ने धान खरीद को लेकर अधिकारियों से किया मंथन

जींद। अतिरिक्त उपायुक्त विवेक आर्य की अध्यक्षता में लघु सचिवालय के सभागार में धान खरीद, आवक एवं उठान को लेकर बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में आगामी खरीफ सीजन 2025-26 के दौरान धान खरीद, आवक एवं उठान को लेकर सभी विभागों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि खरीफ सीजन 22 सितंबर से आरंभ होने की संभावना है।और जिला की सभी मंडियों व खरीद केंद्रों पर धान की भारी आवक का अनुमान है। इस वर्ष पीआर धान का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2389 रुपये प्रति क्विंटल तथा कॉमन धान का 2369 रुपये प्रति क्विंटल निर्धारित किया गया है। अतिरिक्त उपायुक्त ने कहा कि सभी विभाग आपसी तालमेल व समन्वय से कार्य करें। मंडियों में आने वाले वाहनों से जाम की स्थिति न बने इसके लिए विशेष व्यवस्था की जाए। सड़कों की समय पर मरम्मत हो और मंडियों से किसी प्रकार की नकारात्मक सूचना प्राप्त न हो। एडीसी ने निर्देश दिए कि धान खरीद कार्य को सरकार द्वारा समय-समय पर जारी हिदायतों के अनुसार किया जाए। किसी प्रकार की फर्जी खरीद न हो तथा सभी रिकार्ड पूर्ण रूप से समय पर तैयार किए जाएं। उन्होंने पुलिस विभाग को निर्देश दिए कि मंडियों में सुचारू परिवहन व्यवस्था व सुरक्षा हेतु पर्याप्त पुलिसबल की तैनाती की जाए।

व्यक्ति की संवेदनशीलता को दर्शाता है रक्तदान:कृष्ण लाल पंवार

पानीपत। दिवस के उपलक्ष्य में जीटी रोड स्थित गौशाला मंदिर हाल में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का शुभारंभ हरियाणा के पंचायत एवं खनन मंत्री कृष्ण लाल पंवार ने दीप प्रज्वलित कर किया। मंत्री कृष्ण लाल पंवार ने शिविर में पहुंचे रक्तदाताओं से मुलाकात कर उनका हौसला बढ़ाया और उन्हें रक्तदाता बैज पहनाकर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि रक्त से बड़ा कोई दान नहीं है। रक्तदान से न केवल जीवन बचता है, बल्कि यह समाज के प्रति व्यक्ति की जिम्मेदारी और संवेदनशीलता को भी दर्शाता है। उन्होंने सभी युवाओं से आह्वान किया कि वे नियमित रूप से रक्तदान कर समाज सेवा में अपना योगदान दें। महाराजा अग्रसेन चैरिटेबल ट्रस्ट की ओर से मंत्री कृष्ण लाल पंवार का शॉल ओढ़ाकर व स्मृति चिह्न भेंट कर स्वागत किया गया।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने की 'मुख्यमंत्री विश्वकर्मा सम्मान योजना' की शुरुआत

एजेंसी

चंडीगढ़। भगवान विश्वकर्मा जयंती के पावन अवसर और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिवस पर हरियाणा में कारीगरों और शिल्पकारों को बड़ी सौगात मिली। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने मुख्यमंत्री विश्वकर्मा सम्मान योजना की शुरुआत की। इस योजना के अंतर्गत हरियाणा के उन कारीगरों को 5 हजार रुपये का टॉप अप प्रोत्साहन दिया जाएगा, जो प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना में कौशल प्रशिक्षण प्राप्त करते हैं। मुख्यमंत्री रोहतक में विश्वकर्मा जयंती एवं श्रमिक दिवस समारोह पर आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। समारोह में पूर्व मंत्री मनीष ग्रोवर सहित अन्य गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। नायब सिंह सैनी ने कहा कि यह शुभ संयोग है कि आज दिव्य शिल्पी भगवान विश्वकर्मा जी की जयंती है। 21वीं शताब्दी के नए भारत के शिल्पी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

का जन्मदिन भी है। उन्होंने हरियाणा की पौने 3 करोड़ जनता की ओर से भगवान विश्वकर्मा को नमन किया प्रधानमंत्री को जन्म दिन की बधाई एवं शुभकामनाएं दी। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने विश्वकर्मा शिक्षा समिति, रोहतक को 31 लाख रुपये देने की घोषणा की। साथ ही, उन्होंने कहा कि विश्वकर्मा समाज द्वारा आवेदन करने पर हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण के नियमानुसार प्लॉट आवंटित किया जाएगा। इसके अलावा, मुख्यमंत्री विवाह शगुन योजना के तहत प्रदेश में 4200 बेटियों की शादी के लिए 22 करोड़ रुपये की राशि 30 सितंबर तक जारी कर दी जाएगी। उन्होंने कहा कि दीन दयाल लाडो लक्ष्मी योजना के तहत जल्द पंजीकरण शुरू होगा और जल्द ही बहनों को 2100 रुपये प्रति माह का लाभ दिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने दिव्य शिल्पी, भगवान विश्वकर्मा जी को नमन करते हुए कहा कि यह दिन उन सभी मेहनती, ईमानदार और कर्मठ श्रमिकों के प्रति सम्मान प्रकट करने का है, जो अपनी मेहनत से देश के विकास की गाथा लिख रहे हैं। उन्होंने कहा कि भगवान श्री विश्वकर्मा जी ने कर्म कौशल के माध्यम से मेहनत करने की प्रेरणा दी थी। उन्हीं की प्रेरणा से प्राचीन काल से लेकर आज तक उनके लाखों साधनों के श्रम और कौशल की बदौलत हमारा विकास हुआ है।

सेवानिवृत्त आईएएस समेुधा कटारिया बनी हरियाणा पुलिस शिकायत प्राधिकरण की सदस्य

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने सेवानिवृत्त आईएएस सुमेधा कटारिया को पुलिस शिकायत प्राधिकरण में महिला सदस्य नियुक्त किया है, जिनकी कार्य अवधि तीन साल के लिए होगी। रिटायर्ड आईपीएस अधिकारी डा. आरसी मिश्रा को करीब एक माह पहले हरियाणा सरकार ने पुलिस शिकायत प्राधिकरण का चेयरमैन और रिटायर्ड आईएएस ललित सिवाच को सदस्य बनाया था। प्राधिकरण में एक सदस्य की नियुक्ति और होनी बाकी है।कुरुक्षेत्र निवासी रिटायर्ड आईएएस सुमेधा कटारिया करीब पांच साल पहले साढे 31 वर्ष की प्रशासनिक सेवा के बाद हरियाणा एग्रीकल्चर मार्केटिंग बोर्ड की मुख्य प्रशासक के पद से रिटायर हुई थी। सुमेधा कटारिया सबसे पहले 1989 में एचसीएस अलाइड में आकर हरियाणा की पहली महिला बीडीपीओ बनीं। उसके बाद सुमेधा 1992 में एचसीएस में चयनित हो गईं। साल 2016 में उनका चयन आईएएस के लिए हुआ और उन्हें 2005 का बैच अलाट हुआ। मूलरूप से पंजाब के शहर अबोहर की रहने वाली सुमेधा ने राज्य के कई जिलों में डीसी के रूप पर अपनी सेवाएं दी हैं। हरियाणा पुलिस शिकायत प्राधिकरण का गठन सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर किया गया था। प्राधिकरण पुलिस अधिकारियों के खिलाफ आने वाली शिकायतों पर भी सुनवाई कर सकता है।

जिला कारागार में हुआ जेल लोक अदालत का आयोजन

एजेंसी

जींद। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से जिला कारागार में जेल लोक अदालत का आयोजन किया गया। मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी मोनिका ने बताया कि लोक अदालत में एक विचाराधीन मामला प्रस्तुत किया गया, जिसका निपटारा मौके पर ही कर दिया गया। आरोपित पर अन्य कोई मुकद्मा लंबित न होने पर उसकी रिहाई के आदेश पारित किए गए। इस अवसर पर सीजेएम मोनिका ने कारागार में बंदियों से बातचीत कर उन्हें मुफ्त कानूनी सेवाओं के बारे में अवगत कराया। उन्होंने कैदियों एवं हवालातियों की समस्याओं को ध्यानपूर्वक सुना तथा उनके समाधान संबंधी आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया। सीजेएम ने बताया कि यदि कोई कैदी अपने मामले की पैरवी के लिए अधिवक्ता की सेवाएं लेना चाहता है तो उसे मुफ्त कानूनी सहायता उपलब्ध करवाई जाएगी। इसके

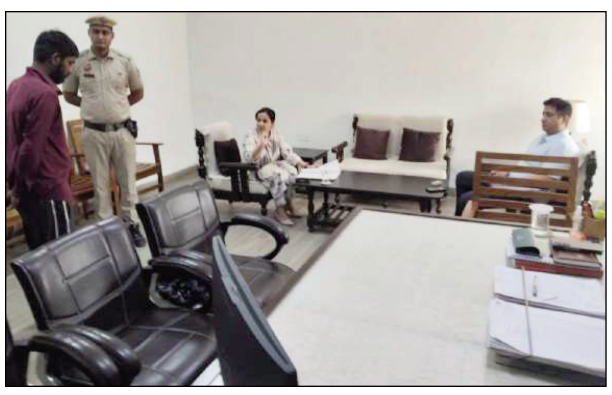

लिए वह एक लिखित प्रार्थना पत्र जेल प्रशासन के माध्यम से जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के कार्यालय में भेज सकता है। उन्होंने जेल प्रशासन को महिला बंदियों की नियमित स्वास्थ्य जांच, कानूनी परामर्श, रहन-सहन एवं खान-पान संबंधी आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। इसके अतिरिक्त कारागार परिसर में पौधारोपण कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। इस अवसर पर जेल अधीक्षक दीपक शर्मा, उप अधीक्षक विक्रम, एलएडीसी प्रमुख नंद मोहन शर्मा, एलएडीसी सहायक प्रियंका व जसवीर सहित जेल प्रशासन के अनेक अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

डिप्टी स्पीकर ने प्रधानमंत्री के जन्मदिन पर शुरू किया स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान

एजेंसी

जींद। हरियाणा विधानसभा डिप्टी स्पीकर डा. कृष्ण मिड्ढा ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिन पर उनकी लम्बी उम्र की कामना करते हुए नगर का प्रत्येक व्यक्ति स्वच्छता अभियान, गऊओं का चारा खिलाना, गरीब व्यक्ति को वस्त्र बांटना आदि सामाजिक परोपकार के कार्य कर रहा है। देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने वैश्विक मंच पर एक नई पहचान बनाई है और देश अब विश्व भर में अपने आत्मनिर्भरता, समृद्धि और विकास के लिए जाना जाता है। उनके जन्मदिन के अवसर पर विदेशों से भी उन्हें बधाई संदेश मिल रहे हैं। जो यह साबित करता है कि उनके नेतृत्व का प्रभाव न केवल भारत में बल्कि वैश्विक स्तर पर भी महसूस किया जा रहा है। डिप्टी स्पीकर डा. कृष्ण मिड्ढा ने नागरिक अस्पताल में स्वस्थ नारी- सशक्त परिवार अभियान का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि अभियान का मुख्य उद्देश्य महिलाओं और बच्चों के स्वास्थ्य की रक्षा करना और उन्हें सही पोषण

प्रदान करना है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि प्रारंभिक जांच को मजबूत करना, स्वास्थ्य सेवाओं तक अधिक पहुंच सुनिश्चित करना और बिमारी की रोकथाम पर विशेष ध्यान देना, इस अभियान का प्रमुख उद्देश्य है। इसके तहत समाज के हर वर्ग को स्वास्थ्य सेवाओं की सुविधा दी जाएगी और परिवारों को सशक्त बनाने के लिए उन्हें स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया जाएगा। डा. मिड्ढा ने कहा कि इस तरह के कार्यक्रम न केवल स्वास्थ्य सेवाओं को बढ़ावा देने के लिए महत्वपूर्ण हैं बल्कि ये समाज में एकता, सहयोग और परोपकार की भावना को भी प्रोत्साहित करते हैं। उन्होंने नागरिकों से आह्वान किया कि वे इस प्रकार के अभियानों में सक्रिय रूप से भाग लें और प्रधानमंत्री के नेतृत्व में एक समृद्ध और स्वस्थ भारत बनाने में योगदान दें।

अगर मन में ठान लिया जाए तो बडे से बडा लक्ष्य भी छोटा दिखाई देता है : मुख्यमंत्री

एजेंसी

पंचकूला। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पूरी दुनिया में भारत की आवाज बुलंद कर रहे हैं। उनका जीवन यह दर्शाता है कि कोई भी बच्चा, चाहे वह किसी छोटे गांव से क्यों न आता हो, अगर संकल्प मजबूत हो तो वह असंभव को भी संभव कर सकता है।मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी आज इंद्रधनुष आडिटोरियम सैक्टर 5 पंचकूला में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्म दिन के उपलक्ष में आयोजित बाल नमोत्सव कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में संबांधित कर रहे थे। इस अवसर पर राज्यसभा सांसद रेखा शर्मा विशेष रूप से उपस्थित थी। उन्होने कहा कि यह बाल नमोत्सव केवल सांस्कृतिक कार्यक्रम नहीं है, यह बच्चों की प्रतिभा, कल्पना शीलता और आत्मविश्वास

का उत्सव है। ऐसे आयोजन बच्चों में नेतृत्व, टीमवर्क और समाज से जुड़ाव की भावना को मजबूत करते हैं। उन्होने इस कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए राज्यसभा सांसद रेखा शर्मा को बधाई दी।नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जीवन हम सबके लिए एक जीवंत संदेश है। उनका जीवन दर्शाता है कि हालात चाहे जैसे भी हों अगर आपके भीतर आत्मविश्वास और परिश्रम की ज्योति जल रही है तो आप सफलता की उंचाईयों तक पहुंच सकते हैं। उन्होने कहा कि वे आज माता मनसा देवी के चरणों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दीर्घायु और स्वस्थ जीवन की कामना करते हैं ताकि वे निरंतर भारत को विकास की नई उंचाईयों तक पहुंचाते रहें। मुख्यमंत्री ने बच्चों से आहवान करते हुए कहा कि वे अपने जीवन में मेहनत करें और तब तक न रूके जब तक लक्ष्य की प्राप्ति न हो जाए। उन्होने कहा कि अगर मन में ठान लिया जाए तो बडे से बडा लक्ष्य भी छोटा दिखाई देता है। नायब सिंह सैनी ने कहा कि राज्य सरकार युवाओं के सर्वांगिण विकास के लिए निरंतर कार्य कर रही है। इसके अलावा युवाओं को नशे से दूर रखने के लिए मैराथन, साईक्लोथोन, राहगीरी जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से जागरूक किया जा रहा है। उन्होने बच्चों से आहवान किया कि वे स्वयं भी नशे से दूर रहें और दूसरों को भी इस सामाजिक बुराई से दूर रहने के लिए प्रेरित करें।

सरकार और अफसरों के गठजोड़ से डूबा पूरा हरियाणा : दुष्यंत चौटाला

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के पूर्व उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने कहा है कि भाजपा सरकार और अधिकारियों की लापरवाही व गैरजिम्मेदार रवैया से हरियाणा में बाढ़ आई है। उन्होंने कहा कि इसका जीता जागता उदाहरण हिसार मंडल आयुक्त की रिपोर्ट है। वे हिसार में जेजेपी कार्यकर्ताओं की मीटिंग के बाद पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। दुष्यंत चौटाला ने कहा कि हिसार मंडल में सिंचाई विभाग ने जो पाइप खरीदे थे, वो पूरी तरह निम्न स्तर के थे जो पानी के प्रेशर को नहीं झेल पाए और इसके कारण हिसार जिले दर्जनों गांव बाढ़ में पूरी तरह डूब गए। उन्होंने कहा कि सिंचाई विभाग के लापरवाह अधिकारियों को तुरंत प्रभाव से सस्पेंड किया जाए और साथ ही साथ पूरे प्रदेश में सिंचाई विभाग की इंक्वायरी खोली जाए। पूर्व डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला ने कहा कि बारिश से पहले सरकार और सिंचाई विभाग दोनों सोए पड़े थे और बारिश के पानी ने नींद खोली है। उन्होंने कहा कि अधिकारियों ने न ही ड्रेन साफ करवाई और न ही उच्च क्वालिटी के पाइप खरीदे। इतना ही नहीं ना ही पर्याप्त मात्रा में नहरों की सफाई की गई। दुष्यंत चौटाला ने कहा कि जलभराव व बाढ़ से प्रदेश में करोड़ों रुपए का नुकसान हुआ है। उन्होंने कहा कि सरकार व अधिकारियों को ड्रेन सफाई का ब्यौरा, बाढ़ में राहत के लिए क्या किया है, इसकी पूरी जानकारी जनता को देनी चाहिए ? दुष्यंत चौटाला ने कहा कि सरकार द्वारा अधिकारियों की पूरी तरह ड्यूटी भी नहीं लगाई गई। सरकार और प्रशासन की नाकामी ने पूरे प्रदेश को डूबो कर रख दिया। दुष्यंत चौटाला ने कहा कि आज लाखों एकड़ से ज्यादा फसल डूब गई है और किसानों को भारी नुकसान पहुंचा है। उन्होंने कहा कि वर्तमान फसल के साथ अगली फसल के भी लाले पड़े हुए हैं।

पेंशन की गणना को सरकार ने कर्मचारियों को दी नोशनल इंक्रीमेंट

- 30 जून से 31 दिसंबर तक सेवानिवृत्त हुए कर्मचारियों को मिलेगा लाभ
- हजारों पेंशनरों को वर्ष 2023 से मिलेगा पेंशन वृद्धि का लाभ

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने अपने ऐसे कर्मचारियों को पेंशन की गणना के उद्देश्य से एक नोशनल इंक्रीमेंट देने का निर्णय लिया है, जो 30 जून या 31 दिसंबर को सेवानिवृत्त हो चुके हैं या होने वाले हैं, बशर्ते उन्होंने संतोषजनक कार्य एवं आचरण के साथ एक वर्ष की अनिवार्य सेवाकाल अवधि पूरी कर ली हो।

हरियाणा के मुख्य सचिव एवं वित्त विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव अनुरा रस्तोगी ने इस संबंध में एक पत्र जारी किया गया है। यह निर्णय सर्वोच्च न्यायालय के 20 फरवरी, 2025 के आदेश और केन्द्र सरकार द्वारा 20 मई, 2025 को जारी ज्ञापन की पालना में लिया गया है। जैसा कि माननीय सर्वोच्च न्यायालय के आदेशों में खास तौर पर वर्णित है, यह वेतनवृद्धि केवल पेंशन की गणना के लिए ही देय होगी और अन्य पेंशन लाभ जैसे ग्रेच्युटी, लीव

इनकैशमेंट या कम्यूटेशन पर लागू नहीं होगी। यह लाभ हरियाणा के उन कर्मचारियों पर लागू होगा, जो 30 जून, 2006 से 30 जून, 2015 के बीच सेवानिवृत्त हो चुके हैं और जिन्होंने संतोषजनक कार्य और आचरण के साथ एक वर्ष की सेवा पूरी की है। इसके अतिरिक्त, यह लाभ उन कर्मचारियों को भी मिलेगा, जो 30 जून या 31 दिसंबर को सेवानिवृत्त हो चुके हैं या होने वाले हैं और जिन्होंने संतोषजनक कार्य और आचरण के साथ एक वर्ष की सेवा पूरी की है।

एक वेतनवृद्धि देकर बढ़ी हुई पेंशन मई 2023 से देय होगी। 30 अप्रैल, 2023 से पूर्व कोई भी एरियर या बकाया देय नहीं होगा। जो कर्मचारी न्यायालय चले गए थे और उनके अनुकूल निर्णय आया, उन्हें न्यायालय के निर्णय के अनुसार बढ़ी हुई पेंशन प्रदान की जाएगी। जिन मामलों में उच्च न्यायालय में अपील लंबित है, अंतिम लाभ न्यायालय के निर्णय पर निर्भर करेगा।

जो कर्मचारी छह महीने या इससे अधिक लेकिन एक वर्ष से कम सेवा पूरी करने के बाद 30 जून या 31 दिसंबर को सेवानिवृत्त हुए हैं, उन्हें यह लाभ नहीं मिलेगा क्योंकि यह मामला अभी भी माननीय सर्वोच्च न्यायालय में विचाराधीन है। राज्य सरकार ने इन मामलों में एसएलपी दायर की हैं और कई मामलों में अंतरिम स्थगन आदेश लागू है।

पेंशन का एरियर 1 मई, 2023 से देय होगा। पूर्व में किए गए अतिरिक्त भुगतान, जिसमें अवमानना कार्यवाही के तहत भुगतान शामिल है, अंतिम न्यायिक निर्णय के अधीन वसूली योग्य नहीं होंगे। सभी सबंधित विभागों और अधिकारियों को इन निर्देशों का सख्ती से पालन सुनिश्चित करने और स्थिति को आवश्यकतानुसार न्यायालयों के संज्ञान में लाने के निर्देश दिए गए हैं।

हरियाणा की आईपीएस अधिकारी सीबीआई में देंगी सेवाएं

ज्योति दर्पण

चंडीगढ़। हरियाणा की महिला आईपीएस अधिकारी अब सीबीआई में सेवाएं देंगी। वर्ष 2013 बैच की आईपीएस आस्था मोदी की केंद्रीय जांच ब्यूरो में एंट्री हो गई है। आस्था मोदी एनआईए के पूर्व डीजी और सीबीआई के अतिरिक्त निदेशक वाईसी मोदी की बेटी हैं। आस्था मोदी को प्रतिनियुक्ति पर सीबीआई में पुलिस अधीक्षक नियुक्त किया गया है। कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग की ओर से जारी आधिकारिक आदेश के अनुसार, वह पांच वर्षों की प्रारंभिक अवधि या अगले आदेश तक इस पद पर नियुक्त रहेंगी। आस्था मोदी हरियाणा में कई जिलों में बतौर एसपी अपनी सेवाएं दे चुकी हैं।

ट्रैफिक नियमों की अवहेलना पर पुलिस ने किए 1080 चालान

ज्योति दर्पण

हिसार। जिला पुलिस की ओर से सड़क सुरक्षा, यातायात अनुशासन और सार्वजनिक व्यवस्था को बनाए रखने के लिए 15 दिन का विशेष अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान नियमों का उल्लंघन करने वालों पर कड़ी और प्रभावी कार्रवाई करते हुए ट्रैफिक नियमों की अवहेलना पर 1018 वाहन चालकों के चालान किए गए।पुलिस अधीक्षक शशांक कुमार सावन ने बताया कि पुलिस ने पिछले 15 दिन में ब्लैक फिल्म/ट्रिपल राइडिंग के 298 चालान किए है। ब्लैक फिल्म लगी गाड़ियों का प्रयोग अपराधियों द्वारा पहचान छिपाने और अवैध गतिविधियों को अंजाम देने के लिए किया जाता है। इसके कारण न केवल सुरक्षा एजेंसियों को कठिनाई होती है, बल्कि सड़क दुर्घटनाओं में भी रिस्क बढ़ जाता है क्योंकि अंदर बैठे व्यक्ति स्पष्ट दिखाई नहीं देते। साथ हिसार पुलिस ने वाहनों से ब्लैक फिल्म हटवाई गई। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक स्थलों पर शराब पीना कानूनन अपराध है। इससे न केवल आम जनता में असुरक्षा की भावना उत्पन्न होती है बल्कि कई बार झगड़े और अव्यवस्था की स्थिति भी बनती है। इस दौरान ऐसे 128 व्यक्तियों को पकड़कर उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की गई है।इसके साथ ही

पुलिस ने 70 चालकों पर ड्रिंक एंड ड्राइव के तहत कार्रवाई कर चालान किए गए। नशे की हालत में वाहन चलाना सड़क दुर्घटनाओं का प्रमुख कारण है। यह न केवल चालक के जीवन के लिए खतरा है बल्कि राहगीरों और अन्य वाहन चालकों की जान को भी जोखिम में डालता है। उन्होंने कहा कि कुछ लोग बुलेट मोटरसाइकिल में साइलेंसर हटाकर पटाखे जैसी तेज़ आवाज निकालना ध्वनि प्रदूषण फैलाने के साथ-साथ लोगों में दहशत और असुविधा पैदा करता है। कई बार इस तरह की हरकतें सड़क दुर्घटनाओं का कारण भी बनती हैं। इस सप्ताह ऐसे 37 चालकों के खिलाफ कार्रवाई की गई। इसके साथ ही पुलिस ने इस सप्ताह में लेन चेंज से सम्बंधित नियम की अवहेलना पर 85 वाहन चालकों के चालान किए है।पुलिस अधीक्षक ने कहा कि पुलिस रॉन्ग पार्किंग, ओवर स्पीड आदि नियमों की अवहेलना पर पोस्टल चालान भी करती है। पुलिस इन इस अवधि में 400 पोस्टल चालान किए है। इस दौरान पुलिस ने वाहन चालकों को ट्रैफिक नियमों की पालना के लिए जागरूक भी किया है। उन्होंने कहा कि हिसार पुलिस आमजन को विश्वास दिलाती है कि शहर में कानून-व्यवस्था और सुरक्षा के साथ कोई समझौता नहीं किया जाएगा।

सभी विधायक एक महीने का वेतन बाढ़ राहत फंड में दें : भूपेंद्र हुड्डा

एजेंसी

चंडीगढ़। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने गन्ना किसानों को कम से कम 500 रुपये प्रति क्विंटल रेट देने, धान की जल्द खरीद शुरू करने और मार्केट फीस को 1 प्रतिशत करने की मांग उठाई है। और खुद एक महीने का वेतन बाढ़ राहत कोष में देने की घोषणा की साथ ही उन्होंने कांग्रेस समेत सभी विधायकों से अपील करी है कि वो कम से कम एक महीने का वेतन, बाढ़ राहत फंड में दें, ताकि पीड़ितों को और मदद पहुंचाई जा सके। हुड्डा अपने आवास पर पत्रकारी से बातचीत कर रहे थे। इस मौके पर उन्होंने कहा कि बाढ़ के चलते प्रदेश की 30 लाख एकड़ भूमि में खराब हुआ है और 5 लाख 10 हजार किसान इससे पीड़ित हैं।एक महीने से भी ज्यादा का समय हो गया, पूरा प्रदेश आपदा से जूझ रहा है लेकिन अब तक बीजेपी सरकार ने लोगों की मदद के लिए कोई कदम नहीं उठाया है। मैं खुद जींद, रोहतक से लेकर यमुनानगर तक बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा करने गया। लेकिन हर जगह लोगों की शिकायत यही थी कि सरकार की तरफ से ना किसी तरह की मदद की जा रही है, ना जरूरत के मुताबिक राहत कार्य अंजाम दिए जा रहे हैं। भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने हैरानी जताई कि अब हरियाणा सरकार ने ना तो प्रदेश को बाढ़ प्रभावित घोषित किया है और ना ही केंद्र से बाढ़ के नाम पर किसी तरह के राहत पैकेज की मांग करी है। इससे सरकार की मंशा जाहिर होती है कि वह जनता को पोर्टल और गिरदावरी की लंबी प्रक्रिया में ही उलझाए रखना चाहती है और मुआवजा नहीं देना चाहती है। जबकि किसानों की खड़ी फसल बर्बाद हो गई है। उन्हें प्रति एकड़ करीब 1 लाख रुपये का नुकसान हुआ है। आने वाली फसल के होने की भी उम्मीद नजर नहीं आती। यानी किसानों को पूरे दो सीजन का घाटा हुआ है। किसानों को कम से कम 60-70 प्रति एकड़ मुआवजा मिलना चाहिए। जबकि सरकार खाद के खर्च से भी कम मुआवजे का ऐलान कर रही है। बाढ़ से धान की फसल बुरी तरह प्रभावित हुई है। जो थोड़ी बहुत फसल किसान बचा पाए हैं, उनकी आवक मंडियों में शुरू हो गई है। लेकिन सरकार ने अभी तक खरीद शुरू नहीं की। हमारी मांग है कि 20 तारीख से सरकार धान की खरीद शुरू करे और एमएसपी पर सारी फसल की खरीद हो।

आनंद राठी शेयर एंड स्टॉक ब्रोकर का आईपीओ: ₹393-414 प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय -

:23 सितंबर को खुलेगा सब्सक्रिप्शन, ₹7.45 अरब जुटाने का लक्ष्य

मुंबई/इंदौर

भारत के एक प्रमुख फुल-सर्विस ब्रोकरेज हाउस आनंद राठी शेयर एंड स्टॉक ब्रोकर लिमिटेड ने अपने आगामी इनिशियल पब्लिक ऑफर (आईपीओ) के लिए ₹393 से ₹414 प्रति इक्विटी शेयर का प्राइस बैंड तय किया है। यह ढ्ढक्क 23 सितंबर, मंगलवार को खुलेगा और 25 सितंबर, गुरुवार को बंद होगा।कंपनी का लक्ष्य इस ढ्ढक्क से ₹7.45 अरब तक की राशि जुटाना है, जिसका एक बड़ा हिस्सा (₹5.5 अरब) कार्यशील पूंजी की जरूरतों को पूरा करने में इस्तेमाल किया जाएगा।

निवेशक न्यूनतम 36 शेयरों के एक लॉट के लिए बोली लगा सकते हैं, जिसके बाद 36 के मल्टीपल में बोली लगाई जा सकेगी।आनंद राठी तीन दशकों से अधिक के अनुभव के साथ एक स्थापित ब्रांड है, जो खुदरा और संस्थागत ग्राहकों को ब्रोकिंग, मार्जिन ट्रेडिंग और विभिन्न वित्तीय उत्पाद प्रदान करता है।

कंपनी की सेवाएं शेयर, डेरिवेटिव्स, कमोडिटी और करेंसी मार्केट तक फैली हुई हैं।कंपनी की वित्तीय स्थिति मजबूत दिख रही है। वित्तीय वर्ष 2023 से 2025 के बीच इसकी परिचालन आय 34.45त्न की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (छ्वत्रक्र) से बढ़कर ₹8,456.98 मिलियन हो गई है।

इसी अवधि में, टैक्स के बाद का मुनाफा 65.68त्न की छ्वत्रक्रके साथ ₹1,036.06 मिलियन तक पहुँच गया है।यह आईपीओ बुक-बिल्डिंग प्रक्रिया के माध्यम से होगा, जिसमें योग्य संस्थागत खरीदारों, गैर-संस्थागत बोलीदाताओं और खुदरा निवेशकों के लिए अलग-अलग कोटा निर्धारित किया गया है।

साथ ही, कर्मचारियों के लिए भी ₹100 मिलियन तक का आरक्षण हिस्सा शामिल है।

इस के आईपीओ बुक-रनिंग लीड मैनेजर नुवामा वेल्थ मैनेजमेंट, डीएएम कैपिटल एडवाइजर्स और आनंद राठी एडवाइजर्स हैं।

यूरोपीय यूनियन ने कहा, व्यापार वार्ता में और प्रगति होगी

नई दिल्ली

यूरोपीय संघ के व्यापार और आर्थिक सुरक्षा के एक अे धिकारी आयुक्त मारोश शेफचोविच ने बताया कि उन्हें उम्मीद थी कि पिछले सप्ताह नई दिल्ली की उनकी यात्रा के दौरान व्यापार वार्ता में और प्रगति होगी क्योंकि व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने के लिए दिसंबर की समय सीमा बेहद करीब है। शेफचोविच ने ब्रसेल्स में मी डिया से चर्चा के दौरान कहा` कि मैं पिछले सप्ताह भारत गया था। बातचीत को आगे बढ़ाने के प्रयास में यह इस साल भारत की मेरी तीसरी यात्रा थी। मैं भारत के वाणिज्य और उद्योग मंत्री (पीयूष गोयल) के साथ लगातार संपर्क में हूं। उन्होंने यह भी कहा कि भारतीय वार्ताकार अपने कड़े रुख के लिए जाने जाते हैं लेकिन उन्होंने आश्वासन दिया कि ईयू अपने हितों को दृढ़ता से रक्षा करेगा। भारत ने अपने दूसरे सबसे बड़े निर्यात ठिकाने यूरोपीय संघ के साथ वार्ता को तेजी से आगे बढ़ाने का निर्णय किया था क्योंकि अमेरिका के साथ तनाव बढ़ गया था और निर्यातक अमेरिका के साथ व्यापार समझौता न होने की स्थिति में माल को खपाने के लिए एक बड़े बाजार की तलाश में थे। यूरोपीय संघ की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने कहा कि दोनों पक्ष साल के अंत तक व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने एक्स पर पोस्ट किया` कि अब साझा हितों पर आधारित साझेदारियों पर दोगुना प्रयास करने का समय आ गया है। अपनी नई यूरोपीय संघ-भारत

रणनीति के साथ हम अपने संबंधों को अगले स्तर पर ले जा रहे हैं। भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) के बीच वाहन, कृषि, शराब, सेवाओं और गैर-शुल्क उपायों पर अब भी मतभेद बने हुए हैं क्योंकि भारत इन्हें संवेदनशील मानता है और अब भी इन पर बातचीत चल रही है।

सीजीएसटी की नई दरें अधिसूचित, 22 सितंबर से होंगी लागू

नए ढांचे के तहत अनुसूची 1 की वस्तुओं पर 2.5 प्रतिशत केंद्रीय जीएसटी लगेगा

नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने केंद्रीय वस्तु एवं सेवा कर (सीजीएसटी) दरों की संशोधित सूची की अधिसूचना जारी कर दी है, जो 2017 से लागू मूल दरों की जगह लेगी। वित्त मंत्रालय ने यह अधिसूचना जारी की है, जो 22 सितंबर से लागू होगी। यह बदलाव 7 अनुसूचियों में किया गया है, जिनमें सीजीएसटी 2.5, 9, 20, 1.5, 0.125, 0.75 और 14 प्रतिशत की दर पर अधिसूचित है। गौरतलब है कि राज्य सरकारें इन्ही दरों पर राज्य जीएसटी (एसजीएसटी) के लिए अलग से अधिसूचनाएं जारी करेंगी। नए ढांचे के तहत अनुसूची 1 की वस्तुओं पर 2.5 प्रतिशत केंद्रीय जीएसटी लगेगा, जिसका मतलब यह हुआ कि राज्य जीएसटी के साथ इन वस्तुओं पर 5 प्रतिशत जीएसटी होगा, क्योंकि दोनों सरकारें एक समान कर लेती हैं। इस अनुसूची में आवश्यक जिंस और प्राथमिक वस्तुएं शामिल हैं, जिनमें डेरी उत्पाद जैसे मिल्क पाउडर, दही, मक्खन, घी से लेकर पैकेज्ड खाद्यान्न और मोटे अनाज जैसे चावल, गेहूं और दलहन शामिल है। इनमें मसालों, चाय, कॉफी, मेवे, शहद, खाद्य तेल, दवाएं, उर्वरक, साबुन, टूथपेस्ट, धूपबत्ती, तथा नवीकरणीय ऊर्जा उपकरणों की एक विस्तृत श्रृंखला जैसे सौर पैनल, पवन चक्कियां व बायोगैस संयंत्र शामिल हैं। अनुसूची 2 पर 9 प्रतिशत सीजीएसटी (प्रभावी रूप से 18 प्रतिशत जीएसटी) लागू होगा। ऐसी वस्तुओं में औद्योगिक इनपुट, इंटरमीडिएट वस्तुएं, टेक्सटाइल्स और उपभोक्ता वस्तुएं हैं। अनुसूची 3 में शामिल वस्तुओं पर 20 प्रतिशत सीजीएसटी लागू किया गया है, जिससे ऐसी वस्तुओं पर कुल जीएसटी 40 प्रतिशत होगा। इस अनुसूची में लक्जरी और नुकसान पहुंचाने वाली वस्तुएं जैसे एरेटेड पेय और एनर्जी ड्रिंक, महंगी कारें और एसयूवी, एक निश्चित सीमा से अधिक इंजन क्षमता वाले हाइब्रिड वाहन, 350 सीसी से ज्यादा क्षमता वाली मोटरसाइकलें, व्यक्तिगत इस्तेमाल के विमान, याट, रिवॉल्वर व पिस्टल शामिल हैं। अनुसूची 4 पर 1.5 प्रतिशत सीजीएसटी (3 प्रतिशत जीएसटी) लगाया गया है, जिनमें मोती, सोना, चांदी और आभूषण शामिल है। अनुसूची 6 पर 0.75 प्रतिशत (1.5 प्रतिशत जीएसटी) लगाया गया है, जिसमें कुछ विशेष इनपुट्स शामिल हैं और अनुसूची 7 पर 14 प्रतिशत सीजीएसटी (28 प्रतिशत जीएसटी) लगाया गया है, जिसमें तंबाकू से जुड़े उत्पाद हैं।

एचडीएफसी बैंक ने 1,000 से अधिक शिक्षकों को सिखाए सुरक्षित डिजिटल बैंकिंग के गुर

साइबर धोखाधड़ी से बचाव के लिए जागरूकता अभियान, शिक्षक बनेंगे डिजिटल सुरक्षा के प्रहरी

मुंबई/इंदौर ।

भारत के अग्रणी निजी क्षेत्र के बैंक, एचडीएफसी बैंक ने एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए पूरे देश के 1,000 से अधिक शिक्षकों को सुरक्षित डिजिटल बैंकिंग के बारे में प्रशिक्षित किया है। एक वर्चुअल सत्र के माध्यम से, बैंक ने शिक्षकों को साइबर धोखाधड़ी से बचने के तरीकों के बारे में विस्तार से जानकारी दी, जिससे वे खुद को और समाज को धोखेबाजों से बचा सकें।

इस सत्र में प्रतिभागियों को साइबर खतरों की पहचान करने के लिए वास्तविक जीवन के उदाहरणों, कहानियों और वीडियो का उपयोग करके प्रशिक्षित किया गया। इसमें विभिन्न प्रकार के घोटालों जैसे फ़िशिंग, विशिंग, स्मिशिंग, रिमोट डिवाइस एक्सेस और यूपीआई धोखाधड़ी पर विशेष रूप से ध्यान केंद्रित किया गया। इसके अतिरिक्त, निवेश, नौकरी के प्रस्ताव और डिजिटल गिरफ्तारी जैसे छद्म रूपों में होने वाली धोखाधड़ी से बचने के तरीकों पर भी चर्चा की गई।

एचडीएफसी बैंक के वरिष्ठ कार्यकारी उपाध्यक्ष, श्री मनीष अग्रवाल ने इस पहल पर कहा, जागरूकता की कमी के कारण लोग अक्सर साइबर धोखाधड़ी का शिकार हो जाते हैं। इन सत्रों का उद्देश्य शिक्षकों को ऑनलाइन दुनिया में सुरक्षित रूप से नेविगेट करने के लिए सही ज्ञान से लैस करना है। उन्होंने बताया कि ये शिक्षक अब समाज में जागरूकता फैलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। बैंक ने ग्राहकों को सलाह दी है कि वे अपनी संवेदनशील जानकारी कभी साझा न करें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत 1930 हेल्पलाइन पर या **https://cybercrime.gov.in** पर दर्ज कराएं। यह पहल न केवल डिजिटल लेनदेन को सुरक्षित बनाने में मदद करेगी बल्कि एक जागरूक डिजिटल समाज के निर्माण में भी सहायक होगी।

भारत का इआरडीएंडडी क्षेत्र 5 साल में 100 अरब डॉलर तक पहुंच जाएगा: नैसकॉम

नई दिल्ली

नैसकॉम की ईआरऐंडडी परिषद के एक प्रमुख अे धिकारी का कहना है कि भारत का इंजीनियरिंग शोध एवं विकास (ईआरएंडडी) क्षेत्र इस दशक के अंत तक करीब 100 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है, जो पिछले वित्त वर्ष तक 56 अरब डॉलर था। यह क्षेत्र भारत के प्रौद्योगिकी उद्योग में सबसे तेजी से बढ़ने वाले क्षेत्रों में से एक रहा है, जिसमें सालाना आधार पर 7 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। इसमें ऑटोमोटिव, सेमीकंडक्टर, औद्योगिक, ऊर्जा एवं यूटिलिटीज, दूरसंचार, हेल्थकेयर, लाइफ साइंसेज और कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स शामिल हैं। तुलनात्मक रूप से सबसे बड़ा उद्योग आईटी कमजोर वृहद आर्थिक परिवेश के कारण लगभग 4 प्रतिशत की दर से बढ़ रहा है। कमजोर वृहद आर्थिक परिदृश्य की वजह से ग्राहकों के खर्च पर असर पड़ा है। पाटिल केपीआईटी टेक्नोलॉजीज के मुख्य कार्याधिकारी भी हैं। उन्होंने बताया कि अगर आप गणना करें तो

तार्किक रूप से यह वृद्धि दर समान प्रतिशत के अनुरूप नहीं है। लेकिन अगले पांच वर्षों में सभी क्षेत्रों में ईआरऐंडडी पर कुल खर्च 10 प्रतिशत से अधिक की दर से बढ़ने की उम्मीद है। बस फर्क इतना है कि आंकड़ों को देखकर उत्साहित न हों।

ये नए क्षेत्र और प्रौद्योगिकियां हैं और बिजनेस मॉडल और प्रतिस्पर्धा बहुत अलग हैं। उन्होंने कहा कि वृद्धि की रफ्तार बढ़ाने के लिए कुछ बदलाव लाने की जरूरत होगी। पहला है एआई का औद्योगिक इस्तेमाल, जो अभी भी निवेशकों की उम्मीदों से कम है।

एग्री जेनेटिक्स अपने निवेशकों को 1 के बदले 10 शेयर बांटेगी

नई दिल्ली

देश के सबसे बड़े सेक्टर यानी एग्रीकल्चर क्षेत्र में काम करने वाली महाराष्ट्र की कंपनी निर्माण एग्री जेनेटिक्स लिमिटेड अपने निवेशकों को 1 शेयर के बदले 10 स्टॉक बांटने को लेकर विचार कर रही है। यह कंपनी हाइब्रिड बीज, कीटनाशक और बायो-ऑर्गेनिक प्रोडक्ट के उत्पादन, प्रसंस्करण और विपणन में काम कर रही है। कंपनी की निदेशक मंडल की बैठक 30 सितंबर को होगी। बैठक में बोनस शेयर (1 इक्विटी शेयर पर 10 बोनस शेयर तक), स्टॉक स्प्लिट और हाइड्रोपोनिक्स और एक्वापोनिक्स क्षेत्र में विस्तार जैसे प्रस्तावों पर विचार किया जाएगा। इन प्रस्तावों का उद्देश्य शेयरधारकों को अधिक लाभ देना, शेयर की बाजार क्षमता बढ़ाना और कंपनी के संचालन को आधुनिक कृषि तकनीकी रुझानों के अनुरूप लाना है। कंपनी के निदेशक मंडल ने 10 रुपये फेस वैल्यू वाले मौजूदा इक्विटी शेयरों को स्प्लिट कर 1:10 तक के अनुपात में अधिक संख्या में शेयर जारी करने पर विचार करेगा। इससे शेयर की तरलता बढ़ेगी और शेयरधारकों का आधार और बढ़ाने में मदद मिलेगी।

आईफोन 17 की बंपर बुकिंग, भारत में बना नया रिकॉर्ड

नई दिल्ली एप्पल की नई आईफोन 17 सीरीज ने भारत में बंपर बुकिंग के साथ नया रिकॉर्ड बना दिया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक इसकी डिमांड पिछले साल लॉन्च हुए आईफोन 16 की तुलना में 30-40 फीसदी अधिक है। खास बात यह है कि इस बार बेस मॉडल 256 जीबी स्टोरेज के साथ आया है, जो यूज़र्स को ज्यादा वैल्यू दे रहा है। डिस्काउंट ऑफर्स और नए कलर वेरिएंट्स ने भी ग्राहकों को आकर्षित किया है। आईफोन 17 प्रो और प्रो मैक्स के लिए खासकर कॉस्मिक ऑरेंज और डीप ब्लू मॉडल की जबरदस्त मांग है। हालांकि, इन वेरिएंट्स की सप्लाई सीमित होने के कारण ग्राहकों को डिलीवरी के लिए इंतजार करना पड़ सकता है। एप्पल की आधिकारिक डिलीवरी 19 सितंबर से शुरू होगी।

क्रेडिट कार्ड से किराया भुगतान पर रोक, आरबीआई का नया नियम

नई दिल्ली भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) द्वारा लागू नए नियमों के तहत अब फिनटेकप्स डिट कार्ड से किराया भुगतान की सुविधा नहीं देंगी। आरबीआई के मुताबिक अब पेमेंट एग्रीगेटर सिर्फ उन्हीं व्यापारियों से लेन-देन कर सकते हैं जिनसे उनका सीधा अनुबंध हो और जिनकी केवाईसी पूरी हो चुकी हो। चूंकि अधिकांश मकान मालिक व्यापारी के रूप में पंजीकृत नहीं हैं, इसलिए ऐप्स के ज़रिए उन्हें भुगतान संभव नहीं होगा। इससे उन यूज़र्स को झटका लगेगा जो रिवॉर्ड पॉइंट्स और ब्याज-मुक्त अवधि के लिए क्रेडिट कार्ड से किराया भरते थे। बैंकों ने भी इस ट्रेंड पर चिंता जताई थी। एचडीएफसी ने शुल्क लगाया, जबकि आईसीआईसीआई और एसबीआई कार्ड ने रिवॉर्ड बंद कर दिए। अब किराया चुकाने के लिए यूज़र्स को सीधे बैंक ट्रांसफर यूपीआई या चेक का सहारा लेना होगा।

मंगलम वर्ल्डवाइड ने एनएसई मेनबोर्ड पर किया स्थानांतरण

नई दिल्ली मंगलम वर्ल्डवाइड लिमिटेड, जो स्टेनलेस स्टील का निर्माण करती है, ने एनएसई के एसएमई मंच से मुख्य मेनबोर्ड पर स्थानांतरण कर लिया है। इस स्थानांतरण में 2,97,00,674 इक्विटी शेयर शामिल हैं, जिनका अंकित मूल्य 10 रुपये है और जो पूरी तरह चुकता हैं। यह कदम एनएसई के नियमों के तहत किया गया है। कंपनी के प्रबंध निदेशक ने इसे कंपनी के लिए एक गर्व की बात बताया। उन्होंने कहा कि यह स्थानांतरण कंपनी के व्यावसायिक सिद्धांतों, विकास रणनीति और दीर्घकालिक दृष्टिकोण पर बाजार के विश्वास को दर्शाता है। इस बदलाव से मंगलम वर्ल्डवाइड को व्यापक निवेशक वर्ग तक पहुंच मिलेगी, जिससे कंपनी की स्थिरता और मूल्य सृजन की क्षमता मजबूत होगी।

सोनी इंडिया ग्राहकों को देगी जीएसटी कट का लाभ

नई दिल्ली

इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की निर्माता सोनी इंडिया 22 सितंबर से प्रीमियम टीवी की कीमतों में करीब 8 प्रतिशत तक की कमी करेगी और जीएसटी दरों में कटौती का लाभ ग्राहकों तक पहुंचाएगी। सोनी इंडिया के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा` कि हम टीवी पर जीएसटी दरों में कटौती का पूरा लाभ उपभोक्ताओं तक पहुंचाना चाहते हैं। प्रीमियम और सुपर प्रीमियम श्रेणी में हमारी कीमतें 7.8 प्रतिशत तक कम होंगी जिससे ये ग्राहकों के लिए काफी आकर्षक हो जाएंगी। वित्त वर्ष 26 के पहले पांच महीने में स्थिर बिक्री के बाद कंपनी प्रीमियम और सुपर प्रीमियम टीवी श्रेणी में 3 से 5 प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल करने की उम्मीद कर रही है। इस महीने की शुरुआत में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने घोषणा की थी कि 32 इंच से बड़े टीवी पर जीएसटी दरें पहले की 28 प्रतिशत से घटकर 18 प्रतिशत होंगी। इस तरह 85 इंच वाले टीवी पर कीमतों में 70,000 रुपये तक, 75 इंच वाले टीवी पर 51,000 रुपये तक, 65 इंच वाले टीवी पर 40,000 रुपये तक तथा 55 इंच वाले टीवी पर 32,000 रुपये तक की कटौती होगी। उन्होंने कहा` कि हम प्रीमियम कीमत वाले ब्रांड हैं और पहले इसे वहन करना मुश्किल हो सकता था। लेकिन दरों में इस कटौती से ग्राहकों को दोनों तरह से ही अपग्रेड करने का मौका मिलेगा। वे बड़े आकार का स्क्रीन और बेहतर तकनीक खरीद सकेंगे। कंपनी के लिए टीवी प्रमुख लाभ वाला कारोबार बना हुआ है जिसकी कुल राजस्व में 55 से 60 प्रतिशत की हिस्सेदारी है। उन्होंने कहा, 'हम 55 इंच और इससे ऊपर वाली श्रेणी में 5 से 10 प्रतिशत की वृद्धि की उम्मीद कर रहे हैं जहां हम प्रमुख भागीदार हैं। उन्होंने कहा कि कुल मिलाकर 10 प्रतिशत की वृद्धि के साथ त्योहारों की मांग मजबूत रहने की उम्मीद है।

शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद

सेंसेक्स 320 , निफ्टी 93 ऊपर आया

मुंबई

भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को तेजी के साथ बंद हुआ। बाजार में ये बढ़त एशियाई बाजारों से मिले-जुले संकेतों के बीच ही खरीदारी हावी होने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 320 अंक करीब 0.39 फीसदी बढ़कर 83,013.96 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 93.35 अंक तकरीबन 0.37 फीसदी बढ़कर 25,423.60 पर बंद हुआ।

फार्मा शेयरों में तेजी के साथ ही अमेरिकी फेडरल रिजर्व के ब्याज दर घटाने से भी बाजार धारणा मजबूत हुई। जिससे बाजार उछला है। आज निफ्टी फार्मा इंडेक्स 1.50 फीसदी ऊपर आया। निफ्टी ऑटो 0.32 फीसदी, निफ्टी वित्तीया सेवा 0.51 फीसदी, निफ्टी एफएमसीजी 0.38 फीसदी, निफ्टी मेटल 0.32 फीसदी और निफ्टी निजी बैंक 0.44 फीसदी की तेजी के साथ बंद हुआ।निफ्टी पीएसयू बैंक 0.18 फीसदी, निफ्टी रियल्टी 0.07 फीसदी, निफ्टी एनर्जी 0.35 फीसदी और निफ्टी पीएसई 0.05 फीसदी टूटकर बंद हुआ।लार्जकैप के साथ मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में भी तेजी देखी गई। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 224.65 अंक की तेजी के साथ 59,073.20 पर था और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 53.75 अंक बढ़कर 18,476.95 पर था।सेंसेक्स पैक में सन फार्मा, इन्फोसिस, एचडीएफसी बैंक, एचसीएल टेक, एचयूएल, पावर ग्रिड, आईटीसी, पावर ग्रिड, आईटीसी, एक्सिस बैंक के शेयर ऊपर आये जबकि टाटा मोटर्स, ट्रेंट, बजाज फाइनेंस, एशियन पेंट्स, अल्ट्राटेक सीमेंट, बीईएल और एसबीआई के शेयरों

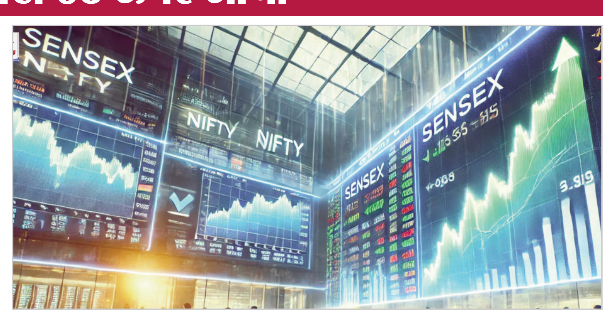

में नुकसान हुआ।

इससे पहले आज सुबह बाजार मजबूती के साथ खुले। सेंसेक्स 400 से ज्यादा अंक उछलकर 83,108 पर खुला। खुलते ही यह 83,141 अंक तक चढ़ गया।

सुबह खुलने के बाद यह 377.88 अंक की बढ़त लेकर 83,071.59 पर कारोबार कर रहा था। इसी तरह निफ्टी भी मजबूती के साथ 25,441 अंक पर खुला। सुबह खुलते ही यह 102.10 अंक की बढ़त के साथ 25,432 पर कारोबार कर रहा था। वहीं एशियाई बाजारों में गुरुवार को मिला-जुला कारोबार देखने को मिला। अमेरिकी फेडरल रिजर्व ने ब्याज दर को घटाकर 4 प्रतिशत से 4.25 प्रतिशत के बीच कर दिया। अमेरिका बाजार में डॉव जोंस कुछ समय के लिए ऑल टाइम है पर पहुंचने के बाद भी 0.57 फीसदी की बढ़त के साथ 46,018.32 पर बंद हुआ। दूसरी तरफ, एसएंडपी 500 इंडेक्स 0.10 फीसदी की गिरावट के साथ 6,600.35 पर और नैस्डैक कंपोजिट 0.33 फीसदी की गिरावट के साथ 22,261.33 पर बंद हुआ

आरबीआई 5 से 7 साल में करेगा नियमों की समीक्षा

– नियामक समीक्षा प्रकोष्ठ या सेल (आरआरसी) 1 अक्टूबर से प्रभावी होगा

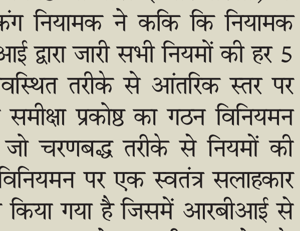

नई दिल्ली भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बैंकों और अन्य विनियमित संस्थाओं से संबंधित सभी नियम-कायदों की हर 5 से 7 साल में समीक्षा करने के लिए नियामकीय समीक्षा प्रकोष्ठ का गठन किया है। केंद्रीय बैंक का उद्देश्य बैंकों और उसके नियमन के दायरे में आने वाली अन्य संस्थाओं के मानदंडों की समीक्षा के लिए संस्थागत तंत्र को सुदृढ़ बनाना है। नियामक समीक्षा प्रकोष्ठ या सेल (आरआरसी) 1 अक्टूबर से प्रभावी होगा। बैंकिंग नियामक ने ककि कि नियामक समीक्षा प्रकोष्ठ का काम आरबीआई द्वारा जारी सभी नियमों की हर 5 से 7 वर्षों में व्यापक और व्यवस्थित तरीके से आंतरिक स्तर पर समीक्षा करना होगा।' नियामक समीक्षा प्रकोष्ठ का गठन विनियमन विभाग के तहत किया जाएगा जो चरणबद्ध तरीके से नियमों की समीक्षा करेगा। इसके अलावा विनियमन पर एक स्वतंत्र सलाहकार समूह (एजीआर) का भी गठन किया गया है जिसमें आरबीआई से बाहर के विशेषज्ञ शामिल हैं। इसका उददेश्य समीक्षा प्रकोष्ठ के माध्यम से विनियमों की आवधिक समीक्षा में उद्योग की प्रतिक्रिया को शामिल करना है। इस छह सदस्यीय समूह का नेतृत्व भारतीय स्टेट बैंक के प्रबंध निदेशक राणा आशुतोष कुमार सिंह करेंगे। सलाहकार समूह बनाने का उद्देश्य नियामक प्रक्रिया में हितधारक की भागीदारी को मजबूत करना और निरंतर आधार पर उद्योग की विशेषज्ञता का लाभ उठाना है।

2035 तक ग्लोबल जीडीपी ग्रोथ में भारत की हिस्सेदारी 9 प्रतिशत होगी

यह बयान वित्तीय सेवा विभाग में सचिव एम नागाराजू ने दिया

मुंबई

वैश्विक अर्थव्यवस्था में भारत का दबदबा बढ़ता जा रहा है और 2035 तक ग्लोबल जीडीपी ग्रोथ में देश की हिस्सेदारी बढ़कर 9 प्रतिशत होगी, जो कि 2024 में 6.5 प्रतिशत थी। यह बयान वित्त मंत्रालय के वित्तीय सेवा विभाग में सचिव एम नागाराजू ने दिया। दिल्ली में नेशनल बैंक फॉर फाइनेंशियल इन्फ्रास्ट्रक्चर एंड डेवलपमेंट (एनएबीएफआईडी) की ओर से आयोजित कार्यक्रम में लोगों को संबोधित कर नागाराजू ने कहा कि वैश्विक अनिश्चितता के माहौल में भी देश की अर्थव्यवस्था तेजी से आगे बढ़ रही है और दुनिया की सबसे तेज गति से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बनी हुई है। उन्होंने कहा कि देश की अर्थव्यवस्था बीते चार सालों से औसत 8 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि दर से बढ़ रही है। वित्त वर्ष 26 की पहली तिमाही में जीडीपी की वृद्धि दर 7.8 प्रतिशत रही थी, जो कि पिछली पांच तिमाही में सबसे अधिक है।नागाराजू के मुताबिक, हमारा एक्सटर्नल सेक्टर भी अच्छा प्रदर्शन कर रहा है और बीती तिमाही में चालू खाता घाटा जीडीपी का केवल 0.5 प्रतिशत रहा था। देश का शुद्ध सर्विसेज निर्यात भी तेजी से बढ़ रहा है और इन सभी मजबूत कारणों के चलते देश आजादी के 100 साल पूरे होने तक यानी 2047 तक विकसित राष्ट्र बन सकता है।नागाराजू के अनुसार, यह व्यापक आर्थिक सफलता की कहानी हमारी इन्फ्रास्ट्रक्चर महत्वाकांक्षाओं के लिए एक ठोस आधार तैयार करती है। यह दुनिया को बताती है

कि भारत का विकास न केवल मजबूत है, बल्कि सुधारों और विवेकपूर्ण नीतियों से भी प्रेरित है, जो हमें वैश्विक विकास का एक प्रमुख इंजन और महामारी के बाद की वैश्विक आर्थिक व्यवस्था को आकार देने में एक संभावित नेता बनाता है।

उद्योग अब पहल करे: सीतारमण का निवेश और साझेदारी का आह्वान

नई दिल्ली वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने उद्योग जगत से आह्वान किया है कि वह अब देश में निवेश बढ़ाने, उत्पादन क्षमता का विस्तार करने और युवाओं को कौशल प्रदान करने में सरकार का सक्रिय साझेदार बने। आईएफक्यूएम संगोष्ठी में बोलते हुए उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने उद्योग जगत की अपेक्षाओं को ध्यान में रखते हुए व्यापार सुगमता, कर सुधार, एफडीआई में वृद्धि और उद्योग-हितैषी नीतियां लागू की हैं। अब समय आ गया है कि उद्योग अपनी जिम्मेदारी निभाए। सीतारमण ने कहा कि उद्योग जगत को केवल बजट से पहले सुझाव देने तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि पूरे वर्ष सरकार के साथ संवाद बनाए रखना चाहिए। उन्होंने यह भी आग्रह किया कि उद्योग युवा शक्ति को कौशलयुक्त बनाने के लिए सरकार के साथ मिलकर काम करे, जिससे देश को दीर्घकालिक लाभ मिल सके। संगोष्ठी के दौरान टाटा संस के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन ने वित्त मंत्री से पूछा कि उद्योग को अब क्या करना चाहिए। जवाब में सीतारमण ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने हमेशा सुधारों को प्राथमिकता दी है और उद्योग की जरूरतों को महत्व दिया है। अब उद्योग जगत को हिचकिचाहट छोड़कर आगे बढ़ना चाहिए। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए चंद्रशेखरन ने कहा कि सरकार ने घरेलू और वैश्विक बाजारों में अपार अवसर उपलब्ध कराए हैं और अब ज़रूरत है कि ज्यादा कंपनियां आगे आकर बड़े पैमाने पर निवेश करें।

नेपाल का जेन-जी आंदोलन और दक्षिण एशिया का जनविद्रोह मॉडल

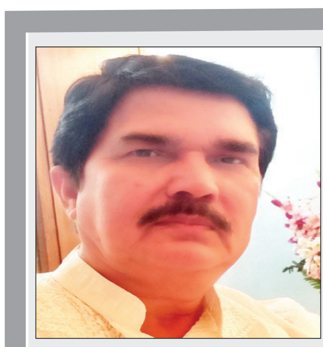

डॉ हिदायत अहमद खान

इन तीनों देशों के तख्तापलट आंदोलन पर विश्लेषणात्मक दृष्टि डालते हैं तो मालूम चलता है कि इनके जरिए राष्ट्रीय ही नहीं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर युवा शक्ति का उदय हुआ। इन तीनों ही आंदोलनों में युवाओं, खासकर छात्रों और जेन-जी पीढ़ी नेतृत्व करती नजर आई। इन आंदोलनों में सोशल मीडिया ने अहम भूमिका निभाई। आधुनिक सूचना तंत्र के तौर पर सोशल मीडिया भीड़ जुटाने में सबसे बड़ा हथियार साबित हुआ है।

नेपाल में भले ही ओली की अप्रत्याशित विदाई के साथ ही पूर्व जस्टिस सुशीला कार्की के नेतृत्व में अंतरिम सरकार ने सत्ता संभाल ली है, लेकिन यहां हालात सामान्य होने में अभी कुछ वक्त और लगेगा। वजह साफ है कि जिस जेन-जी की वजह से तख्तापलट हुआ उसे खुश कर पाना फिलहाल किसी के वश की बात नहीं है। ऐसा कहना इसलिए सही लगता है क्योंकि इससे पहले बांग्लादेश में युवाओं ने जिस तरह से शेख हसीना की सत्ता को उखाड़ फेंका था और उसके बाद प्रमुख सलाहकार यूनुस वाली अंतरिम सरकार ने सब कुछ अपने हिसाब से करने की कोशिश की, लेकिन उससे आंदोलनकारी छात्र खुश नहीं हो सके। अब गाहे-बगाहे बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के खिलाफ भी आवाजें उठती सुनाई और दिखाई दे जाती हैं। वैसे भी यह वह समय है जिसमें दक्षिण एशिया ही नहीं बल्कि दुनियां के अधिकांश देश राजनीतिक उथल-पुथल के दौर से गुजर रहे हैं। दुनियां की तमाम शक्तियां जंग के झमेले में उलझी नजर आ रही हैं।

यहां भारत के पड़ोसी देशों की ही बात कर लें तो श्रीलंका, बांग्लादेश और अब नेपाल में जनता के खासतौर पर युवाओं के असंतोष ने सरकारों को परिणाममूलक घेराव किया है। तीनों देशों में आंदोलन की शैली, युवाओं पर आधारित जनसहभागिता और सत्तात्मक प्रतिक्रिया को देखते हुए इसे एक जनविद्रोह मॉडल की संज्ञा दी जाने लगी है। इस मॉडल में सोशल मीडिया की भूमिका, युवा शक्ति की भागीदारी और आर्थिक-सामाजिक असंतोष की गहरी जड़ें साफ झलकती हैं। यहां विचार करने वाली बात यह भी है कि यह विद्रोह दो-चार दिन में पैदा नहीं हुआ, बल्कि लगातार सुनवाई नहीं होने और संकट के विकराल रुप लेने से उपजा था। युवाओं को उचित शिक्षा के साथ ही समय पर रोजगार न मिलना और सरकार द्वारा उनका लगातार तिरस्कार करना भी एक प्रमुख कारण रहा है। तिरस्कार इस बावत कि नेता और अधिकारियों के अधिकांश बच्चे तो विदेशों में पढ़ते और अपना बेहतर भविष्य बनाते नजर आए, लेकिन देश में रहने वाले युवाओं की ओर किसी का ध्यान ही नहीं गया। इससे कुंठित युवा वर्ग एकजुट होता चला गया और धीरे-धीरे उनका विरोध जनविद्रोह मॉडल तक पहुंच गया।

यहां सर्वप्रथम श्रीलंका के जनआंदोलन की बात कर लेते हैं, जो कि आर्थिक तबाही से सत्ता पलट तक चला। दरअसल श्रीलंका में हुआ साल 2022 का जनआंदोलन एक ऐतिहासिक मोड़ साबित हुआ था। तब राजपक्षे सरकार की आर्थिक नीतियां फेल होती हुई दिखीं थीं, जिस कारण देश में कर्ज.संकट सामने आया। इसके चलते विदेशी मुद्रा भंडार का खात्मा होता हुआ दिखाई दिया और लोगों पर सीमा से परे भार पड़ता दिखाई दिया। परेशान लोग सरकार के खिलाफ सड़कों पर आ गए। कहते हैं जब जनता किसी सत्ता के खिलाफ सड़क पर आ जाती है तो उसका सामना करने की ताकत किसी मानवीय शक्ति में तो नहीं ही होती है। यही वजह थी कि श्रीलंका के हालात इस कदर बिगड़े कि प्रदर्शनकारियों ने राष्ट्रपति भवन तक पर कब्जा जमा लिया। इस आंदोलन के बाद राष्ट्रपति राजपक्षे को देश छोड़कर विदेश भागना पड़ गया था। राष्ट्रपति के पलायन के साथ ही सत्ता परिवर्तन का दृष्य सामने आया। इस आंदोलन की खासियत की बात करें तो यह स्वस्फूर्त, नेतृत्वविहीन और सोशल मीडिया पर आधारित था, जो कि जंगल में लगी आग की तरह तेजी से फैला।

श्रीलंका के जनआंदोलन से थोड़ा हटकर बांग्लादेश का छात्र आंदोलन रहा है। दरअसल यह आंदोलन आरक्षण व्यवस्था से शुरू हुआ और देखते ही देखते सरकार के खिलाफ हिंसक बगावत में तब्दील हो गया। यहां बताते चलें कि साल 2024 में बांग्लादेश में शुरू हुआ छात्र आंदोलन सरकारी नौकरियों में आरक्षण (कोटा) के विरोध में खड़ा किया गया था। शेख हसीना सरकार को शुरू में लगा था कि छात्रों को समझा-बुझाकर या दबाव बनाकर रास्ते में ले आएंगे, लेकिन पुलिस ने जब कठोर कार्रवाई शुरू की तो यही आंदोलन जनविद्रोह का रूप धारण कर लिया। देखते ही देखते लाखों युवा सड़कों पर उतर आए और शेख हसीना सरकार को जड़ से उखाड़ दिया। प्रारंभ में यह आंदोलन विश्वविद्यालय परिसरों से शुरू हुआ जो पूरे देश में फैल गया। शांतिपूर्ण आंदोलन कब हिंसक रुप अख्तियार कर लिया समझ से परे रहा और इसमें सैकड़ों मौतें हुईं और इस कारण सरकार गिरती दिखी। तत्कालीन प्रधानमंत्री शेख हसीना को भारत में शरण लेना पड़ी। जेल में कैद राजनीतिज्ञों की रिहाई के साथ ही अंतरिम सरकर बनी जिसके प्रमुख सलाहकार यूनुस को बना दिया गया।

कुछ ऐसी ही तस्वीर हाल ही में नेपाल में भी बनती देखी गई, जबकि प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली की सरकार के खिलाफ जेन-जी (26 वर्ष से कम उम्र के युवा) सोशल मीडिया प्रतिबंध और भ्रष्टाचार के विरोध में सड़कों पर उतर आए। इन आंदोलनकारी युवाओं ने संसद को घेरने और सरकारी भवनों पर कब्जे करने से लेकर हागजनी की घटनाओं को भी खूब अंजाम दिया। आंदोलनकारी युवाओं और पुलिस के बीच हुई झड़पों में हुई मौतों ने आग में घी डालने का काम किया। गुस्साए आंदोलनकारियों ने न सिर्फ नेताओं के बंगलों और सरकारी संस्थाओं में आगजनी कि बल्कि सुप्रीम कोर्ट तक को आग के हवाले कर दिया। इस उग्र आंदोलन को देख कर किसी ने सोचा भी नहीं होगा कि सोशल मीडिया प्रतिबंध, भ्रष्टाचार और बेरोजगारी का मामला इतना खतरनाक मोड़ पर आ जाएगा कि तख्तापलट करके रख देगा। सोशल मीडिया प्रतिबंध के बावजूद युवा लामबंद हुए और संसद और राजधानी काठमांडू को घेरने में कोई कोताही नहीं की। परिणाम स्वरुप ओली पर इस्तीफे का दबाव बना और देश में राजनीतिक अस्थिरता सामने आ गई।

इन तीनों देशों के तख्तापलट आंदोलन पर विश्लेषणात्मक दृष्टि डालते हैं तो मालूम चलता है कि इनके जरिए राष्ट्रीय ही नहीं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर युवा शक्ति का उदय हुआ। इन तीनों ही आंदोलनों में युवाओं, खासकर छात्रों और जेन-जी पीढ़ी नेतृत्व करती नजर आई। इन आंदोलनों में सोशल मीडिया ने अहम भूमिका निभाई। आधुनिक सूचना तंत्र के तौर पर सोशल मीडिया भीड़ जुटाने में सबसे बड़ा हथियार साबित हुआ है। इन तीनों ही देशों में राजनीतिक असंतोष का विस्फोट किसी एक मुद्दे को लेकर शुरू हुआ और क्रमशः आर्थिक संकट, कोटा और सोशल मीडिया प्रतिबंध ने एक तरह से सूखी घांस में चिंगारी गिराने का काम किया। इस आग में घी डालने का काम भीतर ही भीतर लंबे समय से युवाओं के मन में दबा गुस्से ने किया। तत्कालीन सरकारें युवाओं को आंदोलन के रास्ते जाने से रोक भी सकती थीं, लेकिन उसके लिए संवाद बहुत जरुरी होता है। यहां बातचीत के रास्ते बहुत हद तक बंद कर दिए गए थे। सरकार और सुरक्षा-तंत्र से कठोर प्रतिक्रियाएं मिलती देख आंदोलन भड़का। पुलिस गोलीबारी, इंटरनेट प्रतिबंध, कर्फ्यू और गिरफ्तारियों जैसी कार्रवाइयों ने आंदोलनों को भड़काने में मदद की। इन कारणों ने सरकार की उपलब्धता और वैधता पर सवाल खड़े कर दिए। परिणाम तख्ता पलट के तौर पर सामने आए, जिससे अन्य राष्ट्रों को सबक लेने की आवश्यकता है। शासन-प्रशासन को चाहिए कि युवाओं के लिए जहां शिक्षा और रोजगार के बेहतर अवसर तलाशे वहीं देश के समस्त नागरिकों के लिए स्वास्थ्य सेवाओं के साथ ही साथ रोटी-कपड़ा और मकान का माकूल इंतजाम करे। इससे देश में अराजकता फैलने से बचेगी और जो युवा आक्रोश पनप रहा है उससे भी देश व सरकार को राहत मिलेगी।

संपादकीय

आपदाओं के सितम

मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार उत्तराखंड में बारिश से राहत मिलने के फिलहाल कोई आसार नहीं हैं। देहरादून और नैनीताल में भारी बारिश, गर्जन और आकाशीय बिजली गिरने की चेतावनी है। देहरादून के सहस्त्रधारा में बादल फटने के बाद भारी तबाही हुई है। नदियों में उफान से कई लोगों की मौत हो गई है और ढेरों लापता हैं। उत्तराखंड के कुछ इलाकों में ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। तेरह पुल प्रभावित बताए जा रहे हैं। ऋषिकेश में चन्द्रभागा नदी का जलस्तर सामान्य से ऊपर होने के चलते विशेष चेतावनी दी गई है। राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल जलधाराओं में फंसे लोगों को सुरक्षित निकालने में भारी मशक्कत कर रहा है। राज्य की सड़कें, पुल, बिजली की तारें, संचार व्यवस्था सब बुरी तरह प्रभावित होने से स्थानीय नागरिकों का जीना बेहाल है। जिन परिवारों के घर बह गए या ढह गए, उनकी रिहाइश और जीवन यापन की आवश्यकताओं को लेकर भारी दिक्कते हैं। स्वास्थ्य सेवाएं चरमरा चुकी हैं। राहत, बचाव व पुनर्वास के दावे जिस तरह सरकार करती है, जमीनी स्तर पर प्रभावित लोगों तक पहुंचना मुमकिन नहीं होता। जनता बेहाल है, जिस तक पहुंचने के साधन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हैं। मानसून ने इस वर्ष देश के विभिन्न हिस्सों में भारी तबाही मचाई है। हिमाचल में भारी बारिश और भूस्खलन के चलते चार सौ से अधिक मौतें हो चुकी हैं। हालांकि यह मानसून का अंतिम चरण है। मगर बादल फटने या भूस्खलन ने तबाही मचाई हुई है। बिहार के कुछ इलाके अभी भी जलमग्न हैं, और कुछ क्षेत्रों में भारी बरसात की चेतावनी है। प्रति वर्ष भारी संख्या में नागरिकों को स्वास्थ्य, बिजली, परिवहन, रिहाइश के अतिरिक्त रोजगार के संकट भी बुरी तरह जूझना पड़ता है। ये प्राकृतिक आपदाएं नहीं हैं, बल्कि मौसमी मार है, जिससे जूझने के प्रति सरकारों के पास कोई खाका नहीं है। मौसम विज्ञानियों के चेताने के बावजूद सरकारी महकमा आपदा आने तक प्रतिक्षारत रहता है। पीड़ितों को जो या जिस तरह की राहत मिलनी चाहिए वह नहीं मिल पाती। बरसाती पानी घटने या बाढ़ के बाद होने वाली जल-जनित बीमारियों, संक्रामक रोगों, मकानों, भवनों, पशुओं व रोजगार की व्यवस्था को लेकर दिन-रात एक करना मजबूरी हो जाती है। बाढ़ व बरसात के चलते अर्थव्यवस्था व उपज पर पड़ने वाली क्षति को रोक पाना लगभग असंभव है। मगर सरकारी तंत्र को मौसमी मार के पूर्व व उपरांत की समस्याओं से जूझने के तरीके सलीके से इख्तियार करने होंगे।

चिंतन-मनन

सम्मान करो संपूर्णता से

तुम किसी का सम्मान उसकी ईमानदारी, बुद्धिमत्ता, प्रेम और कार्य कुशलता जैसे सद्गुणों के लिए करते हो परंतु समय के साथ-साथ इन गुणों में परिवर्तन आता है। जिसके कारण तुम उनका सम्मान नहीं कर पाते। तुम केवल सद्गुणों का, महानता का सम्मान करते हो। मैं संपूर्णता से हर एक का सम्मान करता हूं। इसीलिए किसी भी व्यक्ति के लिए मेरा सम्मान कम नहीं होता। सम्मान पाने के लिए किसी को महान होने की आवश्यकता नहीं। जीवन का सम्मान महान बनाता है। दूसरों से सम्मान की अपेक्षा मत करो। यह कमजोर बनाता है। आत्मा का सम्मान करो। तब कोई तुम्हारे आत्म सम्मान को ले नहीं सकता। जब कोई तुम्हें सम्मान देता है, तो इसलिए नहीं कि तुममे कुछ विशेष गुण हैं। यह उनकी महानता और उदारता के कारण है। यदि तुम कहते हो, ईश्वर महान है, यह तुम्हें महान बनाता है। ईश्वर तो महान हैं ही- तुम्हारे कहने से ईश्वर को कोई फर्क नहीं पड़ता। जब तुम किसी को सम्मान देते हो, यह तुम्हारी विशालता दशार्ता है। यदि तुम सबका सम्मान करते हो तो उतना अधिक तुम्हारा मोल है। वह ज्ञानी है, जो सबका सम्मान करता है। सम्मान देना उन्नत चेतना का गुण है। आत्मा के प्रति सम्मान निष्ठा है और निष्ठा है उन्मुक्त होना। जिस प्रकार तुम मुझे सम्मान देते हो, उसी तरह सबको सम्मान दो। परंतु जो अपेक्षा तुम सबसे करते हो, वह सबसे मत करो। प्रायः तुम इसका उल्टा करते हो। तुम सबको वह आदर नहीं देते, जो मुझको देते हो पर आशा करते हो कि वे तुम्हें खुशी दें, तुमसे उत्तम व्यवहार करें। जब उनका व्यवहार तुम्हारी अपेक्षानुसार नहीं होता, तब तुम निराश होते हो और उनको दोषी ठहराते हो, उनकी निन्दा करते हो। निन्दा करने से, अभिशाप देने से, तुम्हारी आध्यात्मिक शक्ति क्षीण होती है। आशीर्वाद तुम्हारी आध्यात्मिक शक्ति बढ़ाता है। सहनशीलता, धैर्य और विवेक से कुशलतापूर्वक आगे बढ़ो। यदि तुम्हारे आसपास मूर्ख हैं, तो समझो, वे तुम्हें और बुद्धिमान बनाएंगे। तुम कितने केंद्रित हो, यह तुम्हारे आसपास रहने वाले मूर्खों की संख्या से मालूम पड़ता है। मूर्खों को हटाने का प्रयास मत करो। यदि तुम केंद्रित नहीं हो, तो तुममे उनको बर्दाश्त करने का धैर्य नहीं होगा। जब तुम पूर्ण रूप से आत्मस्थित हो, तब पाते हो कि मूर्ख से भी ज्ञान मिल सकता है। वे तुम्हारे ही प्रतिबिम्ब हैं। मूर्ख तुम्हें हताश भी कर सकते हैं, या ज्ञान भी दे सकते हैं, चुनाव तुम्हारा है।

'नशा समाज को खोखला कर देता है और राष्ट्र निर्माण में सबसे बड़ी बाधा है'

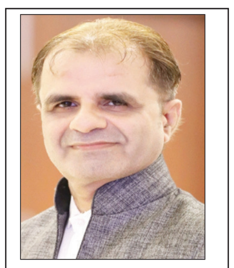

किशन सनमुखदास भावनानी

भारत एक ऐसे युग से गुजर रहा है जहां विकास आधुनिकता और वैश्वीकरण की चुनौतियाँ समानांतर रूप से सामने खड़ी हैं। इनमें सबसे खतरनाक और जटिल समस्या मादक पदार्थों (ड्रग्स) की है। यह समस्या केवल भारत ही नहीं बल्कि पूरी दुनियाँ के लिए एक गंभीरसंकट है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूंकि,ड्रग्स का अवैध कारोबार और उसका सेवन समाज की जड़ों को खोखला करता है, युवाओं की ऊर्जा को नष्ट करता है और राष्ट्रीय सुरक्षा पर भी गहरा असर डालता है। इसी पृष्ठभूमि में भारत ने 'नशा मुक्त भारत@2047' का लक्ष्य तय किया है, जो आजादी के 100 वर्ष पूरे होने तक एक ऐसे भारत की परिकल्पना करता है जहाँ मादक पदार्थों का अवैध कारोबार और सेवन पूरी तरह समाप्त हो सके। इस लक्ष्य को प्राप्त करने में एंटी नार्कोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटी एफ), एनसीओआरडी (नेशनल कोऑर्डिनेशन सेंटर ड्रग्स नकॉर्ड मैकेनिज्म)और नार्कोटिक्स कंट्रोलब्यूरो (एनसीबी) की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है।ड्रग्स की समस्या केवल सामाजिक या स्वास्थ्य संबंधी नहीं है, बल्कि यह राष्ट्रीय सुरक्षा से भी गहराई से जुड़ी है। ड्रग्स का पैसा आतंकी संगठनों और संगठित अपराध के लिए फंडिंग का प्रमुख स्त्रोत है। भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश के लिए यह खतरा और भी गंभीर है क्योंकि इसके पड़ोसी देशों में ड्रग्स उत्पादन और तस्करी का नेटवर्क सक्रिय है। 'गोल्डन ट्राएंगल' और 'गोल्डन क्रिसेंट' क्षेत्र से भारत में ड्रग्स की तस्करी लंबे समय से होती रही है इसीलिए भारत की एंटी नार्कोटिक्स नीति में राष्ट्रीय सुरक्षा को प्राथमिकता दी गई है।आज हम इस विषय पर चर्चा इसलिए कर रहे हैं,क्योंकि आगामी 16-17 सितंबर 2025 को नई दिल्ली में एकऐतिहासिक सम्मेलन आयोजित होने जा रहा है। इसमें भारत के सभी 36 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के एंटी नार्कोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ) प्रमुख,अन्य सरकारी विभागों के हितधारक तथा राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञ शामिल होंगे। यह सम्मेलन इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि यह नशा मुक्त भारत @ 2047 के विजन को ठोस आधार प्रदान करेगा और आने वाले वर्षों के लिए एक व्यापक रोडमैप तैयार करेगा।भारत सरकार के गृह मंत्रालय के अधीन स्थापित एंटी नार्कोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटी एफ)को राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में मादक पदार्थों के खिलाफ एक संयुक्त तंत्र के रूप में गठित किया गया है।यह तंत्र आपूर्ति कम करने, मांग को नियंत्रित करने और नुकसान कम करने की नीति पर एक साथ काम करता है। एएनटीएफ का उद्देश्य केवल कानून प्रवर्तन तक सीमित नहीं है बल्कि समाज में जागरूकता, शिक्षा और पुनर्वास को भी समान प्राथमिकता देना है। भारत के पीएम ने कई मौकों पर कहा है कि 'नशा समाज को खोखला कर देता है और राष्ट्र निर्माण में सबसे बड़ी बाधा है।' इसी सोच को मूर्त रूप देने के लिए केंद्रीय गृहमंत्री की अगुवाई में लगातार कदम उठाए जा रहे हैं। साथियों बात अगर हम सम्मेलन का विषयः संयुक्त संकल्प, साझा जिम्मेदारी की करें तो इस द्वितीय राष्ट्रीय सम्मेलन का विषय 'संयुक्त संकल्प, साझा जिम्मेदारी' रखा गया है। यह विषय अपने आप में मादक पदार्थों की समस्या के समाधान का मूल मंत्र है। ड्रग्स की समस्या केवल एक विभाग या एजेंसी की जिम्मेदारी नहीं है बल्कि पूरे समाज, सरकार और नागरिकों का सामूहिक दायित्व है। आपूर्ति श्रृंखला को तोड़ने के लिए पुलिस,सीमा सुरक्षा बल, तटरक्षक बल और कस्टम विभाग को मिलकर काम करना होगा। मांग कम करने के लिए शिक्षा विभाग, स्वास्थ्य विभाग और सामाजिक संगठन अहम भूमिका निभाएँगे। नुकसान कम करने के लिए पुनर्वास केंद्र, मनोवैज्ञानिक और चिकित्सक सक्रिय योगदान देंगे। इस प्रकार यह समस्या एक बहुआयामी दृष्टिकोण की मांग करती है जिसे केवल साझा जिम्मेदारी के सिद्धांत से ही सफल बनाया जा सकता है।

साथियों बात अगर हम,2 दिनों तक चलने वाले इस सम्मेलन में तकनीकी सत्रःआठ विशेष विमर्श की करें तो भविष्य का रोडमैप और नीति निर्धारण- 2047 तक नशा मुक्त भारत का विजन पूरा करने के लिए दीर्घकालिक रणनीति पर मंथन होगा।ये आठ सत्र न केवल समस्या की गहराई को समझने का अवसर देंगे बल्कि समाधान की दिशा में ठोस कदम भी सुझाएँगे। (1)सम्मेलन के दौरान आठ तकनीकी सत्र (टेक्निकल सेशयंस)आयोजित किए जाएंगे। इनका उद्देश्य विभिन्न पहलुओं पर गहन चर्चा और रणनीति बनाना है।(2)ड्रग्स आपूर्ति श्रृंखला की रोकथाम-इसमें अंतरराष्ट्रीय ड्रग नेटवर्क, सीमा पार तस्करी, डार्कनेट और क्रिप्टोकरेंसी के माध्यम से होने वाले कारोबार को रोकने की रणनीतियों पर चर्चा होगी। (3)ड्रग्स की मांग कम करने की रणनीति -शिक्षा, जागरूकता, युवाओं को खेल और रचनात्मक गतिविधियों से जोड़ने पर विचार किया जाएगा (4)नुकसान कम करने के उपाय-नशा करने वालों के पुनर्वास, स्वास्थ्य सेवाओं और मानसिक उपचार की दिशा में कदमों पर चर्चा होगी। (5) राष्ट्रीय सुरक्षा और ड्रग्स का संबंध-ड्रग्स से होने वाली आतंकी फंडिंग, संगठित अपराध और मनी लॉन्ड्रिंग के मुद्दों को संबोधित किया जाएगा। (6)कानून प्रवर्तन को सशक्त बनाना- पुलिस, एनसीबी और अन्य एजेंसियों के बीच समन्वय और आधुनिक तकनीक के उपयोग पर विमर्श होगा। (7) ड्रग्स और साइबर अपराध-डार्क वेब, सोशल मीडिया और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म का दुरुपयोग रोकने के लिए साइबर सुरक्षा उपायों पर चर्चा होगी। (8) अंतरराष्ट्रीय सहयोग- पड़ोसी देशों और अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों के साथ सहयोग, सूचना साझा करने और संयुक्त अभियानों पर विचार होगा।इस अवसर पर केंद्रीय गृह मंत्री नार्कोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो की वार्षिक रिपोर्ट-2024 जारी करेंगे। इस रिपोर्ट में बीते वर्ष में ड्रग्स की जब्ती, गिरफ़्तारियाँ, अवैध नेटवर्क का खुलासा और निवारक कदमों का विस्तृत विवरण होगा। साथ ही, श्री शाह ऑनलाइन ड्रग विनष्टीकरण अभियान (ड्रग डिस्पोजल कैंपेन) की शुरूआत करेंगे। यह अभियान एक अनोखी पहल होगी जिसमें जब्त किए गए मादक पदार्थों का निपटान पारदर्शी और तकनीकी रूप से सुरक्षित तरीके से किया जाएगा।

साथियों बात अगर हम,आपूर्ति, मांग और नुकसान कम करने की रणनीति तथा होल ऑफ द गवर्नमेंट अप्रोच की करें तोमादक पदार्थों की समस्या को तीन स्तरों पर समझा जाता है-(1)आपूर्ति कम करना-यानी ड्रग्स की तस्करी, उत्पादन और वितरण पर नियंत्रण।(2)मांग कम करना-यानी समाज में नशे की लत को रोकना और जागरूकता फैलाना(3) नुकसान कम करना-यानी नशे के शिकार लोगों का इलाज और पुनर्वास।

भारत ने इन तीनों स्तरों पर रणनीतियाँ अपनाई हैं। सीमा पार निगरानी बढ़ाना, ड्रोन और आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल, कस्टम और पुलिस को मजबूत करना आपूर्ति रोकने की दिशा में अहम कदम हैं। मांग कम करने के लिए युवाओं में खेलकूद, योग, सांस्कृतिक गतिविधियों को बढ़ावा दिया जा रहा है। वहीं नुकसान कम करने के लिए पुनर्वास केंद्रों की संख्या बढ़ाई जा रही है और मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं को सुलभ बनाया जा रहा है। होल ऑफ द गवर्नमेंट अप्रोच-इस समस्या से निपटने के लिए केवल गृह मंत्रालय या एनसीबी पर निर्भर रहना पर्याप्त नहीं होगा। इसके लिए एक होल ऑफ द गवर्नमेंट एप्रोच की आवश्यकता है। यानी केंद्र और राज्य सरकारों के सभी विभाग-शिक्षा, स्वास्थ्य, खेल, सामाजिक न्याय, सूचना प्रौद्योगिकी, वित्त और विदेश मंत्रालय-सभी को मिलकर काम करना होगा।

वैश्विकी : दक्षिण एशिया में हालात जटिल

नृपेन्द्र अभिषेक नृप

दक्षिण एशिया आज जिस दौर से गुजर रहा है, वह केवल आंतरिक अस्थिरता की कथा नहीं है, बल्कि वैंकि राजनीति की गहरी छायाओं से आच्छादित परिदृश्य भी है।

यह भू-भाग, जो कभी प्राचीन सभ्यताओं, सांस्कृतिक बहुलता और समृद्ध परंपराओं का उद्गम स्थल रहा, आज अंतरराष्ट्रीय शक्तियों के हितों की प्रयोगशाला और प्रतिस्पर्धा का अखाड़ा बन गया है। श्रीलंका से लेकर बांग्लादेश, नेपाल और म्यांमार तक, और पाकिस्तान से लेकर अफगानिस्तान तक, लगभग सभी देशों में उथल-पुथल, आंदोलनों और सत्ता संघर्ष का आलम है। इन घटनाओं ने क्षेत्र की स्थिरता को संकट में डाल दिया है।

श्रीलंका इसका सबसे ताजा उदाहरण है। 2022 में जब इस द्वीप राष्ट्र में आर्थिक संकट ने भयावह रूप लिया तब जनता ने राजपक्षे परिवार की सत्ता को उखाड़ फेंका। विदेशी कर्ज का बोझ, भ्रष्टाचार और राजनीतिक कुप्रबंधन ने आम लोगों को सड़कों पर उतरने को मजबूर कर दिया। यह आंदोलन सरकार-विरोधी आक्रोश भर नहीं था, बल्कि संकेत था कि जनता की आकांक्षाओं की उपेक्षा की जाएगी तो सत्ताधारी वर्ग के लिए कुर्सी बचाना असंभव होगा। कुछ ही समय बाद बांग्लादेश में भी आक्रोश की लपटें उठीं। शेख हसीना की सरकार, जिसने विकास और आर्थिक प्रगति के नाम पर स्थायित्व कायम किया था, अचानक विपक्ष और जनता के निशाने पर आ गई। बेरोजगारी, बढ़ती महंगाई और लोकतांत्रिक संस्थाओं पर प्रश्न चिह्न ने आंदोलन को जन्म दिया। नेपाल की स्थिति और भी जटिल है। नेपाल का भूगोल, रणनीतिक स्थिति और भारत-चीन के बीच उसकी अहमियत ने इसे बाहरी हस्तक्षेप का सहज शिकार बना दिया है। वहां की राजनीति में लगातार बदलते गठबंधन, नेतृत्व की अस्थिरता और जनता की आकांक्षाओं की उपेक्षा ने असंतोष को हवा दी है।

राजतंत्र समर्थक और कट्टरपंथी ताकतें असंतोष को भुनाने में जुटी हैं, जिससे नेपाल की सामाजिक संरचना में नई दरारें पड़ रही हैं। इसी तरह म्यांमार, जहां सेना ने लोकतांत्रिक सरकार को सत्ता से बेदखल कर दिया, वर्षों से गृह युद्ध और विद्रोह की चपेट में है। लाखों लोग विस्थापित हुए हैं। यहां विदेशी शक्तियों की भूमिका और भी स्पष्ट दिखती है। अमेरिका और पश्चिमी देशों का दबाव, चीन की गहरी आर्थिक पैठ और क्षेत्रीय शक्ति-संतुलन की लड़ाई ने म्यांमार को अस्थिरता की ओर धकेल दिया है। पाकिस्तान की स्थिति भी किसी से छिपी नहीं है। यहां एक ओर सेना और न्यायपालिका की भूमिका पर सवाल उठ रहे हैं, वहीं लोकतांत्रिक ढांचा कमजोर होता जा रहा है। विदेशी कर्ज पर निर्भरता, मुद्रास्फीति और बढ़ते आतंकी हमलों ने जनजीवन को असुरक्षित बना दिया है।

दक्षिण और दक्षिण-पूर्व एशिया दो महाशक्तियों-अमेरिका और चीन-की प्रतिस्पर्धा का केंद्र बन चुका है। एक ओर चीन 'बेल्ट एंड रोड' जैसी महत्त्वाकांक्षी योजनाओं के माध्यम से पूरे क्षेत्र को अपनी आर्थिक-रणनीतिक पकड़ में लेना चाहता है, वहीं अमेरिका और उसके सहयोगी भारत, जापान व ऑस्ट्रेलिया के साथ 'क्वाड' जैसी साझेदारियों के जरिए इस प्रभाव को संतुलित करने की कोशिश कर रहे हैं। नतीजा यह है कि दक्षिण एशियाई देशों की आंतरिक राजनीति अब उनकी अपनी नहीं रह गई है। हर आंदोलन, हर सत्ता परिवर्तन और हर अस्थिरता के पीछे विदेशी छायाएं मंडराती दिखती हैं। यह क्षेत्र केवल भौगोलिक दृष्टि से ही नहीं, बल्कि रणनीतिक रूप से भी अत्यंत महत्त्वपूर्ण है। हिन्द महासागर, मलक्का जलडमरूमध्य और हिमालयी गलियारों पर पकड़ बनाने की जद्दोजेहद ने बाहरी शक्तियों को यहां सक्रिय कर दिया है।

भारत, जो स्वयं इस क्षेत्र का सबसे बड़ा लोकतंत्र और उभरती शक्ति है, के लिए यह स्थिति दोहरी चुनौती लेकर आती है। एक ओर उसे अपने पड़ोस की अस्थिरता का सामना करना है, तो दूसरी ओर बाहरी शक्तियों के बढ़ते प्रभाव को भी संतुलित करना है। दक्षिण एशियाई देशों की समस्याओं का सबसे बड़ा कारण यह है कि शासक वर्ग ने जनता की अपेक्षाओं और आकांक्षाओं को प्राथमिकता नहीं दी। लोकतंत्र चुनावों तक सीमित रह गया, जबकि शासन में

पारदर्शिता, जवाबदेही और सुशासन का अभाव रहा। आर्थिक विकास का लाभ कुछ वगरे तक सीमित रहा, जिससे सामाजिक विषमता बढ़ी। यही असंतोष जब फूटता है, तो आंदोलन का रूप ले लेता है और जब यह आंदोलन विदेशी हितों से टकराता है, तो बाहरी शक्तियां अपने-अपने हित साधने के लिए उसे हवा देने से नहीं चूकतीं।

दक्षिण एशियाई दरारें केवल क्षेत्रीय संकट नहीं हैं, बल्कि वैंकि व्यवस्था के लिए भी गंभीर चुनौती हैं। यदि यह क्षेत्र अस्थिर रहता है, तो न केवल एशिया, बल्कि पूरी दुनिया में शांति और विकास प्रभावित होंगे। इसलिए आवश्यक है कि विदेशी शक्तियां यहां अपने-अपने हित साधने की बजाय क्षेत्रीय स्थिरता और जनता के कल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता दें।

(लेख में विचार निजी हैं)

गुजरात में मकान तोड़ने गए बुलडोजर को लोगों ने गुस्से में पलट दिया

अहमदाबाद (एजेंसी)। गुजरात के गांधीनगर में भारी सुरक्षा व्यवस्था के बीच सरकारी जमीन पर बने 700 से अधिक मकान और अन्य ढांचों को तोड़ा गया है। इसी बीच पेटापुर में बुलडोजर ऐक्शन के विरोध में बड़ी संख्या में लोग एकत्रित हो गए। भारी सुरक्षा के बावजूद लोग जोरदार विरोध प्रदर्शन करने लगे। माहौल तनावपूर्ण हो गया। इस बीच अफरा-तफरी में एक बुलडोजर भी पलट गया। गनीमत है कि इसकी जद में कोई नहीं आया। पुलिसकर्मियों ने किसी तरह लोगों को काबू किया। गुजरात के गांधीनगर में एक बार फिर बड़ा बुलडोजर ऐक्शन लिया गया है। गांधीनगर जिला प्रशासन के मुताबिक साबरमती नदी के किनारे जीईबी, पेथापुर, चारेदी इलाकों में सरकारी जमीनों पर अतिमक्रमण किया गया था। कई बार इन्हें जगह खाली करने की चेतावनी दी गई थी। गुरुवार सुबह भारी सुरक्षा इंतजाम के बीच तोड़फोड़ दस्तों ने बुलडोजर अभियान की शुरुआत की। एक साथ दर्जनों बुलडोजर मकानों को तोड़ते नजर आए।

सुप्रीम कोर्ट का आदेश... सीबीआई वकील के शैक्षिक प्रमाणपत्रों की प्रामाणिकता की जांच करेगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार के मगध यूनिवर्सिटी द्वारा एक वकील के शैक्षिक प्रमाणपत्रों के जाली होने का दावा करने के बाद, सुप्रीम कोर्ट ने केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को उसकी डिग्री की प्रामाणिकता की जांच करने का आदेश दिया है। यह निर्णय तब लिया गया, जब बिहार की मगध यूनिवर्सिटी ने वकील के शैक्षिक प्रमाणपत्रों को जाली घोषित किया। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस मनोज मिश्रा और जस्टिस उज्ज्वल भुईयां की पीठ बार काउंसिल ऑफ इंडिया की एक अनुशासनात्मक समिति के फैसले के खिलाफ दायर एक अपील पर सुनवाई कर रही थी। मगध यूनिवर्सिटी ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि वकील की मार्कशीट और बीकॉम की डिग्री जाली है और मगध यूनिवर्सिटी ने जारी नहीं किया था। वहीं वकील ने मगध यूनिवर्सिटी से 1991 में बीकॉम की डिग्री प्राप्त करने का दावा कर उसकी फोटोकॉपी प्रस्तुत की। वकील ने कहा कि यूनिवर्सिटी के रिकॉर्ड नष्ट हो गए हैं, जिससे डिग्री की प्रामाणिकता की पुष्टि करना संभव नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने मामले की गंभीरता को देखकर सीबीआई को जांच करने का निर्देश दिया। सीबीआई को पता लगाना है कि वकील द्वारा प्रस्तुत की गई बीकॉम की डिग्री असली है या नकली। सुप्रीम कोर्ट ने सीबीआई को अधिकारी नियुक्त करने और 3 नवंबर तक अपनी रिपोर्ट पेश करने का आदेश दिया है।

खराब मौसम के कारण राहुल गांधी का गुजरात दौरा टला, अब शुक्रवार को जूनागढ़ आएंगे

अहमदाबाद (एजेंसी)। लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी का आज का जूनागढ़ दौरा दिल्ली में खराब मौसम के कारण स्थगित कर दिया गया है। दिल्ली हवाई अड्डे से उनका विमान उड़ान नहीं भर सका, जिसके चलते यह यात्रा कल तक के लिए टाल दी गई है। गुजरात प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अमित चावड़ा ने मीडिया से बातचीत में बताया कि राहुल गांधी कल सुबह करीब 11 बजे जूनागढ़ पहुंचेंगे और प्रशिक्षण वर्ग की पूर्णाहुति बैठक में शामिल होंगे। इस बैठक में वे जिला अध्यक्षों को आगामी आम चुनाव और पार्टी संगठन को मजबूत करने के मुद्दों पर मार्गदर्शन देंगे। अमित चावड़ा ने मीडिया से बातचीत में भाजपा और चुनाव आयोग पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने वोट चोरी के मुद्दे पर विशेष अभियान शुरू किया है। आज सुबह दिल्ली में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में राहुल गांधी ने भाजपा और चुनाव आयोग की कथित वोट चोरी में संलिप्तता का खुलासा किया। यह अभियान अब गुजरात में भी शुरू हो चुका है। इसका उद्देश्य राज्य के प्रत्येक मतदाता को वोट चोरी के मुद्दे पर जागरूक करना और भाजपा द्वारा की गई कथित वोट चोरी की हकीकत लोगों तक पहुंचाना है। अमित चावड़ा ने दावा किया कि नवसारी लोकसभा क्षेत्र की चोर्यासी विधानसभा सीट में भाजपा नेता सी.आर. पाटिल ने 20,000 से 25,000 फर्जी मतदाताओं को खड़ा कर चुनाव लड़ा था। उन्होंने कहा कि इतनी बड़ी संख्या में हुई वोट चोरी का असर पूरे नवसारी लोकसभा क्षेत्र में कितना हुआ होगा, इसकी कांग्रेस जांच कर रही है। आने वाले दिनों में अन्य विधानसभा और लोकसभा क्षेत्रों में भी वोट चोरी के सबूत इकट्ठे किए जा रहे हैं, जिसमें कांग्रेस को उल्लेखनीय सफलता मिल रही है।

नशामुक्त भारत के लिए गुजरात के 10 शहरों में देश के स्थानों पर नमो युवा रन का आयोजन

अहमदाबाद(एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस को लेकर भाजपा द्वारा सेवा पखवाड़े का आयोजन किया जा रहा है। नशामुक्त भारत के लिए इस नमो युवा रन का आयोजन किया जा रहा है। गुजरात के 10 समेत देश के 100 बड़े शहरों में नमो युवा रन का आयोजन किया गया है7 21 सितंबर को अहमदाबाद के वस्त्रापुर में सुबह 6 बजे नमो युवा रन का आयोजन किया गया है। 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस को लेकर सेवा पखवाड़े की शुरुआत की गई है। इस सेवा पखवाड़े में रक्तदान शिविर, स्वच्छता अभियान, एक पेड़ मां के नाम अभियान, स्वास्थ्य शिविर सहित कई कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। कल नरेंद्र मोदी स्टेडियम में दुनिया के सबसे बड़े रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया था। राज्य स्तरीय मंत्री जगदीश विश्वकर्मा ने बताया कि 21 सितंबर को देशभर में 100 से अधिक स्थानों पर नमो युवा रन का आयोजन किया जा रहा है। युवाओं को नशामुक्त बनाने और नशामुक्त भारत के संकल्प को साकार करने के लिए इस रन का आयोजन किया गया है। गुजरात में भी अहमदाबाद, सूरत, वडोदरा, राजकोट, भावनगर समेत 10 बड़े नगरों में 21 सितंबर को नमो युवा रन का आयोजन होगा। अहमदाबाद में यह मैराथन सुबह 6 बजे वस्त्रापुर तालाब से शुरू होगी, जिसे मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। इस मैराथन में 10,000 से अधिक युवा शामिल होंगे।

महिलाओं और बच्चों के स्वास्थ्य की देखभाल बेहद जरूरी: नड्डा

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा ने कहा कि ÷स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान÷ का उद्देश्य महिलाओं और बच्चों के स्वास्थ्य की सुरक्षा, जागरूकता और बेहतर देखभाल सुनिश्चित करना है। अभियान की अवधि 17 सितंबर से 2 अक्टूबर 2025 तक रखी गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 75वें जन्मदिवस के अवसर पर बुधवार को ÷स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान÷का शुभारंभ हुआ। रोहतक स्थित महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय परिसर में केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जे पी नड्डा ने प्रदर्शनी का रिबन काटकर शुभारंभ किया।

नारी का स्वास्थ्य - परिवार की शक्ति रही आकर्षण का केंद्र बिंदु प्रदर्शनी में ÷स्वस्थ माँ, सुरक्षित शिशु - मजबूत समाज की नींव÷ जैसे प्रेरक संदेशों के साथ स्वास्थ्य सेवाओं और योजनाओं की झलक दिखाई गई। अवलोकन के बीच मुख्य अतिथि जे पी नड्डा और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने टीबी मुक्त भारत अभियान की जानकारी ली। निक्षय पोषण योजना पर आधारित पैनलों के माध्यम से लोगों को यह जानकारी दी गई कि टीबी रोगियों को उपचार के दौरान प्रतिमाह 1000 रुपए पोषण सहायता सीधे बैंक खाते में दी जाती है। इसके लिए टीबी आरोग्य साथी ऐप और उमंग ऐप के जरिए सत्यापन और ट्रैकिंग की सुविधा भी समझाई गई। स्टॉलों पर कैंसर स्क्रीनिंग, एनीमिया नियंत्रण, थैलेसीमिया जांच, उच्च रक्तचाप, मधुमेह और क्षय रोग से संबंधित जानकारी विस्तार से दी गई। साथ ही आप से रोशन है पूरे परिवार की खुशी- टीबी उपचार लें और अपनों का साथ निभाएं जैसे संदेशों ने लोगों को आकर्षित किया। प्रदर्शनी के दौरान पोषण अभियान को लेकर पोस्टर लगाए गए, जिनमें बच्चों, किशोरियों और गर्भवती महिलाओं के लिए संतुलित आहार, स्तनपान के महत्व और एनीमिया नियंत्रण जैसे बिंदुओं को शामिल किया गया। प्रदर्शनी में विभिन्न विभागों और योजनाओं से जुड़े जानकारीपूर्ण पोस्टर, बैनर और स्टॉल लगाए गए, जिनमें महिलाओं और बच्चों के स्वास्थ्य, पोषण और जागरूकता से संबंधित विस्तृत जानकारी दी गई। अभियान के अंतर्गत स्वास्थ्य सेवाओं के साथ-साथ सामाजिक भागीदारी पर भी जोर दिया गया। 17 सितंबर को विशाल स्वास्थ्य जांच एवं रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें युवाओं और स्वयंसेवी संस्थाओं ने उत्साहपूर्वक रक्तदान किया। अभियान के तहत 17 से 2 अक्टूबर तक विशेष टीकाकरण शिविर आयोजित किए जाएंगे। इन शिविरों में 0 से 16 वर्ष तक के बच्चों और गर्भवती महिलाओं को शामिल किया जाएगा। सभी का टीकाकरण सुनिश्चित करने के लिए रूटीन इम्यूनाइजेशन पर भी जोर दिया जाएगा।

सीएम धामी ने राज्य आपदा परिचालन केंद्र में भारी बारिश से प्रभावित क्षेत्रों की समीक्षा की

देहरादून (एजेंसी)। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने आईटी पार्क स्थित राज्य आपदा परिचालन केंद्र में प्रदेशभर में भारी बारिश से प्रभावित क्षेत्रों की समीक्षा की। उन्होंने चमोली जिले के नंदानगर क्षेत्र में बादल फटने से प्रभावित गांवों में बचाव और राहत कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। चमोली के नंदानगर में बादल फटने से दो गांव, धुर्मा और कुंतरी, बुरी तरह प्रभावित हुए हैं। घटना में 14 लोग लापता हैं और करीब 35 मकान क्षतिग्रस्त हो गए हैं। मुख्यमंत्री ने गंभीर रूप से घायल लोगों को बेहतर इलाज के लिए एम्स ऋषिकेश एयरलिफ्ट करने का निर्देश दिया है।

मुख्यमंत्री धामी ने अधिकारियों को प्रभावित इलाकों में सड़क, पानी, बिजली और नेटवर्क कनेक्टिविटी बहाल करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने प्रभावित लोगों के लिए आश्रय, भोजन, और स्वच्छ पेयजल की उचित व्यवस्था सुनिश्चित करने को भी कहा है। इसके अलावा, प्रभावित गांवों में पर्याप्त डॉक्टर और दवाओं की उपलब्धता बनाए रखने के निर्देश भी दिए गए हैं ताकि आपात स्थिति में तुरंत मदद मिल सके। मुख्यमंत्री ने प्रत्येक प्रभावित परिवार तक जल्द से जल्द राहत सामग्री पहुंचाने का आदेश दिया है। इसके साथ ही, देहरादून के आपदा प्रभावित गांवों जैसे फुलेत, सरखेत छमरौली, सिल्ला और क्यारा में हेलीकॉप्टर के जरिए 150 किट राशन पहुंचाया गया है। जिलाधिकारी सविन बंसल लगातार इन क्षेत्रों का दौरा कर राहत और बचाव कार्यों की निगरानी कर रहे हैं।

चिराग ने कहा- कांग्रेस तेजस्वी को मुख्यमंत्री घोषित नहीं कर पाई, उन्हे तकलीफ तो होगी

पटना (एजेंसी)। बिहार विधानसभा चुनाव के लिए तमाम नेताओं ने अभी से पसीना बहाना शुरु कर दिया है। जुबानी जंग, आरोप प्रत्यारोप और चुनावी रणनीति के बीच केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने तेजस्वी यादव की यात्रा पर निशाना साधा है। चिराग ने कहा कि कांग्रेस से इनको (तेजस्वी यादव) को सम्मान नहीं मिला। ये तो राहुल गांधी को प्रधानमंत्री बनाने चले गए थे। इसके बाद भी वो इन्हें मुख्यमंत्री का उम्मीदवार घोषित कर नहीं गए। ऐसे में स्वाभाविक है कि इस बात की तकलीफ इनके मन में होगी।

केंद्रीय मंत्री ने कांग्रेस के सोशल मीडिया हैंडल पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मां को लेकर बनाए गए एआई वीडियो पर पटना हाईकोर्ट के फैसले का भी स्वागत किया। पटना उच्च न्यायालय ने अपने आदेश में कहा है कांग्रेस ऐसे वीडियो को तुरंत हटाए। चिराग पासवान ने वीडियो को लेकर कांग्रेस की आलोचना करते हुए कहा कि इस तरह के वीडियो को उचित नहीं ठहराया जा सकता है जिसमें किसी की स्वर्गीय मां शामिल किया जाए। आखिर किस मंशा से वो किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना चाहते हैं। यह युवाओं को नौकरी देने की बात कर रहे हैं। इनसे पूछिए ना कि किनके कार्यकाल में युवा बिहार को छोड़ कर जाने के लिए मजबूर हुए। देश के इतिहास में अगर सबसे ज्यादा पलायन किसी राज्य या किसी कालखंड में हुआ तो वो इन्हीं के कालखंड में हुआ। 90 के दशक में बिहार के युवाओं को बिहार छोड़ कर जाने के लिए मजबूर किया गया। आज अगर ये युवाओं की बात कर रहे हैं तो इन्हें पहले उस वक्त का जवाब देने की जरुरत है। बता दें कि तेजस्वी यादव अभी बिहार अधिकार यात्रा पर हैं। इस यात्रा के तहत तेजस्वी यादव उन विधानसभाओं में जा रहे हैं जो विधानसभा वोटर अधिकार यात्रा में कवर नहीं हो सके थे। 16 सितंबर को जहानाबाद से इस रैली की शुरुआत हुई थी। 20 सितंबर को वैशाली में यात्रा का समापन होगा।

पाक-सऊदी के समझौते पर भारत ने कहा- हम अपने हितों की रक्षा के लिए तैयार

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान और सऊदी अरब ने एक रक्षा समझौते पर हस्ताक्षर किए जिसके तहत दोनों में से किसी एक देश पर आक्रमण को दोनों देशों पर हमला माना जाएगा। अब इस समझौते पर भारत ने साफ शब्दों में कहा है कि वह अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए तैयार है और इस समझौते से पड़ने वाले प्रभाव को लेकर अध्ययन किया जाएगा।

विदेश मंत्रालय के आधिकारिक प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने एक मीडिया प्रश्न के जवाब में कहा कि भारत सरकार ने इस समझौते से संबंधित खबरों को देखा है और इसे गंभीरता से ले रही है। जायसवाल ने बताया कि सरकार को इस बात की जानकारी थी कि दोनों देशों के बीच इस तरह का समझौता विचाराधीन था, जो अब औपचारिक रूप ले चुका है। उन्होंने कहा, हम इस घटनाक्रम से भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा के साथ-साथ क्षेत्रीय और वैश्विक स्थिरता पर पड़ने वाले प्रभावों का अध्ययन करेंगे। प्रवक्ता ने जोर देकर कहा कि भारत सरकार अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा और सभी क्षेत्रों में व्यापक राष्ट्रीय सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि इस समझौते के संभावित परिणामों का गहन विश्लेषण किया जाएगा ताकि भारत की सुरक्षा और क्षेत्रीय स्थिरता पर इसका प्रभाव समझा जा सके। यहां दिलचस्प बात ये है कि भारत को इस समझौते की जानकारी पहले से थी। माना जा रहा है कि या तो खुद सऊदी अरब ने भारत को जानकारी दी या फिर किसी अन्य देश ने बताया है। हालांकि इस संदर्भ में कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है।

रिपोर्ट के अनुसार, प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से एक बयान में कहा गया है कि समझौते पर हस्ताक्षर की घोषणा की गई, जिसमें कहा गया कि दोनों में से किसी एक देश के खिलाफ किसी भी तरह के आक्रमण को दोनों देशों पर हमला माना जाएगा। पाकिस्तान और सऊदी अरब ने बुधवार को एक रक्षा समझौते पर हस्ताक्षर किए जिसके तहत दोनों में से किसी एक देश पर आक्रमण को दोनों देशों पर हमला माना जाएगा। इस 'रणनीतिक पारस्परिक रक्षा समझौते' पर पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की रियाद की यात्रा के दौरान हस्ताक्षर किए गए। यहां अल-यममाह पैलेस में क्राउन प्रिंस और प्रधानमंत्री मोहम्मद बिन सलमान ने उनका स्वागत किया। हालांकि, सऊदी अरब और पाकिस्तान के बीच इस रक्षा समझौते की विशिष्ट शर्तों और दायरे के बारे में अभी तक कोई आधिकारिक विवरण सामने नहीं आया है। हस्ताक्षर समारोह के बाद जारी एक संयुक्त

वक्तव्य में कहा गया, लगभग आठ दशकों से चली आ रही साझेदारी को आगे बढ़ाते हुए तथा भाईचारे, इस्लामी एकजुटता और साझा रणनीतिक हितों के बंधनों पर आधारित दोनों पक्षों ने रणनीतिक पारस्परिक रक्षा समझौते पर हस्ताक्षर किए। इससे पहले सऊदी राजधानी पहुंचने पर प्रधानमंत्री शरीफ का स्वागत रियाद के उप-गवर्नर मुहम्मद बिन अब्दुलरहमान बिन अब्दुलअजीज ने किया।

9 दिनों में सपा के वरिष्ठ नेता आजम खान को तीसरी बार मिली राहत की खबर

लखनऊ (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री, आजम खान, को हाल ही में कई कानूनी मामलों में राहत मिली है। उन्हें रामपुर के चर्चित क्वालिटी बार कब्जा केस में इलाहाबाद हाईकोर्ट से जमानत मिल गई है। पिछले 9 दिनों में यह तीसरी बार है जब उन्हें किसी अहम मामले में राहत मिली है। इसके पहले 10 सितंबर को डूंगरपुर मामले में हाई कोर्ट ने जमानत मंजूर की। इसके बाद 16 को छजलैट प्रकरण और रास्ता जाम करने के मामले में रामपुर की अदालत ने बरी किया। और फिर 18 को क्वालिटी बार केस में हाई कोर्ट से जमानत मिली। इस जमानत के साथ, उन पर दर्ज करीब सभी मुकदमों में जमानत मिल चुकी है, जिससे उनके जल्द ही जेल से बाहर आने की संभावना बढ़ी है। बात दें कि क्वालिटी बार केस 2008 का है, जिसमें आजम खान पर रामपुर में एक बार की जमीन पर अवैध कब्जे का आरोप था। मामले में 2019 में एफआईआर दर्ज हुई थी, जिसमें पहले उनकी पत्नी तजीन फातिमा और बेटे अब्दुल्ला आजम को नामजद किया गया था, और बाद में आजम को भी आरोपी बनाया गया। रामपुर की एमपी-एमएलए कोर्ट द्वारा जमानत याचिका खारिज होने के बाद, उन्होंने हाई कोर्ट में अपील की थी, जहाँ उनके वकील ने राजनीतिक बदले की भावना से फंसाए जाने का तर्क दिया। सभी पक्षों को सुनने के बाद, कोर्ट ने यह फैसला सुनाया।

प्राकृतिक आपदा में नदारत रहीं सांसद कंगना बोलीं- पीएम ने दिए 10 हजार करोड़

मंडी (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश में मंडी ससंदीय क्षेत्र में आपदा के दौरान नदारद भाजपा सांसद और अभिनेत्री कंगना रनौत ने बड़ा बयान दिया है। पीएम मोदी के जन्मदिन पर मंडी में आयोजित यज्ञ में पहुंची कंगना रनौत ने हिमाचल प्रदेश के अगले सीएम की दावेदारी पर बड़ा बयान दिया है।

मंडी शहर के सिद्धकाली माता मंदिर में महायज्ञ करवाया गया है। इसमें पूर्णाहूति डालने के बाद सांसद कंगना ने कहा कि केंद्र में 2014 से पहले रही सरकारों ने हमेशा हिमाचल को नजर अंदाज किया है, जबकि पीएम मोदी अब तक विभिन्न किस्तों के माध्यम से 10 हजार करोड़ रुपये दे चुकें।

आपदा में सांसद कंगना रनौत की गैर मौजूदगी को लेकर पूछे गए सवाल पर कंगना ने कहा कि हिमाचल में हीन भावना के ग्रस्ति कुछ लोग उनके बारे में ही जनता को भड़काने में लगे हुए हैं। जबकि वह आज दूसरी बार आपदा के दौरान मंडी क्षेत्र की जनता के बीच पहुंची हैं। सांसद कंगना ने पीएम मोदी की ओर से देश हित में किए अनकों कार्यों की भी जमकर सराहना की और कहा कि मोदी है तो ही मुमकिन है। उन्होंने इस अवसर पर केंद्र सरकार की योजना एक पेड़ मां के नाम लगाने की अपने संसदीय

क्षेत्र की जनता से आह्वान भी किया। अब गुरुवार को कंगना रनौत मनाली विधानसभा क्षेत्र का दौर करेंगी। हिमाचल प्रदेश में सीएम बनने के सवाल पर सांसद कंगना ने कहा कि अब उन्हें समझ आ गई है कि राजनीति एक समाजसेवा का काम है और इसमें पर्सनल लाभ जैसा कुछ नहीं है और ऐसे में पीएम मोदी के आशीर्वाद से वह किसी भी काम को करने के लिए सक्षम हैं और कंगना अगर किसी काम को करने की ठान ले तो वो उसे करके दिखाती हैं। फिर चाहे बात फिल्मों की ही क्यों ना हो। मंडी में भाजपा के द्वारा पीएम मोदी के जन्म दिवस पर इंदिरा मार्केट में स्थित माता सिद्ध काली माता मंदिर में जहां महायज्ञ का आयोजन किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जन्मदिन पर मंडी में भाजपा के द्वारा पीएम मोदी के जन्म दिवस पर इंदिरा मार्केट में स्थित माता सिद्ध काली माता मंदिर में जहां महायज्ञ का आयोजन किया, वहीं प्राकृतिक आपदाओं से जूझ रहे संसार के लिए विश्व कल्याण की कामना भी की। मंडी में आयोजित इस महायज्ञ को मां त्रिपुर सुंदरी धाम मणिकूट पर्वत ऋषिकेश से आए श्री श्री 1008 श्री हरिओम महाराज व उनके साथ आए अन्य साधु संतों ने संपन्न करवाया। इस महायज्ञ में पूर्व सीएम व नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर, सांसद कंगना रनौत, सर्व देवता समिति अध्यक्ष शिवपाल शर्मा सहित दर्जनों लोगों ने भाग लेकर पूर्णाहुति डाली और विश्व कल्याण की कामना की।

पूरे देश में होगा एसआईआर, एक जुलाई 1987 से पहले जन्म हुआ तो नहीं देना होगा कोई दस्तावेज

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली,(ईएमएस)। पूरे देश में होने वाले मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के बाद 50 करोड़ से ज्यादा वोटर्स को किसी भी अतिरिक्त दस्तावेज की जरूरत नहीं पड़ेगी। इसका कारण है कि उनके नाम पहले से ही मतदाता सूची में दर्ज हैं। एक जुलाई 1987 से पहले जन्म होने की अंडरटेकिंग देने वाले मतदाताओं को कोई अन्य दस्तावेज लगाने की जरूरत नहीं होगी।

चुनाव आयोग के अधिकारियों के मुताबिक भारत के आधे से ज्यादा वोटर्स इस नए प्रोसेस के दायरे में आएंगे। इन मतदाताओं को कोई भी दस्तावेज देने की जरूरत नहीं होगी, क्योंकि उनका नाम उनके राज्य में आयोजित पिछली एसआईआर की मतदाता सूची में शामिल होगा। ज्यादातर राज्यों में मतदाता सूची का आखिरी एसआईआर 2002 से 2008 के बीच हुआ था, जिसे इस प्रक्रिया के लिए कट-ऑफ माना जाएगा।

अधिकारियों ने बताया कि चुनाव आयोग जल्द ही अखिल भारतीय एसआईआर को लागू करने की तारीख तय करेगा। राज्यों में मतदाता सूचियों को सुधार करने का काम इस साल के अंत से पहले शुरू हो सकता है। पिछले हफ्ते हुए एक सम्मेलन में राज्यों के सीईओ को अपने-अपने राज्यों में पिछली एसआईआर के बाद प्रकाशित मतदाता सूची तैयार रखने को कहा है।

बिहार में आखिरी एसआईआर 2003 में हुआ था। इसके मुताबिक अभी इसमें सूचीबद्ध कुल मतदाताओं के 60 फीसदी यानी 4.96 करोड़ मतदाताओं को अपनी जन्मतिथि या जन्मस्थान स्थापित करने के लिए मतदाता सूची के प्रासंगिक भाग को छोड़कर कोई सहायक दस्तावेज देने की जरूरत नहीं है। बिहार में इस प्रक्रिया को लेकर राजनीतिक विवाद भी हो चुका है, जहां विपक्षी दलों ने दस्तावेजों की कमी के कारण लोगों के मताधिकार से वंचित होने की आशंका जताई थी। केवल 40फीसदी मतदाताओं को ही अपनी जन्मतिथि या स्थान की पुष्टि के लिए सूचीबद्ध 12 दस्तावेजों में से कोई एक प्रस्तुत करना होगा। इसके अलावा वोटर बनने या राज्य के बाहर से आने वाले कुछ आवेदकों के लिए एक अतिरिक्त घोषणा पत्र भी शुरू किया गया है। ऐसे लोगों को यह शपथपत्र देना होगा कि उनका जन्म 1 जुलाई, 1987 से पहले भारत में हुआ था।

एकजुट होने में जुटे इस्लामिक देश, बात होती रही उधर एक हो गए पाकिस्तान और सऊदी

नई दिल्ली (एजेंसी)। हाल ही में 60 इस्लामिक देशों की कतर में बैठक हुई थी। जिसमें मुख्य एजेंडा था एकजुट होने का। इस दौरान पाकिस्तान, तुर्की जैसे मुसलमान देशों ने इस्लामिक नाटो संगठन बनाने का सुझाव दिया था। यह अमेरिका के नेतृत्व वाले नाटो की तर्ज पर था, जिसके तहत यूरोप के कई देश आते हैं और उन्हें सुरक्षा की गारंटी मिली है। इसी तरह मुसलमान देशों को सुरक्षा की गारंटी देने के नाम पर ऐसे संगठन का प्रस्ताव रखा गया। मीटिंग में इस पर कोई ठोस पहल होती नहीं दिखी, लेकिन पाकिस्तान और सऊदी अरब ने इस ओर कदम जरूर बढ़ा दिए हैं।

ऐसे में पाकिस्तान ने सऊदी अरब के साथ सुरक्षा समझौता करके खुद को इस्लामिक देशों के बीच मजबूत करने की कोशिश की है। लंबे समय से पाकिस्तान की यह कोशिश रही है कि कश्मीर के मसले को इस्लाम के नाम पर बढ़ावा दिया जाए और फिर सऊदी अरब, तुर्की, मलयेशिया जैसे देशों को साथ लिया जाए। हालांकि दिलचस्प बात यह है कि सऊदी अरब ने इस समझौते के साथ ही भारत के साथ अपने रिश्तों पर भी बात की है। रिपोर्ट के मुताबिक एक सऊदी अधिकारी ने कहा कि भारत के साथ हमारे रिश्ते बहुत अच्छे हैं। ऐतिहासिक स्तर पर हमारी दोस्ती है। हम क्षेत्रीय शांति और स्थिरता के हित में रिश्ते मजबूत करते रहेंगे। दोनों देशों ने एक सुरक्षा समझौता किया है, जिसके तहत किसी एक देश पर हमले को दोनों पर अटैक माना जाएगा। इस तरह दोनों देशों ने एक दूसरे को सुरक्षा गारंटी दी है और आड़े वक्त में खड़ा रहने का संकल्प जताया है। साफ है कि एक बड़े इस्लामिक नाटो की तरफ कदम नहीं बढ़े हैं, लेकिन उसके ही छोटे संस्करण पर पाकिस्तान और सऊदी अरब ने मुहर लगाई है। भारत के लिए यह खबर मायने रखती है क्योंकि पाकिस्तान उसका चिर प्रतिद्वंद्वी रहा है। मई में ही दोनों देशों के बीच 4 दिन की सैन्य झड़प चली थी। इसके अलावा भी अकसर तनाव बना रहता है और दोनों देश जंग के मुहाने पर कभी भी रहते हैं। हालांकि पाकिस्तान के पास जो परमाणु हथियार हैं, उनके इस्तेमाल को लेकर इस समझौते में कोई बात नहीं की गई है। बता दें कि 1967 से ही सऊदी अरब और पाकिस्तान के बीच रक्षा करार रहे हैं। पाकिस्तान की सेना ने सऊदी अरब के 8200 सैनिकों को अपने यहां प्रशिक्षित भी किया है। माना जा रहा है कि कुछ और मुसलमान देशों के बीच भी ऐसे करार हो सकते हैं।

आजमा कर देखें सेहत के लिए असरदार दवा है म्यूज़िक थेरेपी

कल्पना कीजिए... सुबह-सुबह का समय... पाक्षयों की चहचहाहट और हवा की मधुर सरसराहट के बीच आप भी बगीचे में ध्यान लगा रहे हैं, अपनी सांसों पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं... निश्चित ही यह एक सुखद अहसास है। यकीनन यह संगीत की ताकत है। वैसे भी कहा गया है कि संगीत मधुरता के साथ भावनाएं व्यक्त करने का ऐसा माध्यम है, जो सीधा आत्मा को छूता है। संगीत को हमेशा से मानसिक स्वास्थ्य से जोड़ा गया है। संगीत इंसान को खुश, दुखी या तनावपूर्ण बना सकता है। इसीलिए कोई आश्चर्य नहीं कि प्राचीन समय से संगीत को एक मरहम के रूप में प्रयुक्त किया गया है। यहां तक कि मेडिसिन के जनक कहे जाने वाले हिप्पोक्रेट्स भी विभिन्न बीमारियों में म्यूजिक थेरेपी का इस्तेमाल करते थे। समय के साथ विज्ञान और तकनीक का विकास हुआ और आज इंसान के पास इस बात के पुख्ता प्रमाण हैं कि म्यूजिक एक असरदार दवा के रूप में काम कर सकता है। जानिए म्यूजिक थेरेपी के बारे में -

मैजिक ऑफ म्यूजिक

म्यूजिक वास्तव में विभिन्न वाइब्रेशन्स की सीरीज है, जो साउंड क्रिएट करते हैं। चूंकि शरीर इन वाइब्रेशन्स को ग्रहण करता है, इसलिए इससे कई शारीरिक बदलाव भी होते हैं। म्यूजिक के प्रकार पर निर्भर करते हुए ये बदलाव अच्छे या बुरे हो सकते हैं। जहां शांत संगीत तनाव घटाता है और बीमारियों से लड़ने की क्षमता बढ़ाता है, वहीं ज्यादा शोर वाला संगीत लोगों को गुस्सैल बनाता है और आत्महत्या वाले विचार पैदा करता है। हालांकि संगीत के शरीर पर होने वाले असर का अब तक अध्ययन जारी है।

बच्चों में अलर्ट रहने की आदत बढ़ी

संगीत के असर को समझने के लिए बेथ इजराइल मेडिकल सेंटर के लुईस आर्मस्ट्रॉन्ग सेंटर ऑफ म्यूजिक एंड मेडिसिन में एक रिसर्च की गई। इसमें 32 हफ्तों वाले 272 प्री-मैच्योर नवजात शिशुओं को शामिल किया गया। वैज्ञानिकों ने पाया कि इन नवजात शिशुओं को जब किसी भी रूप में संगीत (गाना या इंस्ट्रूमेंटल) सुनाया गया तो उनकी हार्ट रेट धीमी पड़ गई। इसमें भी गाने के बोल वाला संगीत ज्यादा असरदार रहा। इससे बच्चों के शांत, लेकिन अलर्ट रहने की आदत भी बढ़ी। इसी स्टडी के लेखक जोनन लोवी के मुताबिक, म्यूजिक थेरेपी से माता-पिता का तनाव भी कम हुआ है।

मानसिक स्वास्थ्य और कैंसर के मैनेजमेंट में भी सहायक है संगीत

मनोवैज्ञानिक डेनियल जे. लेविटिन कहते हैं, कि आजकल शारीरिक बीमारियों के इलाज के लिए गाने, ध्वनि और लय का बेहतर उपयोग किया जाने लगा है। यह न केवल नवजात शिशुओं, बल्कि मानसिक स्वास्थ्य और कैंसर के मैनेजमेंट में भी सहायक है। डेनियल के अनुसार कि हमें इस बात के पुख्ता प्रमाण मिल चुके हैं कि ऑपरेशन थिएटर से लेकर फैमिली क्लीनिक तक में म्यूजिक हेल्थ-केयर की भूमिका निभा सकता है। उन्होंने अपनी एक किताब में विस्तार से बताया है कि किसी तरह संगीत सेहत को प्रभावित करता है।

क्या है म्यूजिक थेरेपी?

जब कोई मान्यता प्राप्त म्यूजिक थेरेपिस्ट अपने विभिन्न प्रकार के म्यूजिक की मदद से इंसान को उसकी परेशानी या बीमारी से उबरने में सहायता करता है तो इसे म्यूजिक थेरेपी कहते हैं। म्यूजिक थेरेपिस्ट इस बात का गहरा जानकार होता है कि किस तरह संगीत लोगों में भावनात्मक प्रतिक्रियाएं पैदा कर उन्हें आराम और सुकून पहुंचा सकता है। म्यूजिक थेरेपिस्ट, इंसान की बीमारी के हिसाब से उस म्यूजिकल स्टाइल का पता लगाता है, जो मरीज को ध्यान की अवस्था में पहुंचा सके और उसके लिए फिजिकल रिहेब सेशन के रूप में काम कर सके। म्यूजिक थेरेपिस्ट पता लगा लेते हैं कि मरीज को किस तरह का म्यूजिक पसंद है। हार्वर्ड मेडिकल स्कूल की मैग्जीन हार्वर्ड हेल्थ पब्लिशिंग में एक म्यूजिक थेरेपिस्ट हॉली चार्ट्रेंड का जिक्र है। ये हार्वर्ड से संबद्ध मैसेचुसेट्स जनरल हॉस्पिटल में म्यूजिक थेरेपिस्ट हैं। उन्होंने सबसे पहले एक सिंगर को तैयार किया। वह एक महिला थी, जिसके मन में म्यूजिक की मदद से दूसरों की मदद करने का विचार आया और उसने म्यूजिक थेरेपिस्ट बनने का ठान लिया। वह कहती हैं कि मेरे काम का सबसे अच्छा पक्ष यह देखना है कि जो शख्स अच्छा महसूस नहीं कर रहा है, संगीत उसकी जिंदगी में कितना बड़ा असर डाल सकता है। अमेरिकन जर्नल ऑफ होस्पाइस एंड पालिएटिव मेडिसिन मैग्जीन में लिखा है कि म्यूजिक थेरेपी से तनाव घटता है, मरीज रिलेक्स महसूस करता है, उसे दर्द से मुक्ति मिलती है, इमोशनल सपोर्ट मिलता है और अच्छा महसूस होता है। इस अध्ययन में 57 मरीजों और 53 परिजन को म्यूजिक थेरेपी दी गई थी। मरीजों ने बताया कि उन्हें तनाव और दर्द से मुक्ति मिली है। इस तरह म्यूजिक जिदंगी की गुणवत्ता तो बढ़ाता ही है, बीमारी और अन्य विकार से उबरने में भी सहायक है।

संगीत सुनने से एंटीबॉडी इम्युनोग्लोबुलिन ए का बनना हो जाता है तेज

अनुसंधानकर्ताओं ने पाया है कि संगीत सुनने से शरीर में एंटीबॉडी इम्युनोग्लोबुलिन ए (आईजीए) का बनना तेज हो जाता है। साथ ही मारक क्षमता रखने वाली सेल्स (कोशिका) बढ़ जाती है। इन सेल्स का काम विभिन्न वायरस के हमलों से रक्षा करना और रोग-प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाना है। इसके साथ ही म्यूजिक तनाव तो कम करता ही है। यही कारण है कि म्यूजिक का संबंध रिलेक्सेशन से है।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)
जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। आत्मीय श्रेष्ठता बनेगी। शुभांक-2-5-6

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)
मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। शुभांक-3-6-7

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा)
कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। दैनिक सुख-सुविधा में वृद्धि होगी। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। शुभांक-3-5-7

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)
शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार मिलेंगे। किसी से कहा सुनी न हो यही ध्यान रहें। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मनोरथ सिद्धि का योग है। शुभांक-4-7-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)
अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। जरा-सी लापरवाही आपको परेशानी में डाल सकती हैं। शुभांक-3-5-7

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। कुछ कार्यक्रम बदलने होंगे। सब्र का फल मीठा होता है अत: धैर्य रखें व अच्छे समय इन्तजार करें। कर्म प्रधान विचार धारा बनाये रखें। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। काम में लगे रहें लाभ होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। शत्रु से सावधान रहें। शुभांक-1-3-5

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)
महत्त्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-2-4-6

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)
स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। शुभांक-3-4-5

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)
संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। पत्नी का परामर्श लाभदायक रहेगा। शुभांक-2-4-7

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी)
व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। आलस्य का त्याग करें। सच्चाई का सहारा लें कार्यसिद्धि होगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। समय आपके पक्ष का बना रहेगा। शुभांक-3-5-7

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)
कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। जो चल रहा हैं उसे सावधानीपूर्वक संभालें। शुभांक-2-4-6

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)
मध्याह्न से ही आशाएं बलवती होंगी। महत्त्वपूर्ण कार्यों को आज ही निबटा लें उसके बाद समय व्ययकारी सिद्ध होगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शुभांक-1-3-5

काकुरो पहेली - 2591

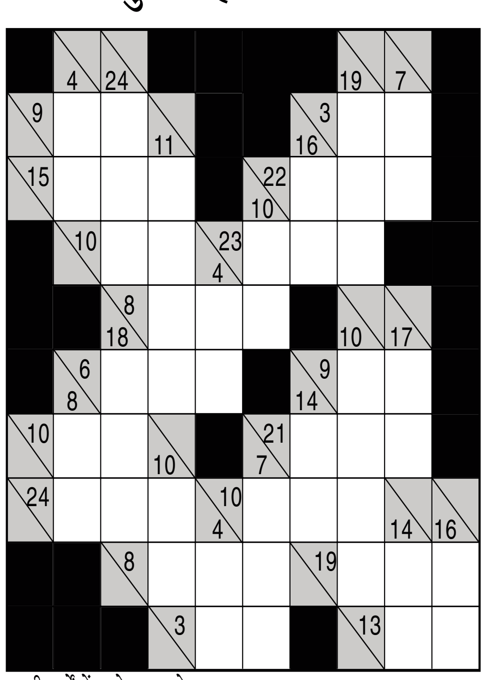

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

6+8+9=23
7+8+9=24
1+2+3+4+5=15
1+2+3+4+6=16

काकुरो - 2590 का हल

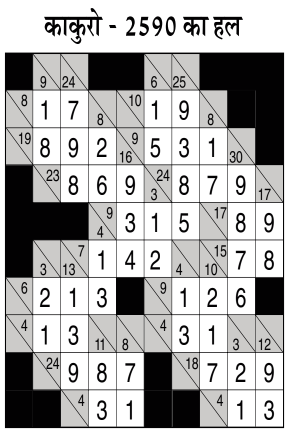

लॉफिंग ज़ोन

रामलाल बहुत घबराया हुआ थाने पहुंचा. थानेदार ने जब घबराहट का कारण पूछा तो वह बोला, 'मेरी पत्नी मायके गई हुई है.'

मैं आज सुबह जब सो कर उठा तो देखा मेरे कमरे की अलमारी खुली थी. मेरा कीमती सामान व रूपए चोरी हो चुके थे. सब कुछ अस्त-व्यस्त था, 'संदूक टूटे हुए मिले. मेरे तो हाथों के तोते ही उड़ गए.'

थानेदार ने कलम उठाई और तुरंत बोला, 'कुल कितने तोते थे.'

☺ ☺ ☺

मीना (सीमा से) - तुम्हें नहीं लगता कि लगातार नीद की गोलियां खाने से इनकी आदत पड़ जाती है.

सीमा - बिल्कुल नहीं, मैं तो पिछले आठ साल से खा रही हूं. मुझे तो इनकी आदत नहीं पड़ी?

☺ ☺ ☺

प्रेमिका (प्रेमी से) - तुम जल्दी से बताओ कि मुझसे शादी करोगे कि नहीं?

प्रेमी (प्रेमिका से) - मैं इतनी जल्दी कुछ नहीं कह सकता.

प्रेमिका (प्रेमी से) - मुझे अभी जवाब चाहिए, क्योंकि आज ही मुझे औरों से भी यही सवाल करना है.

☺ ☺ ☺

फिल्म वर्ग पहेली- 2591

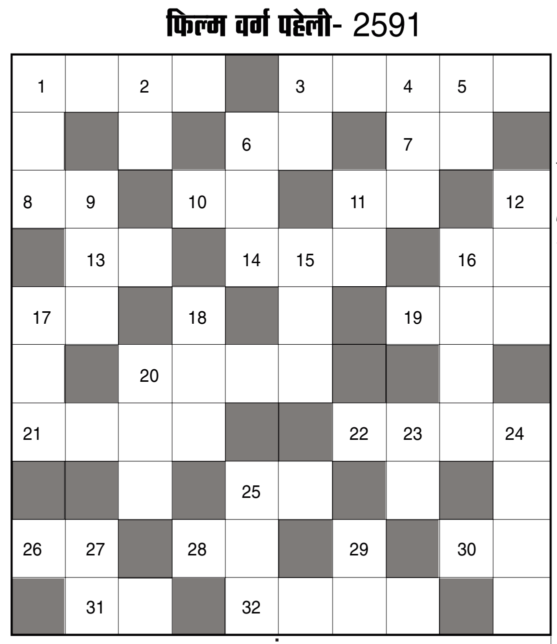

बायें से दायें:-

१. शाहरूख, जूही की 'चाँद तारे तोड़ लाऊँ' गीत वाली फिल्म-२,२
३. 'इस दीवाने लड़के' गीत वाली नसीर, आमिर, सोनाली की फिल्म-५
६. गोविंदा, नीलम की 'मैं तो हूँ सबका मेरा ना कोई' गीत वाली फिल्म-२
७. संजय कपूर, माधुरी की फिल्म-२
८. 'वाटर' के निर्देशिका कौन हैं-२
१०. अमिताभ, फरदीन खान, करीना कपूर की फिल्म-२
११. श्रेयस तलपदे, आयशा की 'ये हौसला कैसे झुके' गीत वाली फिल्म-२
१३. अनिल कपूर, श्रीदेवी की फिल्म-२
१४. प्रदीपकुमार, कल्पना की 'जिस दिल में बसा था प्यार' गीत वाली फिल्म-३
१६. 'मुझे तेरे जैसी लड़की' गीत वाली डिनो मारिया, बिपाशा की फिल्म-२
१७. अमिताभ, अजय, ऐश्वर्या की 'दिल डूबा नीली' गीत वाली फिल्म-२
१९. फिल्म 'कुछ कुछ होता है' में काजोल के किरदार का नाम था-३
२०. ऋषिकपूर, जयाप्रदा की फिल्म-४
२१. 'दुनिया ने सुन ली है चुपके से' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेमा की फिल्म-४
२२. जीतेंद्र, नीतूसिंह की 'कोई रोको ना दीवाने को' गीत वाली फिल्म-४
२५. अमिताभ, जया भादुड़ी की फिल्म-२
२६. राजेश खन्ना, मुमताज की 'गोरे रंग पे ना इतना गुमान' गीत वाली फिल्म-२
२८. 'दिलवालों के दिल का' गीत वाली मनोज बाजपेयी, रवीना की फिल्म-२
३०. 'ऐ लो प्यार के दिन' गीत वाली सनी, सुनील, सेलिना की फिल्म-२
३१. संजय, कुमार गौरव, पूनम 'अमीरों की शाम गरीबों' गीतवाली फिल्म-२
३२. 'फिर से आये बदरा' गीत वाली संजीव, शर्मिला, वहीदा की फिल्म-४

ऊपर से नीचे:-

१. दिलीपकुमार, मीनाकुमारी की फिल्म-३
२. 'मैं शायर तो नही' गीत वाली फिल्म-२
३. 'तू मेरे पास भी' गीत वाली डी. चक्रवर्ती, मनोज बाजपेयी, उर्मिला की फिल्म-२
४. अमिताभ बच्चन, संजीव कुमार, शर्मिला टैगोर की फिल्म-३
५. अरविंद स्वामी, मधु की फिल्म-२
६. 'तेरी गलियों में ना' गीत वाली फिल्म-३
९. राजेंद्र कुमार, वहीदा रहमान की फिल्म-३
११. राजेश खन्ना, बबीता की 'दांतों तले दबा कर होंठ' गीत वाली फिल्म-२
१२. 'अंबर हमारा रास्ता' गीत वाली अरूण, रघुवरन, बेबी शामली, श्रुति की फिल्म-३
१५. कमल हासन, शाहरूख, रानी की 'चाहे पंडित हो' गीत वाली फिल्म-१,२
१६. 'मेरे संग संग आया' गीत वाली धर्मेन्द्र, राजेश खन्ना, विनोद, हेमा की फिल्म-४
१७. शॉवरअली, ब्रजेश हीरजी, जूही, शिल्पा की 'मेरा मन भँवरा' गीत वाली फिल्म-३
१८. प्रेमनाथ, बीना राय की फिल्म-३
२०. राजेश, फिरोजखान, शार्मिला की 'जीवन से भरी तेरी आँखें' गीत वाली फिल्म-३
२३. 'सुबह सुबह जब' गीत वाली फिल्म-२
२४. शशिकपूर, शर्मिला टैगोर की फिल्म-२,२
२५. 'सावन का महीना पवन करे' गीत वाली फिल्म-३
२७. 'मुझ से दोस्ती करोगे' में करीना कपूर के किरदार का नाम क्या था-२
२९. 'तेरी याद बिछा के सोता हूँ' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 2590

सुडोकू

		9		5		2		4
4	5				9	7	1	8
				7			5	3
	8	2	7		5			6
1	3			4			7	2
5			1		2	8	3	
8	4			9				
3	6	1	2				9	5
2		5		1		6		

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

7	8	6	4	1	3	5	9	2
5	9	4	7	8	2	1	6	3
1	2	3	6	9	5	7	4	8
9	3	8	2	6	1	4	7	5
2	7	5	8	4	9	6	3	1
6	4	1	5	3	7	2	8	9
3	5	9	1	7	4	8	2	6
8	1	7	9	2	6	3	5	4
4	6	2	3	5	8	9	1	7

शब्द पहेली - 2591

बाएँ से दाएँ

1.अपनापन का विलोम-5
4.हठ करना,रोना,लालसा करना-4
7.गीत (अंग्रेजी-2)
8.गलीचा,कारपेट-3
9.किनारा,छोर-2
10.झगड़ा,कहासुनी-4
11.समय,वक्त-2
13.बेबस-3
14.राष्ट्र,स्वदेश-2
15.पुत्र,लड़का-3
17.प्राप्त करना-2
19.सेंधमार-5
22.चरित्र,व्यवहार-2,3
25.जीव,दूत,जासूस-2
26.आत्मबलि देना-3
28.ताकत,जोश,बल-2
29.कराह,टीस,लालसा-3
30.वहम,संदेह-2
32.आह भरना-4
34.दूर्वा,घास-2
36.चोंगा,गाऊन-3
37.सफर,जात्रा-2
38.दयालु,कृपालु-4
39.निर्माण करने वाला-5

ऊपर से नीचे

1.पांव, पैर-2
2.भिखारी,मंगता-3
3.अस्वीकृत करना-3,2
4.माला का मोती-3
5.बुरी आदत-2
6.नाटक से परिपूण-4
7.हल्का काला,श्याम-5
10.व्यवस्थित-4
12.बुरी आदत-2
16.अनुकृति-3
17.तांबूल,पत्ता-2
18.रुखसार,कपोल-2
20.डोली अथवा पालकी उठाने वाले -3
21.जोड़,योग-2
22.चतुर्थ-2
23.आनंद ध्वनि करना-4
24.महात्मा गांधी की दांडी यात्रा-5
25.चमकीला-5
26.नीच,नराधम -4
27.विनाश, नेस्तनाबूत-2
31.रंग (अंग्रेजी-3)
33.पराजित करना-3
35.गौरेया, एक चिड़िया-2
37.दोस्त,मित्र, सखा-2

शब्द पहेली -2590 का हल

पंजाब सरकार ने शुरू किया 'मिशन चढ़दी कला', बाढ़ पीड़ितों के पुनर्वास के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर फंड जुटाने का अभियान

एजेंसी

चंडीगढ़। पंजाब के बाढ़ पीड़ितों के पुनर्वास के प्रयासों को तेज करते हुए पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आज 'मिशन चढ़दी कला' की शुरुआत की है। इस मिशन के तहत पंजाब सरकार द्वारा प्रदेश में बाढ़ प्रभावित लोगों को पुनः अपने पैरों पर खड़ा करने के लिए की जा रही कोशिशों हेतु फंड जुटाने के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अभियान चलाया जाएगा। एक वीडियो संदेश में मुख्यमंत्री ने कहा कि बीते समय में प्रदेश ने एक ऐसे कठिन दौर से गुजरा है जिसे हमारी पीढ़ियाँ कभी भूल नहीं सकेंगी। उन्होंने कहा कि बाढ़ ने सिर्फ पानी का कहर नहीं ढाया, बल्कि लाखों सपने भी इसके पानी में बह गए। भगवंत सिंह मान ने कहा कि 2300 गांव डूब गए हैं, 20 लाख लोग प्रभावित हुए हैं, पांच लाख एकड़ फसल बर्बाद हो गई है, 56 कीमती जानें चली गईं और 7 लाख लोग बेघर हो गए। इस दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि 3200 स्कूल बर्बाद हो गए, 19 कॉलेज मलबे में बदल गए, 1400 क्लीनिक व अस्पताल खंडहर बन गए हैं, 8500 किलोमीटर सड़कें बदतर स्थिति में पहुंच गई हैं और 2500 पुल ढह गए। उन्होंने कहा कि प्रारंभिक अनुमान के अनुसार 13,800 करोड़ रुपये का घाटा हुआ है जबकि नुकसान इससे कहीं अधिक हो सकता है। भगवंत सिंह मान ने कहा कि भले ही यह पंजाब के इतिहास का सबसे भयावह दुखांत है, परंतु इसके साथ यह पंजाब के लिए सबसे बड़ा इम्तिहान भी है।

स्वस्थ नारी से ही सशक्त परिवार और आत्मनिर्भर भारत का निर्माणः नितिन गडकरी

नोएडा। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी नोएडा पहुंचे। उन्होंने सेक्टर-62 स्थित राष्ट्रीय जैविक संस्थान में आयोजित 'स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार' अभियान कार्यक्रम में शिरकत की। इस अवसर पर गौतमबुद्ध नगर से सांसद डॉ. महेश शर्मा, नोएडा विधायक पंकज सिंह और भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी भी मंच पर मौजूद रहे। कार्यक्रम की शुरुआत में नितिन गडकरी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में देश आत्मनिर्भर भारत की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। गडकरी ने कहा कि अब समय आ गया है कि हम आर्थिक विकास के साथ-साथ ÷डोमेस्टिक हैप्पी ह्यूमन इंडेक्स' पर भी ध्यान दें, जिसमें स्वास्थ्य, शिक्षा, रोटी, कपड़ा, मकान और इंफ्रास्ट्रक्चर जैसे मूलभूत तत्व शामिल हैं।अपने संबोधन में गडकरी ने कहा कि किसी भी समाज और राष्ट्र की प्रगति का आधार महिलाओं का स्वास्थ्य है। जब नारी स्वस्थ होगी, तभी परिवार सशक्त होगा और एक मजबूत राष्ट्र का निर्माण संभव होगा। उन्होंने जोर दिया कि केंद्र सरकार स्वास्थ्य क्षेत्र को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है और योजनाओं के माध्यम से किसानों, मजदूरों व समाज के अंतिम पायदान तक खड़े व्यक्ति को चिकित्सा सुविधाएं पहुंचाई जा रही हैं।

महाराष्ट्र के गढ़चिरौली में मुठभेड़, दो महिला नक्सली ढेर

एजेंसी

गढ़चिरौली। नक्सलवाद के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में महाराष्ट्र के गढ़चिरौली जिले में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। जिले के एटापल्ली तहसील के जांबिया गट्टा वन क्षेत्र में मुठभेड़ में दो महिला नक्सली मारी गयीं। मुठभेड़ के बाद घटनास्थल से एक अत्याधुनिक एके-47 राइफल और एक पिस्तौल बरामद की गयी। पुलिस के मुताबिक, सूचना मिली थी कि गढ़चिरौली जिले की एटापल्ली तहसील के अंतर्गत मौजा मोडस्के के जंगलों में गट्टा दलम के कुछ नक्सली छिपे हुए हैं। इस गुप्त सूचना के आधार पर अपर पुलिस अधीक्षक सत्य साई कार्तिक के नेतृत्व में सी-60 बल की पांच टुकड़ियां अहेरी से रवाना की गईं। अभियान के दौरान गट्टा-जांबिया की पुलिस टुकड़ी और सीआरपीएफ की 191वीं बटालियन की ई कंपनी ने जंगल को बाहर से घेर लिया। जैसे ही पुलिस ने तलाशी अभियान शुरू किया, छिपे हुए नक्सलियों ने अंधाधुंध गोलियां चलानी शुरू कर दीं। पुलिस ने भी जवाबी कार्रवाई की। मुठभेड़ थमने के बाद पूरे क्षेत्र में तलाशी अभियान चलाया गया। इस दौरान दो महिला नक्सलियों के शव बरामद हुए। घटनास्थल से एक स्वचालित एके-47 राइफल, एक आधुनिक पिस्तौल, बड़ी मात्रा में जिंदा कारतूस और नक्सली साहित्य भी बरामद किया गया। क्षेत्र में फिलहाल नक्सल विरोधी अभियान जारी है।

सौरभ भारद्वाज ने सीएम रेखा गुप्ता से की प्रदेश में गौशाला बनाने की मांग

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आआपा) के दिल्ली प्रदेश संयोजक और पूर्व स्वास्थ्य, शहरी विकास एवं जल संसाधन मंत्री और दिल्ली जल बोर्ड के अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिन पर दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता से राजधानी में गौशालाएं बनवाने की मांग की। उन्होंने दिल्ली में गायों की दयनीय स्थिति पर चिंता जताते हुए सरकार से तत्काल कदम उठाने की अपील की। सौरभ भारद्वाज ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कार्यकर्ता पूरे उत्साह के साथ प्रधानमंत्री का जन्मदिन मना रहे हैं, लेकिन दिल्ली की सड़कों पर गायें कूड़ा खाने को मजबूर हैं। उन्होंने कहा कि सभी जगहों पर गायों को कूड़े के ढेर में भोजन तलाशते देखा जाता है, जो एक गंभीर समस्या का संकेत है।

प्रकृति का कहर : नैनीताल व पिथौरागढ़ एक-एक और देहरादून में 16 की मौत, अभी 17 लापता

एजेंसी

देहरादून। उत्तराखंड में लगातार बारिश ने देहरादून में जमकर कहर बरपाया। राज्य में सोमवार से अब तक 18 लोगों की मौत हो चुकी है। अभी 17 लोग लापता हैं, जिनकी तलाश की जा रही है। आपदा में देहरादून में अब तक 16 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि नैनीताल व पिथौरागढ़ में एक-एक व्यक्ति की मौत हुई है। इस संबंध में देहरादून के जिलाधिकारी सविन बंसल ने आज बताया कि जिले में सोमवार से अब तक 16 लोगों की मौत हो चुकी है। आज रायपुर क्षेत्र में दो और आसन नदी हर्बटपुर के पास एक शव बरामद हुआ है, जिनकी शिनाख्त नहीं हो सकी है। जिलाधिकारी ने बताया कि अब तक करीब नौ सौ लोगों को रेस्क्यू किया गया। एनडीआरएफ, एसडीआरएफ समेत पुलिस लगातार

रेस्क्यू में जुटी है। राज्य आपातकालीन परिचालन केन्द्र से मिली जानकारी के अनुसार नैनीताल व पिथौरागढ़ में एक-एक व्यक्ति की मौत हुई है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने राहत व बचाव कार्य में तेजी के निर्देश दिए हैं। देहरादून-मसूरी राज्य मार्ग स्थान शिव मंदिर पास अवरूद्ध हैं। मार्ग को खोले जाने की कार्यवाही गतिमान है। वैकल्पिक मोटर मार्ग देहरादून से किमाड़ी-हाथीपांव का प्रयोग किया जा रहा है। रायपुर-कद्दूखाल राज्य मार्ग किमी 4 में वॉशवाउट होने से अवरूद्ध हैं। मार्ग को खोले जाने की कार्यवाही गतिमान है। चकराता-लाखामण्ड बर्नीगाड़ राज्य मार्ग स्थान किमी 23 में यातायात के लिए अवरूद्ध हैं। देहरादून किमाड़ी-लम्बीघार राज्य मार्ग स्थान किमी 1, 2, 3, 4 एवं 11 में यातायात के लिए अवरूद्ध हैं। देहरादून जनपद में चार राज्य मार्ग, 26 ग्रामीण मोटर मार्ग यातायात के लिए अवरूद्ध हैं, जिन्हें खोलने का कार्य चल रहा है। जनपद के सिल्ला की चौकी, सहस्त्रधारा एवं मालदेवता के ऊपरी क्षेत्रों में विद्युत व्यवस्था बाधित है।

पवन जिंदल और एच.एन. शर्मा ने नृपेंद्र मिश्र को भेंट की 'भारतीय संविधान, अनकही कहानी'

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर शुरू हुए सेवा सप्ताह के अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के क्षेत्र संघचालक पवन जिंदल और पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर के राजनीतिक सलाहकार एच.एन. शर्मा ने श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र को संविधान पर आधारित पुस्तक 'भारतीय संविधान, अनकही कहानी' भेंट की।

इस पुस्तक को वरिष्ठ पत्रकार और पद्मभूषण से सम्मानित लेखक रामबहादुर राय ने लिखा है, जो संविधान निर्माण की अनकही कहानियों को बयां करती है। नेहरू संग्रहालय एवं पुस्तकालय की कार्यपरिषद के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र के नई दिल्ली स्थित कार्यालय में हुई भेंट के दौरान इस पुस्तक पर विस्तार से चर्चा की गई। यह संविधान निर्माण के अनछुए पहलुओं पर प्रकाश डालती है। एचएन शर्मा ने बताया कि सेवा सप्ताह के मौके पर यह पुस्तक इसलिए भेंट की गई क्योंकि इसमें संविधान निर्माण काल के कई ऐसे प्रसंग दर्ज हैं, जिन पर पहले ज्यादा प्रकाश नहीं डाला गया। पुस्तक में कई ऐसे संदर्भ हैं, जिन्हें सामान्य पाठकों या लेखकों ने पहले नजरअंदाज किया था। उन्होंने कहा कि यह पुस्तक संविधान को समझने का नया दृष्टिकोण प्रस्तुत करती है। उल्लेखनीय है कि वरिष्ठ पत्रकार और लेखक राम बहादुर राय की पुस्तक 'भारतीय संविधान, अनकही कहानी' संविधान निर्माण की अनकही और गहन कहानियों पर केंद्रित है।

सुरक्षा बलों की कार्रवाई से घबराए माओवादी नक्सली सरकार से करना चाहते हैं वार्ता, एक माह के 'युद्ध विराम' का आग्रह

एजेंसी

रांची। मार्च, 2026 तक झारखंड सहित पूरे देश को नक्सल मुक्त कराने के लक्ष्य के साथ सुरक्षाबलों और पुलिस की ओर से चलाए जा रहे अभियान ने नक्सली संगठनों को बैकफुट पर ला दिया है। बंदूक की नोक पर क्रांति की बातें करने वाले और वर्षों तक हिंसा को रास्ता बनाने वाले भाकपा माओवादी नक्सली संगठन ने एक बार फिर सरकार से वार्ता के लिए शांति प्रस्ताव की पेशकश की है। भाकपा माओवादी की केंद्रीय कमेटी के प्रवक्ता अभय ने प्रेस नोट जारी कर कहा कि नक्सली हथियार छोड़कर वार्ता करने के लिए तैयार हैं। पत्र में लिखा गया है कि पार्टी (भाकपा माओवादी) एक महीने के लिए औपचारिक युद्धविराम चाहती है। साथ ही शुरुआती बातचीत वीडियो कॉल से करने का सुझाव दिया गया है। पिछले छह महीनों में संगठन की ओर से यह प्रस्ताव पांचवीं बार आया है। प्रेस नोट में कहा गया है कि मार्च 2025 के आखिरी सप्ताह से ही पार्टी शांति वार्ता की कोशिश कर रही है। महासचिव नंबाला केशव राव उर्फ बसवराजू के एनकाउंटर के बाद यह मुद्दा और तेज हुआ। नक्सलियों ने लिखा है कि सरकार से कोई सकारात्मक जवाब

नहीं मिला। इसके बजाय सैन्य अभियान बढ़ा दिए गए। इसके बावजूद पार्टी ने बदलती परिस्थितियों को देखते हुए हथियार छोड़ने का निर्णय लिया है। पत्र में यह भी कहा गया है कि अब संगठन जनहित के मुद्दों पर अन्य राजनीतिक दलों और आंदोलनों के साथ मिलकर संघर्ष करेगा। नक्सलियों ने केंद्रीय गृह मंत्री या उनके नियुक्त प्रतिनिधि से सीधे वार्ता की इच्छा जताई है। उनका कहना है कि पार्टी को राय बनाने के लिए साथियों और जेल में बंद कार्यकर्ताओं से सलाह-मशविरा करना होगा। इसके लिए एक माह का समय मांगा गया है। नक्सलियों ने सरकार से अपील की है कि इस दौरान तलाशी अभियान और हमले बंद किए जाएं। तभी शांति प्रक्रिया आगे बढ़ सकेगी। फिलहाल सरकार की ओर से इस पर कोई औपचारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है। उल्लेखनीय है कि सुरक्षाबलों ने पिछले 15 दिनों में झारखंड और छत्तीसगढ़ में अलग-अलग मुठभेड़ों में 15 से अधिक नक्सलियों को मार गिराया है।

मालवा में नशा तस्करी नेटवर्क का भंडाफोड़, 7.1 किलो हेरोइन बरामद, एक गिरफ्तार

एजेंसी

चंडीगढ़। सीमा पार के नार्को-आतंकी नेटवर्कों के विरुद्ध अभियान में अमृतसर कमिश्नरेट पुलिस ने जगप्रीत सिंह उर्फ जग्गा के नशा तस्करी सिंडिकेट का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने उत्तर प्रदेश के एक तस्कर को गिरफ्तार करके उसके पास से 7.1 किलोग्राम हेरोइन भी बरामद की है।

पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने बताया कि उत्तर प्रदेश के संभल में गांव अटवा निवासी यासीन मुहम्मद (22) को पकड़ा गया है, जो इस समय मोहाली के गांव लालड़ू में रह रहा था। उसली आपराधिक पृष्ठभूमि है और उसके विरुद्ध आर्म्स एक्ट, एनडीपीएस एक्ट, चोरी और स्नैचिंग के मामले दर्ज हैं। डीजीपी ने बताया कि प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि मोगा निवासी जगप्रीत सिंह उर्फ जग्गा पाकिस्तान-आधारित तस्करों के संपर्क में था और गिरफ्तार किये गए यासीन मुहम्मद के साथ मिलकर नेटवर्क चला रहा था। डीजीपी ने कहा कि नेटवर्क के अगले-पिछले संबंधों की गहराई से जांच की जा रही है, ताकि पूरे गठजोड़ का पर्दाफाश किया जा सके। पुलिस कमिश्नर (सीपी) अमृतसर गुरप्रीत सिंह भुल्लर ने बताया कि पुलिस टीमों को विश्वसनीय सूत्रों से पुख्ता

सूचना मिली थी कि जगप्रीत के निर्देशों पर उसका साथी अजनाला सेक्टर के एक निर्धारित क्षेत्र में ड्रोन के ज़रिए गिराई गई हेरोइन की खेप प्राप्त कर चुका है। उन्होंने बताया कि पुलिस टीमों ने तुरंत कार्रवाई करते हुए एक गुप्त ऑपरेशन चलाया और संदिग्ध यासीन मुहम्मद को छेहरटा के वडाली से उस समय गिरफ्तार कर लिया, जब वह हेरोइन की खेप प्राप्त करने के बाद वापस लौट रहा था। सीपी ने बताया कि प्रारंभिक जांच से सामने आया है कि नशीले पदार्थ की आपूर्ति होने के बाद यासीन खेप को जगप्रीत तक पहुंचाता था, जो आगे इसे पंजाब के मालवा क्षेत्र में अपने संपर्कों को सप्लाई करता था। उन्होंने बताया कि दोनों एक साथ लुधियाना जेल में बंद रह चुके हैं। उन्होंने कहा कि आगे की जांच जारी है। आने वाले दिनों में और गिरफ्तारियां तथा बरामदगियां होने की संभावना है।

सशस्त्र बलों के संयुक्त कमांडर सम्मेलन में किया भविष्य की रणनीति पर विमर्श

एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता में 15- 17 सितम्बर तक संयुक्त कमांडर सम्मेलन-2025 के समापन पर सशस्त्र बलों ने भविष्य की रणनीति और सुधारों पर गहन विमर्श किया। इस तीन दिवसीय सम्मेलन का विषय 'सुधारों का वर्ष : भविष्य के लिए परिवर्तन' था। यह मंच रक्षा मंत्रालय और तीनों सेनाओं के शीर्ष स्तर के निर्णयकर्ताओं को एक साथ लाता है, जहां राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े अहम मुद्दों तथा सेनाओं की क्षमता विकास पर चर्चा की जाती है। आयोजित सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह शामिल थे। इसके अलावा रक्षा प्रमुख (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान, एनएसए अजीत डोभाल, केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ, आर्मी जनरल उपेन्द्र द्विवेदी भी मौजूद रहे। उन्होंने सशस्त्र बलों के

समर्पण की सराहना करते हुए आत्मनिर्भरता तथा तकनीकी नवाचार पर जोर दिया। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में संयुक्तता, आत्मनिर्भर भारत और नवाचार को सेनाओं की मजबूती का आधार बताया। सम्मेलन की शुरुआत संयुक्त अभियान कमान केंद्र द्वारा किए गए प्रदर्शन से हुई। इसके बाद वायु रक्षा का लाइव प्रदर्शन हुआ जिसमें आधुनिक निगरानी, मिसाइल और ड्रोन रोधी क्षमताओं का परिचय दिया गया। सीडीएस अनिल चौहान ने पिछले दो वर्षों में किए गए प्रमुख सुधारों और उनके परिणामों की विस्तृत समीक्षा पेश की। राजनाथ सिंह ने सेनाओं की वर्तमान तैयारी, क्षमता विकास और भविष्य के युद्धों की रणनीति पर विशेष सत्र की अध्यक्षता की। उन्होंने असामान्य चुनौतियों जैसे सूचना युद्ध, वैचारिक, पारिस्थितिक और जैविक खतरों के प्रति सतर्क रहने की सलाह दी। रक्षा मंत्री ने बदलते वैश्विक हालात और क्षेत्रीय अस्थिरता को देखते हुए सतत मूल्यांकन और लचीली योजनाओं की आवश्यकता पर बल दिया वहीं, रक्षा मंत्रालय की ओर से जारी बयान में बताया गया है कि साझा कमांडर सम्मेलन -2025 ने भारतीय सशस्त्र बलों को अधिक समन्वित, तकनीकी रूप से उन्नत और चुस्त-दुरुस्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम रखा है। यह राष्ट्रीय हितों की रक्षा करने के साथ-साथ वैश्विक शांति और स्थिरता में भारत की भूमिका को और मजबूत करेगा।

आंध्र प्रदेश के नेल्लोर जिले में टिप्पर और कार की भिड़ंत में सात की मौत

एजेंसी

नेल्लोर। आंध्र प्रदेश के नेल्लोर जिले के संगम मंडल के पेरमना के निकट चेन्नई-मुंबई राष्ट्रीय राजमार्ग पर रेत लेकर जा रहे टिप्पर ने एक कार को टक्कर मार दी। इस भीषण दुर्घटना में कार सवार सात लोगों की मौत हो गई। मृतकों में चार पुरुष, दो महिलाएं और एक बच्चा शामिल है। राज्य परिवहन मंत्री मंडीपल्ली रामप्रसाद रेड्डी ने घटना पर शोक व्यक्त किया। जानकारी के अनुसार नेल्लोर जिला मुख्यालय के मुथुकुर गेट के निकट रहने वाले लोग कार से किसी रिश्तेदार से मिलने आत्मकुर के सरकारी अस्पताल जा रहे थे। तभी दिन के 11 बजे लगभग एक तेज़ रफ़्तार रेत लदा टिप्पर गलत रास्ते पर आ गया और उसने कार को अपनी चपेट में लेलिया। अनियंत्रित टिप्पर कार को कुछ दूर तक घसीटता हुआ ले गया। इस दुर्घटना में कार सवार सात लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। जिला पुलिस सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची और शवों को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल पहुंचाया। पुलिस को पता चला कि कार तल्लूर राधा के नाम पर पंजीकृत थी। पुलिस के अनुसार मरने वालों की पहचान टी राधा, शेषम, सरम्मा, नलगोंडा लक्ष्मी, शेषम तेजा और श्रीनिवासुलु के रूप में हुई है। एक अन्य मृतक की पहचान नहीं हो सकी है। सभी मृतक नेल्लोर जिला मुख्यालय के मुथुकुर गेट के निकट रहने वाले बताए जा रहे हैं। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और दुर्घटना की जाँच कर रही है। राज्य परिवहन मंत्री मंडीपल्ली रामप्रसाद रेड्डी ने नेल्लोर जिले के संगम मंडल के पेरमाना में हुए भीषण सड़क हादसे की जानकारी ली।

महिला कल्याण के लिए सरकार प्रतिबद्ध : शिवराज सिंह

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय ग्रामीण विकास एवं कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने नई दिल्ली के सी.एच.सी, साकेत में 'स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार' अभियान के शुभारंभ कार्यक्रम में सहभागिता की। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिवस पर उन्होंने पौधरोपण भी किया। इस अवसर पर केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को 75वें जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि आज से ही 'स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार' का भी शुभारंभ हो रहा है। केंद्रीय मंत्री ने स्वास्थ्य के क्षेत्र में दिल्ली में पिछली सरकार के कामकाज को लेकर नाराजगी जताई और कहा कि पिछली सरकार में मात्र खानापूर्ति के लिए स्वास्थ्य केंद्र खोले गए थे। लेकिन अब खुशी की बात है कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में 'आयुष्मान आरोग्य मंदिर' के जरिए व्यापक स्तर पर जन स्वास्थ्य सुविधाएं प्रभावी रूप से लोगों तक पहुंच पा रही हैं। आरोग्य मंदिर में महिलाओं के लिए विशेष स्वास्थ्य जांच शिविर लगाए गए हैं। उन्होंने कहा कि महिलाएं स्वस्थ रहेंगी तभी परिवार स्वस्थ रहेगा। चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री ने सदैव महिला सशक्तिकरण पर विशेष बल दिया है। महिलाओं और बेटियों के कल्याण के लिए उन्होंने कई योजनाएं बनाई हैं। 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' की उन्होंने ही शुरुआत की।

केंद्रीय मंत्री ने सभी महिलाओं से आह्वान किया कि जांच शिविर में जाकर अवश्य मुक्त जांच की सुविधा का लाभ लें और अपने आस-पास की अन्य महिलाओं को भी इसके प्रति जागरुक करें। केंद्रीय मंत्री ने सभी महिलाओं से अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखने, पोषणयुक्त आहार लेने, योग, प्राणायाम करने का भी आह्वान किया। प्रधानमंत्री मोदी का उदाहरण देते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि हमारे प्रधानमंत्री तमाम व्यस्तताओं के बीच एक

स्वस्थ दिनचर्या का पालन करते हुए, जो हमसब सबके लिए बड़ी प्रेरणा का स्रोत है। अंत केंद्रीय मंत्री ने प्रधानमंत्री मोदी के 'स्वदेशी' अपनाने के संकल्प का भी जिक्र किया और सभी देशवासियों से आह्वान किया कि आने वाले त्यौहारों के अवसर पर एवं दैनिक उपयोग की चीजों के लिए यथासंभव स्वदेशी उत्पाद ही खरीदें। इससे अर्थव्यवस्था मजबूत होगी और प्रधानमंत्री के आत्मनिर्भर भारत के विजन को मजबूती मिलेगी।

ईवीएम बैलेट पेपर होगा रंगीन और अधिक स्पष्ट

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ईवीएम बैलेट पेपर को अधिक स्पष्ट और पढ़ने योग्य बनाने के लिए अब से बैलेट पेपर पर उम्मीदवारों के रंगीन फोटोग्राफ और बड़े अक्षरों में सीरियल नंबर छापेगा। बिहार से इसकी शुरुआत होगी।

चुनाव आयोग ने एक विज्ञप्ति जारी कर इसकी जानकारी दी। इस संबंध में दिशा-निर्देश जारी कर दिए गए हैं। आयोग का कहना है कि इन बदलावों से मतदाताओं को सुविधा होगी और अधिक पारदर्शिता आएगी। नए नियमों में अब उम्मीदवारों की तस्वीरें रंगीन होंगी। वहीं अंक भी बड़े और बोल्ड अक्षरों में होंगे। आयोग का कहना है कि यह भी पिछले छह महीनों में उठाए गए 28 सुधारात्मक कदमों की ही तरह हैं। आयोग ने स्पष्ट किया कि सभी उम्मीदवारों और नोटा के नाम समान फ़ॉन्ट और बड़े आकार में लिखे जाएंगे। बैलेट पेपर 70 जीएसएम कागज़ पर छपेंगे। विधानसभा चुनावों के लिए विशेष आरजीबी मानकों वाले गुलाबी रंग के कागज़ का उपयोग किया जाएगा।

मुख्य विपक्षी दल के नेता घुसपैठियों के दम पर चुनाव जीतना चाहते हैं : अमित शाह

एजेंसी

नई दिल्ली। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि 'घुसपैठिया बचाओ यात्रा' निकालने वाले राहुल गांधी, घुसपैठियों के दम पर चुनाव जीतान चाहते हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार मतदाता सूची को शुद्ध करने और घुसपैठियों को हटाने की प्रक्रिया का पूरा समर्थन करती है। अमित शाह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 75वें जन्मदिवस के अवसर पर 'सेवा पखवाड़े' की शुरुआत के तहत दिल्ली में आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर उन्होंने दिल्ली सरकार की लगभग 1723 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। इस दौरान दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और केन्द्रीय मंत्री हर्ष मल्होत्रा सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। अपने संबोधन में अमित शाह ने आरोप लगाया कि विपक्षी दलों को भारत की जनता पर भरोसा नहीं है और वे 'घुसपैठियों' के आधार पर ही चुनाव जीतना चाहते हैं। शाह ने विपक्ष पर

करारा प्रहार करते हुए जनता से अपील की कि वे 'घुसपैठिया बचाओ यात्रा' के असली मकसद को पहचानें। उन्होंने कहा, 'राहुल गांधी अभी-अभी एक घुसपैठिया बचाओ यात्रा लेकर निकाल रहे हैं। मुझे दिल्ली वाले बताएं, आपकी मतदाता सूची से घुसपैठियों को हटाया जाना चाहिए या नहीं हटाना चाहिए? ये किसको बचाने निकले हैं? कांग्रेस पार्टी घुसपैठिया बचाओ यात्रा लेकर निकली है। मैं आज इस मंच से देश की जनता को ये बताने आया हूं कि इनको पहचान लीजिए। वो चाहते हैं कि घुसपैठिये हमारी मतदाता सूची में बने रहें क्योंकि उन्हें भारत के लोगों पर भरोसा नहीं है। वे इन 'घुसपैठियों' के आधार पर चुनाव जीतना चाहते हैं।' उन्होंने कहा कि मतदाता सूची से घुसपैठियों को हटाना आवश्यक है। अमित शाह ने कहा कि मोदी सरकार के कार्यकाल में अयोध्या में भव्य राम मंदिर का निर्माण हुआ। इसके साथ ही काशी विश्वनाथ कॉरिडोर, सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण और करतारपुर साहिब कॉरिडोर जैसी लंबित परियोजनाओं को साकार किया गया। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर से धारा 370 हटाना भी मोदी सरकार की ऐतिहासिक उपलब्धि रही है। शाह ने कहा कि मोदी जी ने 24 वर्षों के सार्वजनिक जीवन में कभी छुट्टी नहीं ली और लगातार देश की सेवा में जुटे रहे। गृह मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के जन्मदिन को देशभर में सेवा पखवाड़े के रूप में मनाने की परंपरा पिछले 11 वर्षों से चली आ रही है। 17 सितंबर से लेकर 2 अक्टूबर तक यह पखवाड़ा चलता है, जिसके दौरान ग्राम पंचायतें, जिला पंचायतें, राज्य सरकारें और केन्द्र सरकार के विभिन्न विभाग गरीबों के कल्याण और स्वच्छता से जुड़ी योजनाओं की शुरुआत करते हैं।

पंजाब में राहुल गांधी को सिरोपा देने वाले ग्रंथी की सेवाएं समाप्त, दो निलंबित

एजेंसी

चंडीगढ़। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को पंजाब दौरे के समय सिरोपा भेंट किए जाने के मामले में शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी ने सख्त कार्रवाई की है। गुरु मर्यादा के उल्लंघन का आरोप लगाते हुए चार कर्मचारियों व अधिकारियों के विरूद्ध कार्रवाई की गई है।इनमें से दो को निलंबित कर दिया है, जबकि एक की सेवाएं समाप्त कर दी गई हैं। एक अधिकारी का तबादला किया गया है। राहुल गांधी बीती 15 सितंबर को पंजाब के बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा करने के लिए आए थे। इस दौरान वह अमृतसर स्थित बाबा बुड्ढा साहिब जी के गुरुद्वारा साहिब भी गए, जहां प्रबंधकों ने उन्हें सिरोपा पहनाकर सम्मानित किया। इसके बाद विवाद खड़ा हो गया और कई सिख जत्थेबंदियों ने एसजीपीसी के समक्ष आपत्ति दर्ज कराई। इस पर एसजीपीसी अध्यक्ष हरजिंद्र सिंह धामी ने एक कमेटी गठित की। कमेटी ने बुधवार सुबह इस मामले में रिपोर्ट सौंप दी, जिसके बाद एसजीपीसी अध्यक्ष ने कार्रवाई की है।

एसजीपीसी के सचिव प्रताप सिंह के मुताबिक कांग्रेस नेता राहुल गांधी के गुरुद्वारा बाबा बुड्ढा साहिब जी रमदास में आने के समय मर्यादा का उल्लंघन हुआ था, जिसकी जांच रिपोर्ट मिलने के बाद आज ही कार्रवाई कर दी गई है। कथावाचक भाई पलविंद्र सिंह तथा सेवादार भाई हरविंद्र सिंह को निलंबित कर दिया गया है। अस्थाई रूप से सेवा निभा रहे ग्रंथी भाई कुलविंद्र सिंह की सेवाएं समाप्त कर दी गई हैं। प्रबंधक प्रगट सिंह को चेतावनी देते हुए उनका तबादला कर दिया गया है। प्रताप सिंह ने बताया कि जांच रिपोर्ट में यह बात सामने आई है कि कांग्रेस नेता गुरुद्वारा साहिब के दरबार में निर्धारित जंगले के भीतर गए थे, जो मर्यादा का सीधे तौर पर उल्लंघन है। उन्होंने कहा कि इस निर्धारित स्थान पर जाने के लिए तय की गई वेषभूषा भी अनिवार्य है। अंदर की सेवा निभा रहे ग्रंथी, सेवादारों तथा संबंधित कर्मचारियों के अलावा कोई भी बाहरी व्यक्ति यहां प्रवेश नहीं कर सकता है। इसके अलावा कांग्रेस नेताओं को सिरोपा भेंट करते समय भी आतंरिक कमेटी के फैसले का उल्लंघन हुआ है। एसजीपीसी के अनुसार दरबार के भीतर किसी भी वीआईपी को सिरोपा नहीं दिया जा सकता है। इन दो कारणों के चलते जांच रिपोर्ट के आधार पर कर्मचारियों के विरूद्ध कार्रवाई की गई है। दूसरी तरफ, एसजीपीसी की महिला सदस्य किरनजोत कौर ने फेसबुक पर पोस्ट डाल कर लिखा-मेरी बात बहुत से लोगों को अच्छी नहीं लगेगी, लेकिन मैं कहना चाहती हूं। यदि इंदिरा गांधी ने दरबार साहिब पर हमला किया था, तो कौम ने उसे बख्शा नहीं। हिसाब बराबर।

एशिया कप में आज भारतीय टीम का मुकाबला ओमान से होगा

अबू धाबी (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम शुक्रवार को यहां एशिया कप क्रिकेट टूर्नामेंट के अपने अंतिम लीग मैच में ओमान के खिलाफ बड़ी जीत के इरादे से उतरेगी। सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में भारतीय टीम ने अभी तक अपने दोनो मैच आसानी से जीतकर ग्रुप ए से सबसे पहले सुपर फोर में जगह बनायी है। इससे अब ये मैच भारतीय टीम के लिए औपचारिकता भर रह गया है। ऐसे में वह मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को इस मैच में आराम दे सकती है। बुमराह की जगह अर्शदीप सिंह हो अवसर मिल सकता है। भारतीय टीम ने पहले मैच में यूएई वहीं दूसरे मैच में पाकिस्तान को एकतरफा मुकाबले में हराया था। जिससे उसका मनोबल बढ़ा हुआ है। भारतीय टीम ओमान के खिलाफ पहले मुकाबले से सुपर फोर के लिए अभ्यास करना चाहेगी। उसका लक्ष्य पूरे 20 ओवर बल्लेबाजी करना रहेगा।

अब तक के मुकाबलों में भारतीय टीम के युवा सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने अपेक्षा के अनुरूप तेज़ शुरुआत की है पर उनके जोड़ीदार शुभमन गिल को क्रीज पर कुछ समय बिताने की जरूरत है। कप्तान सूर्यकुमार ने पाकिस्तान के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन किया था पर वह चाहेंगे कि युवा बल्लेबाज तिलक वर्मा को बल्लेबाजी करने का कुछ और समय मिले।

भारतीय टीम को अब अगले एक सप्ताह में फाइनल सहित चार मैच खेलने हैं। इसे देखते हुए, टीम प्रबंधन हार्दिक पंड्या, संजू सैमसन, शिवम दुबे और अक्षर पटेल को भी बल्लेबाजी का कुछ अवसर देना चाहेगा। अगर ओमान पहले बल्लेबाजी करता है, तो मैच जल्दी समाप्त होना तय है क्योंकि ओमान टीम भारतीय गेंदबाजों का शायद ही सामना कर पाये। पाकिस्तान और यूएई के खिलाफ भी ओमान की बल्लेबाजी अच्छी नहीं रही। दो मैचों में एक भी बल्लेबाज़ 30 से अधिक रन नहीं बना पाया। हम्माद मिर्ज़ा ने पाकिस्तान के खिलाफ 27 रन जबकि आर्यन बिष्ट ने यूएई के खिलाफ 32 गेंदों पर 24 रन बनाए जो इन मैच में उसकी तरफ से सबसे अधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे।

भारतीय टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव इस मैच में बुमराह को आराम दे सकते हैं। वह भी अगर वह ऐसा करना चाहें। पाकिस्तान के खिलाफ मैच में चार ओवर गेंदबाजी करने और अच्छी तरह से आराम करने के बाद बुमराह ब्रेक लेना चाहेंगे ये तय नहीं है पर अगर वह लेते हैं तो इससे टीम को अर्शदीप को आजमाने का अवसर मिल जाएगा।

वहीं टीम प्रबंधन इस मैच में स्पिनर वरुण चक्रवर्ती और कुलदीप यादव में से किसी एक को आराम देकर हर्षित राणा को भी अवसर दे सकता है। इस मैच में बल्लेबाजी क्रम में भी थोड़ा बदलाव हो सकता है। भारतीय टीम ने इस मैदान पर अब तक नहीं खेला है जिससे उसे लय हासिल करने समय लग सकता है। वहीं ओमान की टीम इस मैच में भारतीय बल्लेबाजों और गेंदबाजों के साथ खेलकर अनुभवी हासिल करना चाहेगी।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

भारत = सूर्यकुमार यादव (कप्तान), शुभमन गिल, अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, हार्दिक पंड्या, शिवम दुबे, जितेश शर्मा, अक्षर पटेल, जसप्रीत बुमरा, वरुण चक्रवर्ती, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव, संजू सैमसन, हर्षित राणा, रिंकू सिंह।

ओमान = जतिंदर सिंह (कप्तान), हम्माद मिर्जा, विनायक शुक्ला, सुफियान यूसुफ, आशीष ओडेडेरा, आमिर कलीम, मोहम्मद नदीम, सुफियान महमूद, आर्यन बिष्ट, करण सोनावले, जिक्रिया इस्लाम, हसनैन अली शाह, फैसल शाह, मोहम्मद इमरान, नदीम खान, शकील अहमद, समय श्रीवास्तव।

विश्व चैंपियनशिप फाइनल में नीरज असफल रहे, सचिन यादव ने चौथा स्थान हासिल किया

टोक्यो (एजेंसी)। भारत के स्टार भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा विश्व चैंपियनशिप फाइनल में असफल रहे और आठवें स्थान पर रहे। वहीं भारत के ही सचिन यादव ने अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए चौथा स्थान हासिल किया। इस टूर्नामेंट में कोई भी अन्य भारतीय एथलीट एथलीट 90 मीटर से आगे नहीं बढ़ पाया, चोपड़ा पांचवें और अंतिम दौर के बाद 84.03 मीटर के सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ बाहर हो गए।

वहीं सचिन ने 86.27 मीटर का सर्वश्रेष्ठ थ्रो पहले ही प्रयास में किया। ये उनका व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन था और उन्होंने नीरज ही नहीं बल्कि जर्मनी के जूलियन वेबर (86.11 मीटर) और ओलंपिक चैंपियन अरशद नदीम (82.75 मीटर) को भी पीछे छोड़ दिया। स्पर्धा का स्वर्ण पदक त्रिनिदाद और टोबैगो के केशोर्न वालकॉट ने (88.16 मीटर) भाल फेंककर जीता। वहीं ग्रेनेडा के एंडरसन पीटर्स ने 87.38 मीटर और कर्टिस थॉम्पसन ने 86.67 मीटर के साथ ही दूसरा और तीसरा स्थान हासिल किया। वहीं पाकिस्तान के अरशद नदीम भी चौथे दौर में ही बाहर हो गये। चोपड़ा ने 83.65 मीटर से शुरुआत की जिससे वह पांचवें स्थान पर रहे और 84.03 मीटर के साथ इसमें सुधार किया लेकिन तीसरे थ्रो में फाउल कर बैठे।

पूर्व पाकिस्तानी क्रिकेटर ने पीसीबी अध्यक्ष मोहसिन नकवी पर लगाया भ्रष्टाचार का आरोप

स्पोर्ट्स डेस्क । पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड को एक नया झटका लगा है क्योंकि अध्यक्ष मोहसिन नकवी पर पाकिस्तान की एशिया कप जर्सी को लेकर भ्रष्टाचार का आरोप लगा है। पूर्व पाकिस्तानी क्रिकेटर अतीक-उज-जमान ने पीसीबी अध्यक्ष पर मेन इन ग्रीन के लिए घटिया जर्सी को मंजूरी देने का आरोप लगाया है।

अतीक-उज-जमान ने ट्विटर पर लिखा कि PCB द्वारा ड्राई-फिट किट देने का वादा करने के बावजूद पाकिस्तानी खिलाड़ी अपने मैचों के दौरान खूब पसीना बहा रहे थे। उन्होंने पाकिस्तानी खिलाड़ियों की तुलना दूसरी टीमों से भी की, जिनकी शर्ट पर उच्च गुणवत्ता वाले उत्पादों के कारण पसीने की एक बूंद भी नहीं थी। पूर्व क्रिकेटर ने अपने ट्विटर अकाउंट पर लिखा, 'पाकिस्तानी खिलाड़ी घटिया किट पहनकर पसीना बहा रहे हैं जबकि दूसरे खिलाड़ी सही ड्राई-फिट किट पहनते हैं। ऐसा तब होता है जब टेंडर पेशेवरों को नहीं, बल्कि दोस्तों को मिलते हैं। पसीने से ज्यादा भ्रष्टाचार टपक रहा है।'

गौर हो कि अतीक-उज-जमान 2000 में पाकिस्तान के लिए एक टेस्ट मैच और तीन एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच खेल चुके हैं।उनका घरेलू करियर काफी लंबा रहा जिसमें उन्होंने पाकिस्तान कस्टम्स, हबीब बैंक लिमिटेड, कराची ब्लूज़, कराची व्हाइट्स, खान रिसर्च लैबोरेटरीज जैसी टीमों का प्रतिनिधित्व किया। अतीक-उज-जमान ने कोचिंग की ओर रुख किया और फरवरी 2023 तक उन्हें जर्मनी की राष्ट्रीय क्रिकेट टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया गया। उन्होंने लंकाशायर के सेंट एन्स क्रिकेट क्लब के लिए इंग्लैंड में क्लब क्रिकेट भी खेला।

ध्रुव जुरेल ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ ठोका नाबाद शतक, 10 चौके और 4 छक्कों की मदद से बनाए 130 से ज्यादा रन

लखनऊ (एजेंसी)। विकेटकीपर बल्लेबाज ध्रुव जुरेल के नाबाद 113 रनों की बदौलत भारत 'ए' ने गुरुवार को यहां ऑस्ट्रेलिया 'ए' के खिलाफ अनौपचारिक टेस्ट के तीसरे दिन चार विकेट पर 403 रन बनाए। जुरेल के 132 गेंदों में खेली गई पारी (10 चौके और 4 छक्के) के अलावा भारत को कल के बल्लेबाज एन जगदीशन (64), बी साई सुदर्शन (73) के अर्धशतकों और देवदत्त पडिक्कल के नाबाद 86 रनों से भी मजबूती मिली। हालांकि श्रेयस अय्यर (8) अपनी छाप नहीं छोड़ पाए।

भारत 'ए' 129 रनों से पिछड़ रहा था और मुकाबला ड्रॉ की ओर बढ़ रहा था। इससे पहले सैम कोंस्टास (109) के तेज शतक और जोश फिलिप के नाबाद 123 रनों की बदौलत ऑस्ट्रेलिया ए टीम ने 6 विकेट पर 532 रन बनाकर पारी घोषित कर दी थी। दोनों टीमें 23-26 सितंबर तक इकाना स्टेडियम में दूसरे चार दिवसीय अनौपचारिक टेस्ट के लिए आमने-सामने होंगी, जिसके बाद वे तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला के लिए कानपुर रवाना होंगी।

दिन का खेल भारत ए के एक विकेट पर 116 रन से आगे खेलने के साथ शुरू हुआ। जगदीशन और सुदर्शन की कल की जोड़ी ने साझेदारी बनाने की कोशिश की, लेकिन वे ऐसा नहीं कर सके। जगदीशन, जिन्हें पिछले महीने इंग्लैंड में टेस्ट टीम में शामिल किया गया था, 113 गेंदों पर 64 रन (7 चौके, 1 छक्का) बनाकर जेवियर बार्टलेट की गेंद पर फिलिप के हाथों कैच आउट हुए।

मेजबान टीम ने सुदर्शन और पडिक्कल की जोड़ी के साथ 76 रनों की साझेदारी करके पारी को सुचारू रूप से आगे बढ़ाया। ज्यादातर रन तमिलनाडु के बाएं हाथ के बल्लेबाज सुदर्शन ने बनाए जिन्होंने इंग्लैंड में अपना पहला टेस्ट मैच खेला था, लेकिन पारी के 59वें ओवर में कॉनॉली ने उन्हें पगबाधा आउट कर दिया। भारत ए के कप्तान अय्यर के पास हाल ही में राष्ट्रीय टीम से मिली अनदेखी और अगले महीने की शुरुआत में वेस्टइंडीज के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए भारतीय टीम का चयन होने के बाद अपनी बात साबित करने का एक अच्छा मौका था। अय्यर 62वें ओवर में सिर्फ 8 रन बनाकर वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया के स्पिनर कोरी रोचिचियोली का शिकार बन गए, जिससे भारत ए को थोड़ी परेशानी हुई। यहीं पर जुरेल और पडिक्कल ने मिलकर पारी को संभाला और स्टंप तक दोनों एक-दूसरे से अलग नहीं हुए। जुरेल और पडिक्कल की पांचवें विकेट के लिए नाबाद 181 रनों की साझेदारी ने भारत ए को खेल खत्म होने तक बढ़त दिला दी, क्योंकि उन्होंने लगभग 4 ओवर प्रति ओवर की अच्छी रन रेट से रन बनाए। पडिक्कल 178 गेंदों पर 8 चौकों की मदद से नाबाद 86 रन बनाकर बल्लेबाजी कर रहे थे।

सिंधू ने अपना विजय अभियान जारी रखा, चाइना मास्टर्स के क्वार्टर फाइनल में पहुंची

शेनझेन (चीन) ।भारत की स्टार खिलाड़ी पीवी सिंधू ने अपना विजय अभियान जारी रखते हुए गुरुवार को यहां थाईलैंड की छठी वरीयता प्राप्त पोर्नपावी चोचुवोंग पर सीधे गेम में जीत के साथ चाइना मास्टर्स बैडमिंटन टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता सिंधू ने अपनी थाई प्रतिद्वंद्वी को 21-15, 21-15 से हराने में सिर्फ 41 मिनट का समय लिया। इस जीत के साथ विश्व बैंकिंग में 14वें स्थान पर काबिज सिंधू ने थाई शटलर के खिलाफ अपना रिकॉर्ड 6-5 का कर लिया है। क्वार्टर फाइनल में सिंधू का मुकाबला कोरिया की शीर्ष वरीयता प्राप्त एन से यंग और डेनमार्क की मिया ब्लिचफेल्ट के बीच होने वाले मैच की विजेता से होगा। हाल में हांगकांग ओपन के पहले दौर में बाहर होने वाली सिंधू सीधे गेम में मिली जीत से खुश थीं और उन्होंने कहा कि वह अपनी थाई प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ शुरू से ही सतर्क थीं। मैच के बाद भारतीय खिलाड़ी ने कहा, ''मैं जीत से खुश हूं और मेरे लिए शुरुआत से ही सतर्क रहना और अपना शत-प्रतिशत देना बेहद ज़रूरी था। वह (चोचुवोंग) एक शीर्ष खिलाड़ी है। मैं इंडोनेशिया ओपन में उसके खिलाफ खेली थी और उस बार भी मुकाबला कड़ा था। पहला गेम जीतने के बाद मैं दूसरे गेम में ज़्यादा सतर्क थी। मैंने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया और मुझे खुशी है कि मैं जीत हासिल करने में सफल रही।' उन्होंने कहा, 'मुझे अब कल के लिए तैयारी करनी होगी। यह अच्छी बात है कि अगर आप पहला गेम जीत जाते हैं तो दूसरे गेम में उसे खत्म कर देते हैं। सीधे गेम में जीत हमेशा आपको आत्मविश्वास देती है। लेकिन आपको लंबे मैचों के लिए भी तैयार रहना होगा और यह सुनिश्चित करना होगा कि आप तेज़ी से आगे बढ़ें।'

विश्व चैंपियनशिप में शीर्ष पर पहुंचना है लक्ष्य : मीराबाई चानू

अहमदाबाद ।ओलंपिक रजद पदक विजेता भारोत्तोलक मीराबाई चानू का लक्ष्य अब अक्टूबर में होने वाली विश्व चैंपियनशिप में शीर्ष पर पहुंचना है। चानू ने इसके लिए अभ्यास भी शुरु कर दिया है। पिछले कुछ समय से फिट नहीं होने के कारण वह खेल से दूर थीं। हाल के वर्षों में चोटों से जूझती रहीं चानू पिछली बार पेरिस ओलंपिक में खेली थीं। चानू ने 2028 लॉस एंजिल्स खेलों के लिए नए ओलंपिक भार वर्ग लागू होने के बाद 49 किग्रा से 48 किग्रा में जाने का फैसला किया है। वह इस 48 किग्रा भार वर्ग में अपना विश्व चैंपियनशिप खिताब और दो राष्ट्रमंडल खेलों के पदक जीत चुकी हैं लेकिन 2018 के बाद से इसमें प्रतिस्पर्धा नहीं की है। चानू अब अपनी तकनीक बेहतर बनाने में लगी हैं। जिससे वह स्नैच में 90 किलोग्राम का वजन उठा सकें। चानू ने कहा कि वह राष्ट्रमंडल चैंपियनशिप में पूरी ताकत नहीं लगाएंगी जो अगले साल ग्लासगो में होने वाले राष्ट्रमंडल खेलों के लिए क्वालीफाइंग टूर्नामेंटों में से एक है। उन्होंने कहा, 'मैं विश्व चैंपियनशिप की तैयारी कर रही हूं। मेरा सबसे बड़ा लक्ष्य एशियाई खेल हैं जहां मेरा लक्ष्य विश्व रिकॉर्ड तोड़ना और पदक जीतना है क्योंकि मैंने अभी तक वहां कोई रिकॉर्ड नहीं बनाया है। चानू के अलावा अन्य प्रतियोगियों से भी देश को बेहतर प्रदर्शन की उम्मीदें हैं।

एशिया कप का बॉयकॉट करने से क्यों पीछे हटा पाकिस्तान? पीसीबी प्रमुख ने तोड़ी चुप्पी

नई दिल्ली (एजेंसी)। खेलों में भी सियासत पीछे नहीं रही है। हाल ही में पाकिस्तान ने एशिया कप 2025 में यूएई के खिलाफ मैच से पहले खूब ड्रॉमा किया। भारत के खिलाफ 14 सितंबर को हुए हैंडशेक विवाद के बाद पाकिस्तान लगातार आईसीसी से मैच रेफरी एंडी पाइक्रॉफ्ट को हटाने की अपील कर रहा था। यूएई के खिलाफ मैच के दिन भी पाकिस्तान इस बात पर अड़ा रहा, हालांकि उनकी कोई मांग पूरी नहीं हुई और पाकिस्तान की टीम एक घंटे की देरी के साथ मैच खेलने मैदान पर पहुंची। इस दौरान पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के चीफ मोहसिन नकवी ने नजम सेठी और रमीज राजा के साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस की।

नकवी ने कहा कि बहिष्कार एक बहुत बड़ा फैसला था और स्थिति पर नजर रखी जा रही है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और अन्य प्रमुख सरकारी अधिकारियों के समर्थन के बाद, यह निर्णय लिया गया है कि टीम टूर्नामेंट में बनी रहेगी और यूएई के खिलाफ खेलेगी।

मोहसिन नकवी ने कहा, जैसा कि आप सभी जानते हैं, 14 सितंबर से एक संकट चल रहा है। हमें मैच रेफरी (एंडी पाइक्रॉफ्ट) की भूमिका पर आपत्ति थी। कुछ देर पहले ही मैच रेफरी ने टीम के कोच, कप्तान और मैनेजर से बात की थी। उन्होंने कहा कि यह घटना (हाथ न मिलाने की घटना) नहीं होनी चाहिए थी। हमने पहले भी आईसीसी से मैच के दौरान हुए आचार संहिता उल्लंघन की जांच कराने का अनुरोध किया था। हमारा मानना है कि राजनीति और खेल साथ-साथ नहीं चल सकते। यह खेल है, और इसे खेल ही रहने देना चाहिए। क्रिकेट को इन सबसे अलग होना चाहिए।

रमीज राजा ने कहा, यह एक गंभीर स्थिति बन गई थी जहां भावनाएं बहुत ज्यादा भड़क रही थीं। मुझे खुशी है कि हमने कोई भावनात्मक फैसला नहीं लिया जिससे क्रिकेट को नुकसान पहुंच सकता था। यह बहुत जरूरी था। अब इस क्रिकेट टीम को जो भी कहना चाहिए, उन्हें इस कहानी को आगे बढ़ाना चाहिए। आपने जो भी भावनाएं महसूस की हैं, उन्हें मैदान पर दिखाएं, दिखाएं कि हम कितने महान क्रिकेट राष्ट्र हैं। मेरी सबसे बड़ी आपत्ति मैच के बाद के प्रेजेंटेशन (भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव द्वारा) में कही गई बातों पर थी। वह संपादकीय ही सबसे महत्वपूर्ण बिंदु था।

अगर (मैच रेफरी की ओर से) माफी माँगी गई है और आई है, तो यह अच्छा है क्योंकि क्रिकेट को क्रिकेट ही रहना चाहिए, वरना इसका कोई अंत नहीं है। जैसा कि मोहसिन साहब ने कहा, जांच होगी ताकि ऐसी घटनाएं दोबारा न हों। दिलचस्प बात यह है कि एंडी पाइक्रॉफ्ट भारत के पसंदीदा मैच रेफरी हैं। जब भी मैं कोई मैच करता हूं (कमेंटेटर के रूप में और टॉस के समय), मुझे लगता है कि पाइक्रॉफ्ट (भारत के मैचों में) एक स्थायी सदस्य हैं। वह 90 बार भारत के मैचों में मैच रेफरी रह चुके हैं। मुझे यह एकतरफा लगता है।

गांगुली दूसरी बार बनेंगे कैब अध्यक्ष

कोलकाता ।भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली का एक बार फिर बंगाल क्रिकेट बोर्ड (कैब) का अध्यक्ष बनना तय है। गांगुली कैब अध्यक्ष पद के लिए नामांकन दाखिल करने वाले एकमात्र उम्मीदवार है। ऐसे में उनका निर्विरोध चुना जाना तय है। वह दूसरी बार ये पद संभालेंगे। इससे पहले वह 2015 से 2019 तक इस पद पर रहे हैं। कैब के चुनाव 22 सितंबर को होने वाले हैं। इसमें गांगुली के साथ-साथ उनके पैनल के दूसरे सदस्यों का भी निर्विरोध चुना जाना तय है। उनके पैनल में उपाध्यक्ष के लिए नितीश रंजन दत्ता, सेक्रेटरी के लिए बबलू कोले, जॉइंट सेक्रेटरी के लिए मदन घोष और कोषाध्यक्ष के लिए संजय दास का नाम शामिल है। गांगुली अपने बड़े भाई स्नेहाशीष गांगुली की कैब अध्यक्ष पद संभालेंगे। जो 2019 से इस पद पर थे। गांगुली 2019 से 2022 तक बीसीसीआई के अध्यक्ष भी रहे हैं। बीसीसीआई के आगामी चुनावों के लिए भी अध्यक्ष के तौर पर भी उनका नाम आ रहा है। इसका कारण है कि बंगाल बोर्ड ने उन्हें अपना प्रतिनिधि बनाया है।

नीदरलैंड के अनीश गिरि नें जीता फीडे ग्रांड स्विस कैंडिडैट में बनाई जगह

समरकंद, उज्बेकिस्तान ।फीडे ग्रांड स्विस 2025 में पुरुष वर्ग का खिताब नीदरलैंड के अनीश गिरि नें अपने नाम कर लिया है साथ ही उन्होने फीडे कैंडिडैट में अपना स्थान पक्का कर लिया है ।अनीश नें रोमांचक मुक़ाबले में यूएसए के नीमन हंस मोके को पराजित करते हुए 8 अंक बनाकर खिताब अपने नाम कर लिया वहीं 7.5 अंको पर बेहतर टाईब्रेक के आधार पर जर्मनी के माथियस ब्लूबम नें दूसरा स्थान हासिल किया और फीडे कैंडिडैट में जगह बना ली वहीं 7.5 अंक बनाने वाले फ्रांस के अलीरेजा तीसरे स्थान पर रहे पर कैंडिडैट में जगह बनाने से चूक गए ।भारतीय खिलाड़ियों में तीसरे बोर्ड पर भारत के अर्जुन एरीगैसी और जर्मनी के विंसनेट केमर के बीच, पांचवें बोर्ड पर निहाल सरीन और फ्रांस के मकसीम लागरेव के बीच और सातवें बोर्ड पर विदित गुजराती और यूएसए के अभिमन्यु मिश्रा के बीच बाजी बेनतीजा रही और भारतीय खिलाड़ियों में से कोई भी इस बार कैंडिडैट में ग्रांड स्विस के जरिये जगह नहीं बना पाया ।अंक तालिका में 7 अंक बनाकर अर्जुन छठे निहाल नौवे और विदित 15वें स्थान पर रहे ।प्रज्ञानन्दा अपना आखिरी मैच ड्रॉ खेलकर 35वें स्थान पर रहे ।वहीं बेहद खराब लय से जूझने के बाद विश्व चैम्पियन डी गुकेश अपने आखिरी मैच में जीतकर 6 अंक बनाकर 41वें स्थान पर रहे ।पुरुष वर्ग में फीडे कैंडिडैट में अब तक यूएसए के फबियानों करूआना, अनीश और ब्लूबम पहुँच गए है जबकि तीन स्थान अगले माह भारत में होने जा रहे विश्व कप से, एक स्थान फीडे की सर्वश्रेष्ठ रेटिंग से और एक फीडे सर्किट 2025 के विजेता से भरा जाएगा ।

एशिया कप के ड्रामे के बीच एसीसी ने अधूरी वार्षिक आम बैठक फिर से बुलाई

दुबई : पिछले कुछ दिनों में दुबई और लाहौर में मैदान के अंदर और बाहर खेला गया एशिया कप का नाटकीय घटनाक्रम अब इस महीने के अंत में एशियाई क्रिकेट परिषद (ष्ट्ष्ट) की बैठक के दौरान बोडरूम में स्थानांतरित हो सकता है। एसीसी की वार्षिक आम बैठक, जिसे कुछ महीने पहले ढाका में अचानक स्थगित कर दिया गया था, अब 30 सितंबर को दुबई में पुनर्निर्धारित की गई है। एशिया कप फाइनल के दो दिन बाद होने वाली इस बैठक में, जिसकी अध्यक्षता पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के प्रमुख मोहसिन नकवी करेंगे, जोरदार हंगामा होने की उम्मीद है – मौजूदा चैंपियनशिप से जुड़े मुद्दों और ढाका में 24 जुलाई को होने वाली बैठक में अधूरे रह गए कार्यों को लेकर। एजीएम का एजेंडा अभी जारी नहीं किया गया है, लेकिन एशिया कप ने पहले ही कई मुद्दे सामने ला दिए हैं – हाथ मिलाने का विवाद, मैच रेफरी विवाद और पाकिस्तान के हटने की धमकी – जिन पर विचार-विमर्श किया जाना है। एक और विवाद भी छिड़ सकता है, जो इस बात पर निर्भर करेगा कि एशिया कप कौन जीतता है, ट्रॉफी कौन प्रदान करता है, और समारोह का आयोजन कैसे होता है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड से कौन भाग लेगा, यह भी एक कारक हो सकता है। महिला वनडे विश्व कप उसी दिन गुवाहाटी में शुरू हो रहा है, और बीसीसीआई सदस्यों के उद्घाटन समारोह में व्यस्त रहने की उम्मीद है। बहुत कुछ इस बात पर निर्भर करेगा कि एसीसी बैठक में बोर्ड का प्रतिनिधित्व करने के लिए किसे नामित किया जाता है। यह निर्णय दो दिन पहले, 28 सितंबर को मुंबई में बीसीसीआई की अपनी वार्षिक आम बैठक (एजीएम) में लिया जाएगा। वर्तमान में, राजीव शुक्ला और आशीष शेलार एसीसी में बीसीसीआई के नामित प्रतिनिधि हैं। दोनों ने ढाका बैठक में वर्चुअल माध्यम से भाग लिया था। 30 सितंबर के एजेंडे में सबसे महत्वपूर्ण विषय एसीसी उपाध्यक्ष का चुनाव होगा।

फीफा विश्व रैंकिंग: स्पेन 2014 के बाद पहली बार शीर्ष स्थान पर

नयी दिल्ली (एजेंसी)। जून और जुलाई में पहले फीफा क्लब विश्व कप की शानदार सफलता के बाद एक अंतराल के बाद, पुरुषों की अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल प्रतियोगिता इस महीने की शुरुआत में अफ्रीका, यूरोप और अमेरिका में फीफा विश्व कप 26 क्वालीफायर की एक श्रृंखला के रूप में वैश्विक मंच पर धमाकेदार वापसी कर रही है।

फीफा/कोका-कोला पुरुष विश्व रैंकिंग के अंतिम बार अपडेट होने के बाद से, दुनिया भर में 200 से ज्यादा प्रासंगिक राष्ट्रीय टीमों के मैच खेले जा चुके हैं, जिनका रैंकिंग पर बड़ा प्रभाव पड़ा है। सबसे बड़ा बदलाव शीर्ष पर हुआ है, जहां यूईएफए यूरो 2024 विजेता स्पेन एक स्थान ऊपर चढ़कर पहले स्थान पर पहुंच गया है, यह एक ऐसा स्थान है जो उन्होंने जून 2014 के बाद से पुरुष वर्ग में हासिल नहीं किया था।

इस प्रक्रिया में उन्होंने लंबे समय से शीर्ष पर चल रहे अर्जेंटीना (तीसरे, 2 स्थान नीचे) को हटा दिया है, जो अप्रैल 2023 से इस स्थान पर था। मौजूदा विश्व चैंपियन को पछाड़ने में ऊंचे स्थान पर चल रहे स्पेन के साथ, वह टीम भी शामिल है जिसे अर्जेंटीना ने फीफा विश्व कप 2022 के फाइनल में हराया था, फ्रांस (दूसरे, 1 स्थान ऊपर)। थोड़ा और नीचे, पुर्तगाल, क्रोएशिया और इटली सभी एक स्थान ऊपर चढ़कर क्रमशः 5वें, 9वें और 10वें स्थान पर पहुंच गए हैं, जिससे ब्राजील (छठे, 1 स्थान नीचे) और जर्मनी (12वें, 3 स्थान नीचे) को हुए नुकसान का पूरा फायदा उठाया जा रहा है।

जर्मनी के लिए, फीफा विश्व कप 26 के अपने पहले क्वालीफायर में स्लोवाकिया से मिली हार से नुकसान हुआ है और अक्टूबर 2024 के बाद पहली बार वे शीर्ष 10 से बाहर हैं। मोरक्को (11वें स्थान पर, 1 अंक ऊपर) अब शीर्ष 10 से बाहर पीछा करने वाली टीमों में सबसे आगे है, जिसने जुलाई में रैंकिंग के पिछले संस्करण के बाद से अपने नौ में से आठ मैचों में जीत हासिल की है। कुल मिलाकर सबसे ज्यादा चढ़कर स्लोवाकिया (42वें स्थान पर, 10 स्थान ऊपर) रहा है, जिसने अपने विश्व कप क्वालीफाइंग अभियान की शुरुआत लगातार दो जीतों से की थी - जिसमें जर्मनी को हराने वाली जीत भी शामिल है - और उसे शीर्ष 50 में वापस स्थान मिला है।

सभी टीमें कम से कम पांच स्थान ऊपर पहुंची हैं, गाम्बिया (115वें स्थान पर, 8 स्थान ऊपर), मेडागास्कर (108वें स्थान पर, 7 स्थान ऊपर), पैराग्वे (37वें स्थान पर, 6 स्थान ऊपर), युगांडा (82वें स्थान पर, 6 स्थान ऊपर), लीबिया (112वें स्थान पर, 5 स्थान ऊपर), सूरीनाम (131वें स्थान पर, 5 स्थान ऊपर) और फरो आइलैंड्स (136वें स्थान पर, 5 स्थान ऊपर) अन्य प्रमुख टीमें हैं।

फ़ीफ़ा विश्व कप 26 के सह-मेजबान कनाडा (26वें स्थान पर, 2 स्थान ऊपर) और यूईएफए के उभरते हुए कोसोवो (91वें स्थान पर, 4 स्थान ऊपर) ने भी दो और उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। रैंकिंग के पिछले संस्करणों में सर्वकालिक उच्चतम स्तर हासिल करने के बाद, दोनों टीमें लगातार नई उपलब्धियां हासिल कर रही हैं।

07 नवंबर को दस्तक देगी सोनाक्षी की साउथ डेब्यू फिल्म जटाधरा

सिनेमा के प्रेमियों के लिए इस साल की आखिरी तिमाही काफी दिलचस्प होने वाली है। अक्तूबर से लेकर दिसंबर तक कई दिलचस्प फिल्में रिलीज होने जा रही हैं। फिल्मों की इस सूची में सोनाक्षी सिन्हा की पहली साउथ फिल्म जटाधरा का नाम भी जुड़ गया है, जो इस साल नवंबर में रिलीज होगी। हिंदी और तेलुगु भाषा में होगी रिलीज मेकर्स ने आज फिल्म जटाधरा की रिलीज डेट से पर्दा उठा दिया है। इंस्टाग्राम अकाउंट से एक पोस्ट के जरिए फिल्म का टीजर वीडियो साझा किया है। इसके साथ बताया है कि यह फिल्म 07 नवंबर 2025 को रिलीज होगी। फिल्म हिंदी और तेलुगु भाषा में दस्तक देगी।

यह फिल्म पैन इंडिया स्तर पर रिलीज की जाएगी। सोनाक्षी सिन्हा ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से एक पोस्ट शेयर किया है। रिलीज डेट के साथ इसका कैप्शन लिखा है, अंधकार की गहराइयों के बाद एक उदय जरूर होता है। फिल्म में सोनाक्षी सिन्हा और सुधीर बाबू की जोड़ी देखने को मिलेगी, जिसके लिए दर्शक उत्साहित हैं। फिल्म में दिव्या खोसला, शिल्पा शिरोडकर, इंदिरा कृष्णा, रवि प्रकाश, नवीन नेनी और रोहित पाठक जैसे सितारे भी अहम भूमिकाओं में हैं।

दर्शकों ने जताई खुशी

फिल्म के निर्देशन की कमान अभिषेक जयसवाल और वेंकट कल्याण ने संभाली है। वहीं, उमेश कुमार बंसल, शिविन नारंग, अरुणा अग्रवाल, प्रेरणा अरोड़ा, शिल्पा सिंघल और निखिल नंदा मिलकर इसका निर्माण कर रहे हैं। फिल्म की रिलीज डेट के एलान पर दर्शक उत्साहित हैं। यूजर्स लिख रहे हैं, इस जादुई फिल्म का इंतजार है। वहीं, कुछ यूजर्स लिख रहे हैं, इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार है।

बॉलीवुड आउटसाइडर्स के लिए बिल्कुल बंद था

मैं किसी तरह कामयाब हुई

प्रियंका चोपड़ा बॉलीवुड ही नहीं, अब हॉलीवुड में भी एक बड़ा नाम बन चुकी हैं। आज वो विदेशों में किसी फिल्मी इवेंट में जब पहुंचती हैं तो वहां के लोगों में उन्हें लेकर गजब की दीवानगी देखी जा सकती है। हालांकि, उनके लिए यहां तक पहुंचने का सफर बिल्कुल भी आसान नहीं था। बतौर आउटसाइडर्स उन्होंने इस राह में जो कुछ झेला, उसकी कहानी उन्होंने सुनाई भी है। उन्होंने हाल ही में अपने स्ट्रगल की कहानी फिर सुनाई है और कहा है कि इस ने हाल ही में बताया कि पीढ़ी दर पीढ़ी एक्टर्स और फिल्म प्रड्यूसर्स के दबदबे वाली इंडस्ट्री में जगह बनाना कितना मुश्किल था। प्रियंका चोपड़ा ने कहा कि इन्हीं अनुभवों ने उन्हें अपना खुद का प्रोडक्शन हाउस शुरू करने के लिए प्रेरित किया। हाल ही में एक इवेंट में बोलते हुए प्रियंका ने कहा कि उन्होंने बॉलीवुड में एक आउट साइडर के रूप में अपने सफर पर बातें की। उन्होंने 2015 में पर्पल पेबल पिक्चर्स लॉन्च किया था।

आउटसाइडर्स के लिए बिल्कुल बंद था बॉलीवुड में उन्होंने कैमरे के पीछे जाने का फैसला क्यों किया, इस बारे में बात करते हुए प्रियंका ने कहा, मैंने साल 2000 में ब्यूटी कॉन्टेस्ट जीता और इस तरह मुझे फिल्मों में आने का मौका मिला और मैं इसमें आगे बढ़ गई। और मैंने भारतीय फिल्मों में काम करना शुरू कर दिया। भारत में हिंदी और तमिल फिल्मों में... ये साल 2002 की बात है, लेकिन बॉलीवुड इंडस्ट्री एक तरह से... कम से कम आउटसाइडर्स के लिए बिल्कुल बंद था।

मुझे असफल होना पसंद नहीं है

उन्होंने आगे कहा, एक्टर्स पीढ़ी दर पीढ़ी, निर्देशक पीढ़ी दर पीढ़ी और निर्माता भी ऐसे ही होते हैं। इसलिए जब आप इंडस्ट्री में कदम रखना चाहते हैं और कास्ट होना चाहते हैं तो ये आसान नहीं होता, लेकिन किसी तरह मैंने इसमें सफलता हासिल की। मैं काफी एम्बिशियस थी। मुझे असफल होना पसंद नहीं है।

मैं लगातार कोशिश करती रही

उन्होंने कहा, मैं लगातार कोशिश करती रही। मैं किसी तरह कामयाब हुई। और फिर पर्पल पेबल पिक्चर्स मेरे लिए वो जगह बनाने का जरिया बन गया जो मेरे पास पहले कभी नहीं था। प्रियंका ने बताया कि उनका उद्देश्य उन फिल्ममेकर्स और लेखकों के लिए अवसर पैदा करना है, जिन्हें बड़े बजट की फिल्मों में मौका नहीं मिलता और उन छोटी फिल्मों को सपोर्ट करना है जिन्हें पहचान मिलनी चाहिए।

वर्कफ्रंट की बात करें तो प्रियंका जल्द ही एसएस राजामौली की फिल्म एसएसएमबी 29 के साथ भारतीय फिल्मों में वापसी करने के लिए तैयार हैं।

मैं दुनिया भर के एंटरटेनमेंट के लिए एक ऐसा माध्यम बनना चाहती थी...

प्रियंका ने कहा, मैं दुनिया भर के एंटरटेनमेंट के लिए एक ऐसा माध्यम बनना चाहती थी जिससे उन्हें वह प्रसिद्धि मिल सके जिसकी वे चाहत रखते हैं। मुझे उन फिल्मों पर बहुत गर्व है जिनसे हम जुड़े रहे हैं और जिन्हें हमने समय के साथ बनाया है। उन्हें शानदार प्रतिक्रिया मिली है और उन्होंने वह प्रसिद्धि पाई है जिसके वे हकदार थे।

मैडम सपना हर महिला की कहानी है

सपना चौधरी के जीवन की कहानी जल्द ही बड़े परदे पर दिखेगी। इसे महेश भट्ट की गाइडेंस में विनय भारद्वाज लेकर आ रहे हैं। अपनी बायोपिक को लेकर सपना ने खास बातचीत की...

मुझे मुंबई से बहुत बड़े-बड़े प्रोडक्शन हाउस से ऑफर आ रहे थे। उन लोगों ने मुझे अपना प्वाइंट ऑफ व्यू बताया कि वो मेरे ऊपर किस तरह से फिल्म बनाना चाहते हैं। जब मैंने उन सबको सुना तो मुझे एहसास हुआ कि किसी को पैसे कमाने थे। कोई मेरी लाइफ में फिक्शन डालना चाहता था। मतलब सबका कोई ना कोई अपना मकसद था। ऐसे में मैंने विनय भारद्वाज को कॉल किया। आप मैंने उन्हें कॉल करके कहा कि भाई बायोपिक बनाएंगे? उन्होंने पूछा कि किसकी मुझे ऐसे ऑफर्स मिले हैं हैं तो उन्होंने कहा कि बायोपिक बनानी है? मैंने उन्हें बताया कि बिल्कुल बनाएंगे।

टीजर पर लोगों का बहुत पॉजिटिव रिस्पॉन्स मिला। मेरा कहना है कि ये सिर्फ डांसर की कहानी नहीं है। इस फिल्म को बिल्कुल भी ऐसे नहीं देखा जाना चाहिए। ये हर महिला की कहानी है। जो घर संभाला रही है, जो ऑफिस में काम कर रही है, जो डांस कर रही है या जो बच्चे संभाला रही है। इस फिल्म को हर महिला को देखनी चाहिए कि आप खुद को कैसे प्रोटेक्ट कर सकती हैं। नरभक्षी हर जगह हैं। आपके घर में, बाहर, ऑफिस में हर जगह मौजूद हैं। इस फिल्म में बताया गया है कि जब एक औरत लड़ती है तो किस हद तक जाती है। मैं और मेरी मां हम लड़े हैं, लड़ते आए हैं और लड़ते ही रहेंगे।

बॉलीवुड में आपको कौन इंस्पायर करता हैं?

बॉलीवुड की तीन महिलाओं ने मुझे बहुत प्रभावित किया है। श्रीदेवी, माधुरी दीक्षित और ऐश्वर्या राय। इनका काम मुझे प्रभावित करता है। इनके एक्सप्रेशन और डांस ने मुझे मोटिवेट किया है। मैं इन तीनों का काम देखते रहती हूं। इंटरनेशनल आर्टिस्ट में मुझे शकीरा बहुत पसंद हैं। इन सभी को देखकर मुझे अपनी कला को और निखारने की प्रेरणा मिलती है।

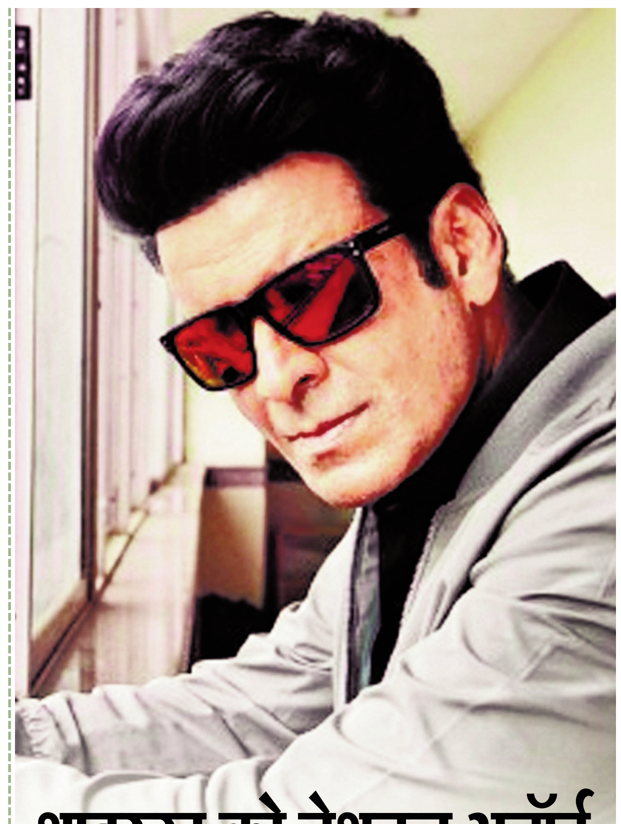

शाहरुख को नेशनल अवॉर्ड मिलने पर हुई तुलना

पुरस्कार विश्वसनीयता खो रहे हैं

अभिनेता मनोज बाजपेयी की दो हफ्तों में दो फिल्में रिलीज हुई हैं। एक ओर 'इंस्पेक्टर जेंडे' ओटीटी पर रिलीज हुई है। वहीं दूसरी ओर 'जुगनुमा-द फेबेल' ने सिनेमाघरों में दस्तक दी है। दोनों ही फिल्मों को क्रिटिक्स ने काफी सराहा भी है। अब मनोज बाजपेयी ने शाहरुख खान को नेशनल अवॉर्ड मिलने पर प्रतिक्रिया दी है। क्योंकि रेस में मनोज बाजपेयी भी 'सिर्फ एक बंदा काफी है' के लिए थे।

शाहरुख खान के 'जवान' फिल्म के लिए नेशनल अवॉर्ड जीतने पर छिड़ी बहस में कई लोगों का कहना था कि शाहरुख की जगह मनोज बाजपेयी 'सिर्फ एक बंदा काफी है' के लिए नेशनल अवॉर्ड के हकदार थे। अब इस तरह की तुलनाओं पर मनोज बाजपेयी ने चुप्पी तोड़ी है। बातचीत के दौरान मनोज बाजपेयी ने इस पूरे मुद्दे पर कहा कि यह एक बेकार बातचीत है क्योंकि यह अब खत्म हो चुकी है। जहां तक 'सिर्फ एक बंदा काफी है' की बात है, तो हां यह मेरी फिल्मोग्राफी में एक बहुत ही खास फिल्म है और 'जोरम' भी। लेकिन मैं इन बातों पर चर्चा नहीं करता क्योंकि यह एक बहुत ही बेकार बातचीत है। यह अतीत की बात है और इसे यूं ही छोड़ देना चाहिए।

अभिनेता ने भारत में फिल्म पुरस्कारों के बदलते स्वरूप पर भी चिंता जताई।

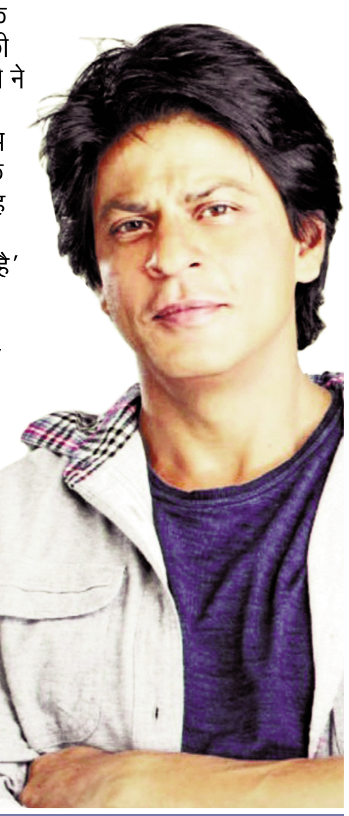

उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय पुरस्कारों समेत कई पुरस्कार व्यावसायिक आकर्षण के चक्कर में अपनी विश्वसनीयता खो रहे हैं। उन्हें गंभीरता से सोचना चाहिए कि वे कैसे काम कर रहे हैं। क्योंकि यह मेरे सम्मान की बात नहीं है। मैं फिल्म चुनते समय अपने सम्मान का बहुत ध्यान रखता हूं। लेकिन हर संस्था को अपने बारे में सोचना होता है। यह मेरा काम नहीं है। मुझे लगता है कि मेरे लिए अवॉर्ड फंक्शन का विचार गलत है। यह आपके घर की सजावट का एक छोटा सा हिस्सा है। हर रोज आप इसके सामने खड़े होकर यह नहीं कहेंगे, वाह, मैंने यह कर दिखाया।

चार नेशनल अवॉर्ड जीत चुके हैं मनोज

इस साल शाहरुख खान को उनकी फिल्म 'जवान' के लिए उनके करियर का पहला नेशनल अवॉर्ड मिला है। वहीं मनोज बाजपेयी अब तक चार बार राष्ट्रीय अवॉर्ड अपने खाते में कर चुके हैं। मनोज बाजपेयी को 'सत्या', 'पिंजर', 'अलीगढ़' और 'भोंसले' के लिए नेशनल अवॉर्ड मिल चुका है।

ओजी में दिखेगा इमरान हाशमी का जलवा

साउथ फिल्मों में डेब्यू चुके हैं कई स्टार्स

बॉलीवुड के कई स्टार्स साउथ फिल्मों में भी अभिनय का तड़का लगा चुके हैं। कियारा आडवाणी से लेकर जान्हवी कपूर तक साउथ फिल्मों में अपना जलवा बिखेर चुकी हैं। वहीं अब इमरान हाशमी फिल्म दे कॉल हीम ओजी से अपना साउथ डेब्यू करने वाले हैं। इमरान हाशमी की आगामी फिल्म दे कॉल हिम ओजी 25 सितंबर, 2025 को रिलीज होने वाली है। यह इमरान की पहली साउथ डेब्यू फिल्म है। इस फिल्म में पवन कल्याण मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। फिल्म में पवन कल्याण और इमरान हाशमी के अलावा प्रियंका अरुल मोहन मुख्य भूमिका में नजर आएंगी। इमरान हाशमी विलेन की भूमिका में नजर आ सकत हैं। फिल्म में अर्जुन दास, श्रीया रेड्डी, हरीश उथमन, प्रकाश राज, शाम जैसे कलाकार भी अहम किरदारों में नजर आएंगे। फिल्म का संगीत थमन दे तैयार किया है।

बॉबी देओल

फिल्म कंगुवा 2024 में रिलीज हुई थी। कंगुवा बॉबी देओल की पहली तमिल फिल्म थी। बॉबी देओल ने तमिल पीरियड एक्शन ड्रामा कंगुवा में नकारात्मक भूमिका निभाई थी। यह सूर्या की सबसे महंगी भारतीय फिल्मों में से एक है। हालांकि, यह फिल्म बॉक्स-ऑफिस पर खास कमाल नहीं दिखा पाई थी। फिल्म में सूर्या दोहरी भूमिकाओं में हैं। इस फिल्म में बॉबी और सूर्या के अलावा दिशा पटानी, नट्टी सुब्रमण्यम, केएस रविकुमार, योगी बाबू, रेडिन किंग्सले, कोवई सरला, रवि राघवेंद्र और करुणास ने भी अहम भूमिका निभाई हैं। इसके अलावा बॉबी साउथ एक्टर नंदमुरी बालकृष्ण की फिल्म डाकू महाराज में भी अहम भूमिका निभा चुके हैं।

कियारा आडवाणी

कियारा आडवाणी ने फिल्म भारत अने नेनु से साउथ में डेब्यू किया था। यह फिल्म 2018 में रिलीज हुई थी। इस फिल्म में कियारा के साथ साउथ एक्टर महेश बाबू ने अहम भूमिका निभाई थी। इस फिल्म के अलावा कियारा एक्टर राम चरण के साथ साउथ फिल्म गेम चेंजर में भी नजर आ चुकी हैं।

जान्हवी कपूर

जान्हवी ने फिल्म देवरा - भाग 1 से साउथ की फिल्मों में डेब्यू किया। यह फिल्म 2024 में रिलीज हुई थी। इस तेलुगु भाषा की एक्शन ड्रामा फिल्म को कोरटाला शिवा ने लिखा और निर्देशित किया है। फिल्म में एनटी रामा राव जूनियर दोहरी भूमिकाओं में हैं। जूनियर एनटीआर और जान्हवी के अलावा फिल्म में सैफ अली खान, प्रकाश राज, श्रीकांत और शाइन टॉम चाको ने भी अहम भूमिका निभाई है। यह इस फिल्म का पहला भाग था। अब इस फिल्म का दूसरा भाग भी आएगा।

छोटी बातें बड़े काम की..

दूध को उबलने से बचाने के लिए बर्तन के किनारों पर जरा सा घी लगा दें।

- विटामिन ई के कैप्सूल के अंदर से निकलने वाले पाउडर को जले हुए स्थान पर लगाने से जल्द आराम मिल जाता है।
- नेल पॉलिश को परफ्यूम की सहायता से साफ किया जा सकता है।
- -अगर जूतों के फीतों की टिप निकल जाए तो फीते के किनारों पर नेलपालिश लगाकर उसे सख्त किया जा सकता है।
- कांच के सामान को धोने से पहले वाशबेसिन में तौलिया बिछा दें इससे उनके टूटने या चटकने की संभावना कम रहती है।
- टी-बैग्स को गर्म पानी में भिगोकर उस पानी को करीब बीस मिनट के लिए अपनी आंखों के नीचे लगाने पर वहां की सूजन को दूर किया जा सकता है।
- इंजेक्शन लगने के बाद होने वाली तकलीफ, सनबर्न तथा रेजर से कट जाने पर कुछ टी-बैग्स को पानी में भिगोने के बाद चोट वाले स्थान पर लगाएं।
- कुम्हलाई हुई सब्जियों को नींबू की कुछ बूंद पड़े ठंडे पानी में एक घंटा तक भिगो दें। सब्जियां ताजा हो जाएंगी।
- चाय का स्वाद बढ़ाने के लिए उबालते समय इसमें सूखे या ताजे संतरे के कुछ छिलके डाल दें।
- रबर बैंड को गर्मी के कारण चिपकने से बचाने के लिए उसके डिब्बे में थोड़ा सा टैल्कम पाउडर डाल दें।
- जले हुए दूध की महक दूर करने के लिए इसमें पान के दो पत्ते डालकर कुछ मिनट उबालें।

स्टोन पेंटिंग से सजाएं घर

इमारतों के निर्माण के साथ घर की सजावट में भी पत्थरों की अहम भूमिका है। आर्टीफेक्ट्स के अलावा पत्थरों के जरिये बनाई जाने वाली पेंटिंग्स की खूबसूरती का भी कोई जवाब नहीं। घर के लिविंग रूम, किड्स रूम और बेडरूम के अलावा पूजाघर की सज्जा में भी ऐसी पेंटिंग्स का इस्तेमाल किया जा सकता है..

संगमरमर, ग्रेनाइट, कोटा स्टोन या फिर कसौटी पत्थर के विविध रूपों का इस्तेमाल बिल्डिंग्स के निर्माण और उनकी सजावट के लिए वर्षों से होता रहा है। लाल पत्थर से बने बात चाहे दिल्ली के लाल किला की हो या फिर सफेद संगमरमर से दमकते ताजमहल की। सैंड स्टोन से बने कोणार्क के सूर्य मंदिर और लिंगराज मंदिर की खूबसूरती भी कुछ कम नहीं। वैसे इन सभी इमारतों में एक चीज समान है और वो यह कि पत्थर से विभिन्न तरह के पत्थरों से बनी इन इमारतों की खूबसूरती अद्वितीय है। इमारतों के निर्माण, उनकी फ्लोरिंग आदि से लेकर पत्थरों से बने आर्टीफेक्ट्स के जरिये घर व ऑफिस की सुंदरता बढ़ाने के पत्थरों का इस्तेमाल वैसे तो सदियों से किया जा रहा है। लेकिन आज के दौर में पत्थर का इस्तेमाल एक नए रूप में भी हो रहा है। जिसे जाना जाता है स्टोन पेंटिंग के नाम से।

पत्थरों के रंग-बिरंगे छोटे-बड़े टुकड़ों का चूरा बनाकर विविधता भरे डिजाइनों पर इन्हें चिपका कर चमकीली स्टोन पेंटिंग तैयार की जाती है। जो कि देखने में बेहद आकर्षक होती है। इस तरह की पेंटिंग से घर की सज्जा को नई जीवंतता दी जा सकती है। ऐसी पेंटिंग तैयार करने के लिए ऐमेथिस्ट, कैल्सीडोना, कोर्नोलियन, एग्टे, ब्लड स्टोन आदि का इस्तेमाल किया जाता है। स्टोन पेंटिंग बनाने के लिए कैनवास पर मनचाही आकृति बना लेने के बाद उस पर गोंद जैसा एक खास तरह का चिपकने वाला पदार्थ लगाया जाता है। इसे लगाने के बाद बड़ी सफाई के साथ कैनवास या शीट पर रंग-बिरंगे पत्थरों को चिपकाने के बाद सूखने के लिए छोड़ दिया जाता है।

पूरी तरह सूख जाने के बाद इन पेंटिंग्स के रंगों में भी ऑयल पेंटिंग जैसा ही लुक आ जाता है। यह भी आप और आपके घर आने वाले मेहमानों का उतना ही ध्यान आकर्षित करने में समक्ष हैं जितना कि ऑयल या फिर ग्लास पेंटिंग की खूबसूरती किसी को आकृष्ट करती है।

अगर आप अपने घर को इस तरह की पेंटिंग से सजाना चाहते हैं तो विभिन्न बाजारों से इन्हें खरीद सकते हैं। आर्ट गैलरीज के अलावा साउथ एक्सटेंशन के डिपार्टमेंटल स्टोर्स, कनॉट प्लेस और हौज खास जैसे इलाकों में स्थित आर्ट गैलरियों में इनकी विविधता भरी वेरायटी देखी जा सकती है। स्टोन पेंटिंग के रूपों में जहां राजसी परिवारों के

राजा और रानियों के चित्र देखे जा सकते हैं, वहीं इनके जरिये की गई लैंड-स्केपिंग भी आंखों को कुछ ऐसी ताजगी देती है कि मन करता है कि पेंटिंग से नजरें हटाई ही न जाएं। आप चाहें तो ईश्वर की आकृतियां वाली स्टोन पेंटिंग भी ले सकते हैं। खासकर घर या फिर ऑफिस के पूजाघरों के लिए इन्हें उपयुक्त कहा जा सकता है। इसके अलावा बच्चों के कमरों में इन्हें सजाने के लिए उनके पंसदीदा कार्टून कैरेक्टर्स के चेहरे के रूप में भी लिया जा सकता है।

जहां तक ऐसी पेंटिंग्स की कीमत का सवाल है तो इसमें इनका आकार महत्वपूर्ण भूमिका निभता है। साथ ही पेंटिंग बनाने में कैसे और कौन सी किस्म के पत्थर का इस्तेमाल किया गया है, यह भी उसकी कीमत को प्रभावित करती है। वैसे डेढ़ फुट की लंबाई-चौड़ाई वाल

ी ऐसी पेंटिंग के लिए आपको कम से कम कम डेढ़ हजार रुपये का बजट रखना होगा। जैसे-जैसे आकार और पेंटर की मेहनत बढ़ेगी इसकी कीमत में भी इजाफा होता जाएगा।

पेंटिंग के पत्थरों से बनने की वजह से अगर आप इनकी देख-रेख को लेकर चिंतित हैं, तो फिक्र की कोई बात नहीं, क्योंकि फोटोग्राफ्स की तरह आमतौर पर इन्हें फ्रेम करा दिया जाता है, जिससे कि पत्थरों पर धूल-मिट्टी न पड़े। हां, अगर फ्रेम के शीशों पर धूल जमे तो सूखे और फिर हल्के गीले कपड़े से इन्हें साफ किया ही जा सकता है।

आम तौर पर पेंटिंग के रूप में घरों में ज्यादातर ऑयल कलर्स की पेंटिंग्स ही देखने को मिलती हैं। लेकिन अपने घर में कुछ अलग और नया करने के लिए आप भी स्टोन पेंटिंग का इस्तेमाल कर सकते हैं।

ऐसा हो किचन

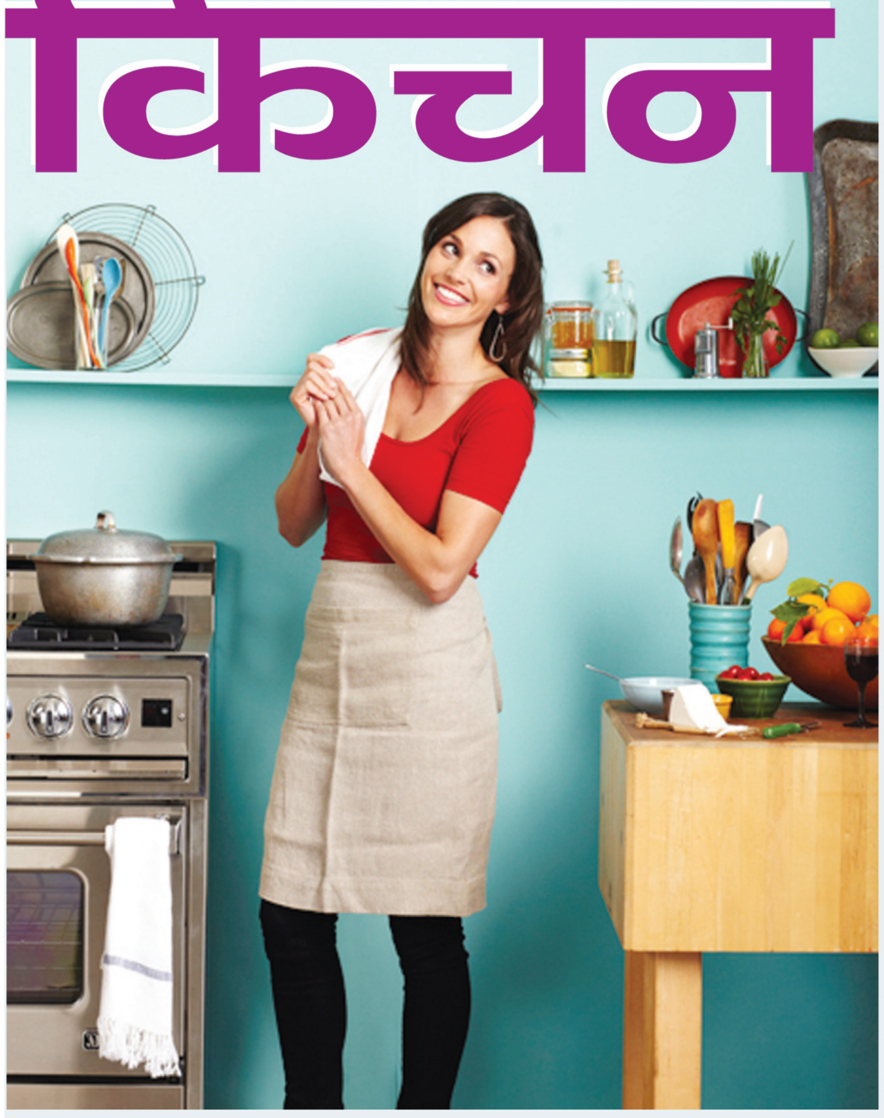

परिवार छोटा हो या बड़ा, बैचलर हों या फिर बुजुर्ग, हर किसी के लिए कुछ अलग तरह के किचन की जरूरत पड़ती है। बुजुर्ग और बड़े परिवार के लिए कैसा हो किचन और कैसी सुविधाएं हों इसमें मौजूद..

घर में बैचलर हों तो छोटे किचन से काम चल जाता है, लेकिन परिवार बड़ा हो तो किचन में ज्यादा स्पेस का होना स्वाभाविक भी है। साथ ही खाना बनाने के अलावा दूसरे अप्लायंसेज की जरूरत भी कुछ ज्यादा ही होती है। इसी तरह से यदि घर में सिर्फ बुजुर्ग ही हों तो भी किचन में कुछ खास चीजों के अलावा किचन का डिजाइन अलग तरह का होना जरूरी है। कैसे परिवार के लिए कैसा हो किचन आइये जानते हैं-

बुजुर्गों के लिए

- पहले आप जितना चल-फिर पाते थे या काम कर पाती थीं हो सकता है अब आप उतना मूव नहीं कर पाएं इसलिए किचन ऐसे ढंग से व्यवस्थित करें जहां आपको बार-बार पीठ झुकानी और घुटने मोड़ने न पड़े। आपकी जरूरत का सारा सामान आपके चारों ओर हो। यहां दिए गए उपायों को अपनाकर आप अपने किचेन को सुविधाजनक बना सकते हैं।
- ऐसी फ्लोरिंग चुनें जिसे साफ करना आसान हो। इसके लिए सिरेमिक टाइल्स, टेक्सचर्ड टाइल्स, बैंबू या इसी प्रकार कोई भी फ्लोर मटीरियल चुनें। ताकि फिसल कर गिरने का डर भी न हो।
- बुजुर्गों के लिए मॉड्यूलर किचन बेस्ट विकल्प है। ताकि नीचे वाले कैबिनेट का इस्तेमाल करने में ज्यादा मशक्कत न करनी पड़े। किचन के अंदर ही मेज और दो कुर्सी की व्यवस्था ताकि सब्जी वगैरह काटते समय या बीच में आराम के लिए बैठा जा सके।
- किचन का लेआउट इस प्रकार हो कि वह सुरक्षित भी हो। सामने की तरफ एक खिड़की भी हो ताकि वेंटीलेशन हो सके।
- सीढ़ियों का प्रयोग न करें। अगर आप रैंच होम में रह रहे हैं तो सीढ़ियों को पाट दें या बराबर कर दें ताकि दिनभर ऊपर नीचे न करना पड़े।
- किचेन खुला और जगह वाला चाहिए ताकि आपको चलना-फिरना आसान हो।
- डाइनिंग एरिया के निकट ही किचेन होना चाहिए। ताकि पुरानी हैवी कटलरी/डिशेज़ उठाकर डाइनिंग टेबल तक ले जाना आसान हो। आप चाहें तो सामान ले जाने के लिए ट्रॉली का इस्तेमाल भी कर सकते हैं लेकिन इसके किचेन की फ्लोरिंग फ्लैट होनी चाहिए।
- सबसे महत्वपूर्ण है नेचुरल लाइट। इस उम्र में नजर कमज़ोर होने के कारण चीजों को देखना भी मुश्किल हो जाता है इसलिए तेज लाइट की व्यवस्था होनी जरूरी है।
- किचेन का रंग हलका चुनें ताकि वह खुला-खुला व साफ नजर आए।

5 जरूरी चीज़ें

- वाइब्रेटिंग लिक्विड लेवल इंटीकेटर
- माइक्रोवेब
- फूड एटीमर
- पोर होल्डर
- नॉन-स्लिप प्लेसमैंट

बड़े परिवार के लिए

ऐसे परिवार में आमतौर पर किचन के काम के लिए घरेलू सहायक होते हैं। इसलिए यहां बड़े और खुली जगह वाले किचन की जरूरत होती है। किचन का रोजमर्रा और 80 प्रतिशत काम घरेलू सहायक करते हैं इसलिए होममेकर के लिए उसी किचन में अपनी पसंद का कुछ बनाने के लिए सैपरेट काउंटर और बर्नर की जरूरत होती है।

- ऐसे परिवार के लिए लेजर किचन परफेक्ट होता है। यहां सामान डबल होता है। किचन अप्लायंस और उपकरणों का डबल सेट होता है। इसमें बार भी होता है।
- दो फ्रिज रखने के लिए कैबिनेट होना चाहिए।
- बर्तन धोने की जगह अलग होनी चाहिए और छोटी-मोटी जरूरत के लिए छोटा सिंक किनारे बनवाना चाहिए।
- छह बर्नर वाला एक चूल्हा और दो बर्नर वाला एक चूल्हा रखना चाहिए।
- फ्लैप ग्रेनाइट का रखें और काउंटर आर सी सी बेस होनी चाहिए ताकि अगर कभी कोई सामग्री कूटनी हो तो प्लैटफार्म में दरार न पड़े।
- टाइल्स फ्लोर रखें ताकि किचन बड़ा और साफ सुथरा दिखे। स्टोरेज की जगह जरूरी है।
- रंग ओक या बेज रखें ताकि खुला-खुला नजर आए।
- जगह बड़ी हो तो किचन के मध्य में डाइनिंग टेबल भी रख सकते हैं ताकि खाना बनाने के साथ परिवार के लोग होममेकर के साथ एंजॉय भी कर सकें। लाइव कुकिंग का मज़ ही अलग होता है।

5 जरूरी चीज़ें

- स्लो कुकर/क्रॉकपॉट
- मीट टेंडराइज़र
- फूड प्रोसेसर
- स्टॉकपॉट

..ताकि तंग न करें सीढ़ियां

अगर आप भी अपना घर बनवाने जा रहे हैं तो उसमें सीढ़ियों का विशेष ध्यान रखें। सीढ़ियों की ऊंचाई और चौड़ाई का सही अनुपात, घर के सदस्यों को आसानी से ऊपरी मंजिलों तक पहुंचाने और नीचे लाने में सहायक होगा..

जमीन खरीदकर मनमाफिक आशियाना बनवाने की चाह रखने वालों की कमी आज भी कुछ कम नहीं। क्या आपकी भी कुछ ऐसी ही ख्वाहिश है? अगर जवाब हां में है तो प्लॉट पर घर की कंस्ट्रक्शन कराते समय कुछ चीजों का खास ध्यान रखना जरूरी है। कंस्ट्रक्शन से पहले जाहिर है सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए आप सॉयल टेस्टिंग तो कराएंगे ही साथ ही घर को भूकंप जैसी प्राकृतिक आपदा से सुरक्षित रखने भूकंप-रोधी संरचना तैयार कराने पर भी विचार करेंगे। इन सब के साथ यह जरूर ध्यान रखें कि जब आप घर का नक्शा या फिर डिजाइन किसी आर्किटेक्ट से डिजाइन कराएं तो उसे सीढ़ियों की ऊंचाई और चौड़ाई पर विशेष ध्यान देने को कहें। वैसे अक्सर ऐसा भी होता है कि ज्यादातर लोग आर्किटेक्ट की मदद के बगैर ही कांट्रेक्टर के बताए नक्शे के मुताबिक प्लॉट पर कंस्ट्रक्शन कराना आरंभ कर देते हैं। इसका असर तब दिखता है जब वे घर में रहना शुरू करते हैं। ऐसी ही कुछ परेशानियों में सीढ़ियां भी एक हैं। अक्सर प्लॉट के आकार के छोटा होने पर तंग सीढ़ियां बना दी जाती हैं और फिर उस घर में रहने वाले जब भी सीढ़ियों पर चढ़ते उतरते हैं तो हमेशा तंग ही होते रहते हैं। ऐसे में कुछ चीजों का विशेष ध्यान रखना बेहद जरूरी है। आइये जानते हैं-

- सीढ़ियां बनाते समय हेड रूम का ध्यान रखना जरूरी है, जिससे कि लंबे व्यक्तियों का सिर छत से न टकराए। अक्सर ऐसा होता है कि जल्दीबाजी में सीढ़ियों से उतरते हुए सिर अथवा माथा छत या छज्जे से टकरा जाता है और चोट लग जाती है।
- सीढ़ियों को कम से कम 840 एमएम और ज्यादा से ज्यादा एक मीटर तक अपनी जरूरत के अनुसार रखना चाहिए।
- अच्छी सीढ़ी वही है जिसमें चढ़ते और उतरते वक्त आपको बहुत ज्यादा मेहनत न करनी पड़े। आम तौर पर किसी भी वयस्क का एक पग यानी स्टेप 600 एमएम यानी 2 फुट का होता है। इसको ध्यान में रखते हुए ही सीढ़ियों का निर्माण कराएं।
- यह ध्यान रखें कि सीढ़ियों पर ऊपर चढ़ते हुए दुगनी ऊर्जा लगानी पड़ती है, ऐसे में अगर सीढ़ियां ऊंची-नीची होंगी, उनमें सामंजस्य नहीं होगा तो दुर्घटना की संभावना बनी रहेगी।
- घर में इस्तेमाल की जाने वाली सीढ़ियों में 250 एमएम का ट्रेड और 165 एमएम से 175 एमएम तक का राइजर इस्तेमाल में लाया जा सकता है। आप इसे ज्यादा से ज्यादा 220 तक का रख सकते हैं। अगर राइजर ज्यादा ऊंचा होगा तो पैर भी ज्यादा ऊंचाई तक उठाने होंगे, जिससे चंद सीढ़ियां चढ़ने के बाद ही थकान महसूस होने लगेगी।
- सीढ़ियां इस तरह डिजाइन कराई जानी चाहिए कि उस तक आसानी से पहुंचा जा सके।
- अगर कमरों के दरवाजे सीढ़ियों के साथ खुल रहे हों तो ऐसे में कम से कम 310 मिलीमीटर तक की न्यूनतम दूरी जरूरी बनाकर रखनी चाहिए। इसका फायदा यह होगा कि कमरे से सीढ़ियों तक आसानी से स्टेप-अप किया जा सकेगा।
- सीढ़ियों को कभी बहुत तंग नहीं रखना चाहिए। ऐसा होने से खासकर ऊपरी मंजिलों पर फर्नीचर चढ़ाने और उतारने में परेशानी का सामना करना पड़ता है।
- सीढ़ियों की डेकोरेशन के लिए तमाम तरह के विकल्प मौजूद हैं। इन्हें सजाने में सबसे ज्यादा भूमिका रेलिंग की होती है। रेलिंग के लिहाज से आयरन या फिर स्टील फिनिश वाली रेलिंग का इस्तेमाल भी किया जा सकता है।